9440297101

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

9440297101

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 10 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-159

राजग सरकार कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा

सुशासन से विभिन्न क्षेत्रों में आया बदलाव प्रगति के साथ जीवन में सुगमता बढ़ी

नई दिल्ली 09 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है।

श्री मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद श्री मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। श्री मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है।उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा व विश्वास के साथ विकसित ▶10पर

जेपी नड्डा ने गिनाईं मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियाँ, कहा

25 करोड़ गरीबी से बाहर अनुच्छेद 370 अलविदा

पाकिस्तान को दिया जवाब, पीएम मोदी ने बदली राजनीति की संस्कृति

नई दिल्ली 09 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को नरेन्द्र मोदी सरकार को 'पारदर्शी और भविष्यदर्शी' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत में राजनीति की संस्कृति में आमूल-चूल परिवर्तन किया है।

श्री नड्डा ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां पार्टी मुख्यालय में विशेष रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने निराशा के वातावरण को दूर कर विकसित भारत की मजबूत आधार रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले की सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला था और वह नकारात्मक एजेंडा के साथ चल रही थी। श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने नकारात्मकता को दूर किया।

उन्होंने कहा कि 11 साल पहले की राजनीतिक-संस्कृति में सत्ता में बने रहने के लिए तुष्टिकरण और समाज को खंडित करने की सोच हावी थी। श्री मोदी ने जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ सरकार के कामकाज के रिपोर्ट कार्ड के आधार पर शासन की राजनीति का मानक बनाया। उन्होंने कहा, हम जो काम कर रहे हैं, उसे जनता के सामने रखते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम पिछले 11 वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं।उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में कई साहसिक और ठोस कदम उठाये गये हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाये जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि ▶10पर

मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल अभूतपूर्व विकास का युग : राजनाथ

नई दिल्ली 09 जून (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए इसे 'अभूतपूर्व विकास' और 'युगांतरकारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' का युग बताया है। श्री सिंह ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण ने देश को दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में आत्मविश्वास के साथ खड़ा होने में सक्षम बनाया है। ▶10पर

आईईडी विस्फोट में एएसपी शहीद, कोंटा टीआई घायल

सुकमा, 09 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार सुबह नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर पुलिस अधिकारी की गाड़ी को उड़ा दिया है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश राव गिरपुन्जे शहीद हो गए। वहीं एसडीओपी व टीआई समेत दो लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया, कोंटा-गोलापल्ली मार्ग पर नए कैंप की स्थापना कर पुलिस अधिकारी लौट रहे थे।

एएसपी गिरपुंजे को कोंटा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। विस्फोट में कोंटा के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए। यह विस्फोट 10 जून को सीपीआई (माओवादी) द्वारा बुलाए गए भारत बंद से पहले सुरक्षा बलों को बाधित करने के प्रयास का हिस्सा था।

राज्यसभा से पत्र के बाद

सुप्रीम कोर्ट ने रोकी जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ जांच

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यसभा की तरफ से मिले एक पत्र के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव के खिलाफ जाँच को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट को राज्यसभा सचिवालय से मिली एक चिट्ठी में कहा गया कि यह मामला अब संसद के अधीन है। इस आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जाँच रोक दी। दरअसल राज्यसभा द्वारा भेजे गए पत्र में यह कहा गया था कि इस तरह की किसी भी कार्यवाही के लिए राज्यसभा के सभापति के पास अधिकार है। इसलिए राष्ट्रपति और संसद को ही अब इस मामले में निर्णय लेने का विशेषाधिकार है।

फिर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर अपनी इन-हाउस जाँच रोक दी और कॉलेजियम को इसकी जानकारी दी। पूरा मामला 8 दिसम्बर, 2024 को विश्व हिन्दू परिषद् के विधि प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित कार्यक्रम का है जहाँ उन्होंने मुस्लिमों में कट्टरपंथ और रूढ़िवादिता को लेकर कुछ बातें कही थीं।

जस्टिस यादव ने यूनिफार्म सिविल कोड की वकालत करते हुए मुस्लिम समुदाय में मौज़ूद ट्रिपल तलाक और हलाला की आलोचना भी की। इतना ही नहीं उन्होंने बहुसंख्यक के अनुसार कानून बनाने की बात कही। उन्होंने कहा था, हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक के अनुसार ही देश चलेगा। एक से ज्यादा पत्नी रखने, तीन तलाक और हलाला के लिए कोई बहाना नहीं है और अब ये प्रथाएं नहीं चलेंगी।

विभिन्न राजनीतिक दलों, वरिष्ठ वकीलों, नागरिक संगठनों और कुछ पूर्व न्यायाधीशों ने इस बयान को न्यायिक गरिमा और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बता दिया। कपिल सिब्बल के नेतृत्व में 55 विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी दायर किया। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर 2024 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से रिपोर्ट माँगी। इसके बाद 17 दिसंबर को तत्कालीन चीफ जस्टिस संजय खन्ना और चार अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों की कॉलेजियम बैठक में ▶10पर

'ऑपरेशन विजय' के शहीदों के परिजनों को उनके निवास पर जाकर सम्मानित करेगी सेना

INDIAN ARMY

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। सेना 26वें करगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में करीब डेढ महीने तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी और शुरूआती कार्यक्रम में करगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिजनों को इस सप्ताह उनके निवास पर ही सम्मानित किया जायेगा।

सेना के अनुसार ये कार्यक्रम विजय दिवस यानी 26 जुलाई तक आयोजित किये जायेंगे और इनमें देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले नायकों की अदम्य भावना, बलिदान और साहस का सम्मान किया जाएगा। सेना ने इस सप्ताह एक विशेष संपर्क अभियान की योजना बनाई गई है जिसमें कारगिल युद्ध के दौरान राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले युद्ध नायकों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। अपनी तरह के इस पहले अभियान में सेना के प्रतिनिधि शहीदों के 545 निकटतम परिजनों से मिलेंगे और उनके निवास स्थान पर उनका सम्मान किया जाएगा। ▶10पर

असम से घुसपैठियों को निकालने के लिए अब

सात दशक पुराना एक कानून का उपयोग किया जाएगा : बिस्व सरमा

गुवाहाटी, 09 जून (एजेंसियां)। असम से घुसपैठियों को निकालने के लिए अब एक 7 दशक पुराना एक कानून उपयोग किया जाएगा। इस कानून के तहत घुसपैठियों को निकालने के लिए अदालत जाने की जरूरत नहीं होगी। इस कानून का इस्तेमाल करने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने भी दी हुई है। वर्तमान में देश भर से बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने के लिए ऑपरेशन पुशबैक चल रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस कानून को अमल में लाए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि अवैध विदेशियों को निर्वासित करने के लिए अब हर बार अदालत जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि असम सरकार 1950 के अप्रवासी निष्कासन आदेश का इस्तेमाल कर सकती है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में वैध माना है। सीएम सरमा ने बताया कि इस कानून के तहत कलेक्टर को भी यह अधिकार है कि वह अवैध प्रवासियों को सीधे देश से बाहर भेजने का आदेश दे सकता है। सीएम सरमा ने यह सारी जानकारी शनिवार (7 जून, 2025) को नलबाड़ी जिले के दौरे के में दी है।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि किसी कारण से 1950 के इस कानून को भुला दिया गया था और सरकारी वकील भी इसका जिक्र नहीं करते थे। हाल ही में सरकार को इस कानून के अस्तित्व का पता चला है। अब राज्य सरकार इसका इस्तेमाल अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए करेगी। उन्होंने कहा कि अब से अवैध प्रवासियों की पहचान होने पर उन्हें ट्रिब्यूनल भेजने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि सीधे सीमा पार भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) के कारण अवैध प्रवासियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया धीमी हो गई थी लेकिन अब इसे तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जैसे ही किसी अवैध प्रवासी की पहचान होगी, उसे बांग्लादेश भेज दिया जाएगा।

सीएम सरमा ने कहा कि अब इन मामलों को ट्रिब्यूनल में भेजने की जरूरत नहीं होगी और प्रक्रिया जल्दी शुरू की जाएगी, जिसके लिए तैयारियाँ चल रही हैं। हालाँकि, जिन लोगों ने अपने निष्कासन आदेश को अदालत में चुनौती दी है, उन्हें तब तक नहीं भेजा जाएगा जब तक अदालत फैसला नहीं देती। सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2024 में दिए गए फैसले में नागरिकता कानून की धारा 6ए को वैध बताया था। साथ ही कोर्ट ने कहा कि अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम,1950 के प्रावधान भी इसमें शामिल माने जाएँगे और इनका इस्तेमाल अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया था कि निष्कासन कानून और धारा 6ए एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं, ▶10पर

महाराष्ट्र के मुंब्रा स्टेशन पर

कई यात्रियों के गिरने से पांच की मौत, सात घायल

मुंबई, 09 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर कसारा से आने वाली एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने से सोमवार को पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने यह जानकारी दी।

श्री शिंदे ने कहा, यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे हुई और हमें सवा नौ बजे सूचना मिली और हम मौके पर पहुंचे तो पाया कि करीब सात लोग घायल हैं और कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। शिंदे ने कहा, पीड़ितों को नजदीकी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा ले जाया गया, जिनमें से चार घायल अपने आप जुपिटर अस्पताल चले गए। अधिकारियों ने इस त्रासदी को अत्यधिक भीड़भाड़ के कारण बताया, जिसमें कई यात्री कथित तौर पर उस समय ट्रेन के दरवाजों पर लटके हुए थे। रेलवे अधिकारी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

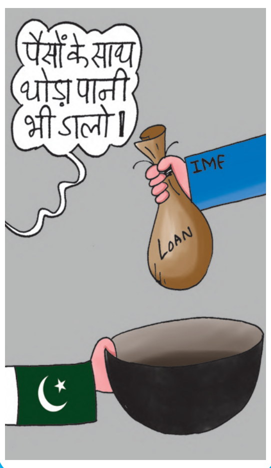

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^{0}

न्यूनतम : 26^{0}

एक देश एक चुनाव : जेपीसी प्रमुख ने पेश किया मोदी सरकार के 'ड्रीम प्रोजेक्ट' का रोडमैप

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। 'एक देश एक चुनाव', ये मोदी सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता है। इसको लेकर बीजेपी सांसद और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से संबंधित विधेयकों पर संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी बताया कि इसे मौजूदा विधेयकों के साथ लागू किया गया, तो 2034 में ही चुनाव एक साथ कराए जा सकेंगे। पीपी चौधरी ने बताया कि जेपीसी अपना मसौदा कानून से आगे जाकर चुनावों को एक समान रखने के तरीके सुझा सकती है, जिसमें रचनात्मक या सकारात्मक अविश्वास प्रस्ताव के प्रावधान की सिफारिश करना भी शामिल है। पीपी चौधरी ने एक देश एक चुनाव लागू होने के मुद्दे पर कहा कि सदस्यों ने सर्वसम्मति से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करने का फैसला किया है, जिसमें दो से ढाई साल का एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें लगभग दो से ढाई साल लगेंगे। अब तक, समिति ने दो राज्यों का दौरा किया है, जो कि महाराष्ट्र और उत्तराखंड है। बता दें कि एक देश एक चुनाव के विधेयक पिछले वर्ष दिसंबर में लोकसभा में पेश किये

गये थे और लगभग तुरंत ही इन्हें चौधरी के नेतृत्व वाली समिति को भेज दिया गया था, जो कि फीडबैक के लिए हितधारकों के साथ परामर्श कर रही है। ड्राफ्टेड विधेयक में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ लाने के लिए एक उपाय का प्रावधान है, लेकिन चौधरी का मानना है कि समिति इस बारे में अतिरिक्त सिफारिशें कर सकती है कि समन्वय कैसे कायम रखा जाए। ऐसा ही एक सुझाव अविश्वास प्रस्ताव का रचनात्मक प्रस्ताव हो सकता है, जैसा कि जर्मनी में होता है, जहां सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले विधानमंडल के सदस्यों के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या होनी चाहिए। एक साथ चुनाव होने को लेकर पीपी चौधरी ने कहा कि समिति विचार-विमर्श करेगी; संसद निर्णय करेगी। हम यह नहीं कह सकते कि कब, लेकिन विधेयक में संसद के पहले सत्र का उल्लेख है, अगर यह नियत तिथि पर होता है, तो यह 2034 से होगा।

संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2024 लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान करते हैं। यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो राष्ट्रपति नव-निर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक में एक तारीख घोषित करेंगे और तारीख के बाद निर्वाचित प्रत्येक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल ▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about SAVING ENERGY AND MONEY

GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

पत्रकार ने सुनवाई आपबीती, कनाडा को बर्बाद कर देंगे खालिस्तानी

ओटावा, 09 जून (एजेंसियां)।

कनाडा के मीडिया और संस्थानों में इस गंभीर विषय पर चुप्पी चिंताजनक है। राजनीति में ऐसे तत्वों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, जो हिंसा को बढ़ावा देते हैं और अपने विचार दूसरों पर थोपते हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन 17 जून को अल्बर्टा में होने वाला है।

जिसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आउटरीच सत्र में भाग लेने का निमंत्रण मिला है। हालांकि उनकी यात्रा की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर भारत की चिंता लगातार बनी हुई है।

पत्रकार ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। उन्होंने मार्च 2024 में भी ऐसी ही एक घटना रिपोर्ट की थी जब एडमंटन में भारत के उच्चायुक्त के विरोध में खालिस्तान समर्थक तलवार, खंजर और भाले लेकर इकट्ठा हुए थे। बेजिरगन ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन मुख्य रूप से सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) नामक समूह द्वारा संचालित है जिसे विश्व सिख संगठन (डब्ल्यूएसओ) जैसे राजनीतिक संगठनों से समर्थन मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये संगठन कनाडा की राजनीति में गहरी पैठ बना चुके हैं, जिनके साथ पूर्व और मौजूदा सांसदों तक के संबंध हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कनाडा के नेता ऐसे तत्वों को न सिर्फ पहचानते हैं, बल्कि मंच साझा करते हैं। उदाहरणस्वरूप, उन्होंने बताया कि हाल ही में सरे नगर कीर्तन के दौरान कुछ कनाडाई सांसदों ने संतोख सिंह केल्हा के साथ मंच साझा किया, जिन पर हवाई बम विस्फोट की साजिश का दोष है। बेजिरगन ने कहा कि वे इंदिरा गांधी के हत्यारों की प्रशंसा कर रहे हैं। यह बेहद खतरनाक और लोकतंत्र विरोधी है।जी-7 सम्मेलन से पहले कनाडा से एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है। खोजी पत्रकार मोचा बेजिरगन ने खुलासा किया है कि कनाडा की धरती से चल रहे खालिस्तानी उग्रवादी गतिविधियों से भारत के नेताओं को सीधा खतरा है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वैंकूवर में एक खालिस्तान समर्थक रैली को कवर करते वक्त उन पर हमला हुआ। इस दौरान उनसे उनका फोन छीन लिया गया और रिकॉर्डिंग से रोकने की कोशिश की गई। बेजिरगन ने कहा कि 'मैं अभी भी कांप रहा हूं। दो घंटे पहले मुझ पर हमला हुआ। वे गुंडों की तरह व्यवहार कर रहे थे। मेरा फोन छीन लिया और मुझे धमकाया गया।'

उन्होंने इस हमले को अपनी निष्पक्ष रिपोर्टिंग का नतीजा बताया और इसे कनाडा में खालिस्तानी ताकतों की बढ़ती धमक का प्रमाण कहा।

न्यूज ब्रीफ

गूगल का अगला सीईओ कौन सुंदर पिचाई बोले- एआई निभाएगा अहम भूमिका

वाशिंगटन। गूगल का अगला सीईओ कौन होगा कंपनी के मौजूदा सीईओ सुंदर पिचाई ने इसका जवाब दिया है। पिचाई ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) गूगल के भविष्य के नेतृत्व में अहम भूमिका निभाएगा। भविष्य में गूगल को इंसान चलाएगा या एआई इस सवाल का जवाब देते हुए पिचाई ने कहा कि मुझे लगता है कि जो भी इसे चलाएगा, उसके पास एक असाधारण एआई साथी होगा। पिचाई 2015 से कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं, वे को-फाउंडर लैरी पेज के उत्तराधिकारी हैं। पिचाई ने कहा कि गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट कम से कम 2026 तक इंजीनियरों की भर्ती करती रहेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी के एआई निवेश बढ़ाने के बावजूद भी ह्यूमन टैलेंट जरूरी बना रहेगा। पिचाई ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हम अपने मौजूदा इंजीनियरिंग बेस से अगले साल भी आगे बढ़ेंगे क्योंकि यह हमें अवसरों के क्षेत्र में और ज्यादा काम करने की अनुमति देता है। मैं इसे इंजीनियरों को नाटकीय रूप से ज्यादा प्रोडक्टिव बनाने के रूप में देखता हूं। माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने इस साल काफी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, जो आंशिक रूप से एआई में लीडरशिप तय करने के लिए जरूरी भारी निवेश को दर्शाता है। नौकरी से निकाले जाने से इस बात की आशंका बढ़ गई है कि टेक्नोलॉजी कुछ नौकरियों की जगह ले लेगी। गूगल ने भी रिसोर्सेज को फ्री करने के लिए हाल के सालों में छंटनी के कई दौर चलाए हैं।

व्हाटसऐप पर आया नया ऐनिमेशन फीचर

सैन फ्रांसिस्कों। सोशल मीडिया प्लेटफार्म व्हाटसऐप पर एक नया ऐनिमेशन फीचर ऐप पेश किया गया , जो यूजर्स के लिए एक नया और खास अपडेट पेश किया है। इस नए ऐप में फोटो और वीडियो शेयरिंग के अनुभव को और भी बेहतर बना देगा। यह नया फीचर एक ऐनिमेटेड ट्रांजिशन से जुड़ा है, जो यूजर द्वारा किसी इमेज या वीडियो को भेजते समय एक स्मूद और विजुअली आकर्षक अनुभव देता है। दरअसल, पिछले महीने यह फीचर आईओएस बीटा वर्जन 25.15.10.74 में देखा गया था, और अब इसे एंड्राएड यूजर्स के लिए भी रोलआउट किया गया है। वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, यह फीचर गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध व्हाटसऐप बेटा फार एंड्राएड 2.25.18.5 में देखा गया है। नए ऐनिमेशन फीचर का उद्देश्य यूजर के मीडिया शेयरिंग इंटरफेस को मॉडर्न और इंटरएक्टिव बनाना है। जब कोई यूजर ड्रॉइंग एडिटर से इमेज या वीडियो को एडिट करने के बाद भेजता है, तो एक विजुअल ट्रांजिशन शुरू होता है। इस ट्रांजिशन में फोटो या वीडियो का फ्रेम ड्रॉइंग एडिटर से निकलकर धीरे-धीरे आउटगोइंग मैसेज एरिया में पहुंचता है और फिर स्मूद तरीके से चैट बबल में जुड़ जाता है। यह प्रक्रिया रियल-वर्ल्ड जेस्चर की तरह महसूस होती है, जिससे यूजर को ऐसा लगता है जैसे वह मीडिया को हाथ से खींचकर भेज रहा हो। इस ट्रांजिशन में कंटीन्यूटी की भावना को महत्व दिया गया है ताकि यूजर को मीडिया भेजते समय किसी तरह की कट या झटका महसूस न हो। यह न सिर्फ देखने में शानदार है, बल्कि ऐप के यूजर इंटरफेस को और अधिक सहज और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वर्तमान में यह फीचर सीमित बीटा यूजर्स के लिए उपलब्ध है और इसकी टेस्टिंग चल रही है।

अमेरिका की टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री को घुटनों पर लाना चाहता है चीन

बीजिंग। बीते हफ्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच एक खास

फोन कॉल हुआ। चर्चा थी क्या चीन रेयर अर्थ मैग्नेट्स के निर्यात पर लगाई गई पाबंदियों में ढील देगा लेकिन इस बातचीत से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उल्टा चीन ने अप्रैल से इन मैग्नेट्स को अपने 'कंट्रोल लिस्ट' में डालकर पूरी सप्लाई चेन पर सरकार की मुहर लगा दी है। यानि अब कोई भी कंपनी इन मैग्नेट्स को चीन से बाहर नहीं ले जा सकती जब तक उसे सरकार से लाइसेंस न मिले। और इस प्रक्रिया में इतना वक्त और पेच है कि अमेरिका और जापान की कंपनियों को अपने प्रोडक्शन तक रोकने पड़ गए हैं। यूरोप में तो कुछ ऑटो पार्ट कंपनियों की फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हो गई हैं।

अमेरिका से निर्वासित किए गए 37 नेपाली नागरिकों को चार्टर्ड विमान से काठमांडू लाया गया

काठमांडू, 09 मई (एजेंसियां)।

अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे 37 नेपाली नागरिकों को रविवार की देर शाम को एक विशेष चार्टर्ड विमान से निर्वासित किए जाने के बाद त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। काठमांडू पहुंचने पर निर्वासितों को तुरंत नेपाली आप्रवासन अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों द्वारा पूछताछ करके उन्हें अपने गंतव्य तक जाने दिया गया।

नेपाल के आप्रवासन विभाग के अनुसार, निर्वासित लोगों में वे व्यक्ति शामिल हैं जो या तो अपने वीजा से अधिक समय तक रहे थे, या अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर चुके थे, या अपनी आप्रवासन स्थिति को नियमित करने में विफल रहे थे।

निर्वासित लोगों से पूछताछ के बाद आप्रवासन अधिकारियों ने बताया कि कुछ को कथित तौर पर त्वरित निष्कासन प्रक्रियाओं के तहत भी हिरासत में लिया गया था। यह एक ऐसी नीति है जो अमेरिकी अधिकारियों को पूर्ण अदालत की सुनवाई के बिना भी अनिर्दिष्ट प्रवासियों को निर्वासित करने की अनुमति देती है यदि वे दो साल से कम समय से अवैध रूप से देश में हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद नए सिरे से आव्रजन प्रवर्तन नीतियों के तहत अन्य देशों की तरह ही नेपाली नागरिकों का निर्वासन बढ़ गया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 में अब तक 150 नेपालियों को अमेरिका से निर्वासित किया गया है जो पूरे 2024 में निर्वासित की गई संख्या से दोगुने से अधिक है। यहां तक कि जिन लोगों ने पहले अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) के तहत शरण लिया था उन्हें भी निर्वासित होने के लिए कह दिया गया है।

ट्रम्प प्रशासन ने अभी कुछ दिन पहले ही औपचारिक रूप से नेपाली नागरिकों के लिए टीपीएस को समाप्त कर दिया – एक ऐसी नीति जिसने एक बार 2015 के भूकंप के बाद अमेरिका में रहने वाले लगभग 7,000 नेपालियों को निर्वासित होना पड़ेगा। रविवार की चार्टर्ड निर्वासन उड़ान में, लौटाए गए लोगों में से सभी ऐसे नागरिक शामिल हैं जो मानव तस्करी के जरिए मोटी रकम देकर अनियमित और खतरनाक मार्गों का उपयोग करके अमेरिका में प्रवेश किया था। नेपाल के मानव तस्करी रोधी ब्यूरो के अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या समूह में से कोई तस्करी नेटवर्क या श्रम शोषण का शिकार हुआ था।

प्रारंभिक पूछताछ से पता चलता है कि निर्वासितों में से कुछ ने नेपाली करेंसी में 40 लाख रुपये से लेकर 80 लाख रुपये तक खर्च किया था। अमेरिका तक पहुंचने के लिए पहले ब्राजील, कोलंबिया और मैक्सिको जैसे देशों के माध्यम से खतरनाक यात्रा कर अमेरिकी सीमा तक पहुंचे थे।

अधिकारियों ने कहा कि सभी 37 व्यक्तियों को उनके परिवारों के साथ फिर से मिलने से पहले स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। उन्होंने बताया की ऐसे मामलों में जहां आपराधिक गतिविधि या मानव तस्करी का संदेह है, आगे की जांच शुरू की जाएगी।

शाम्भवी क्रिया से नर्स ने जीवन में लाया सकारात्मक बदलाव

न्यूयार्क। ड्यूटी की थकान, बेचैनी और अवसाद से बाहर निकलकर लॉस एंजेलिस की एक नर्स जेनिफर कार्लसन ने नई जीवनशैली अपनाई है। इनर इंजीनियरिंग कार्यक्रम और शाम्भवी महामुद्रा क्रिया से उन्होंने अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। रात की 12-12 घंटे की ड्यूटी करने वाली जेनिफर की जिंदगी पहले कॉफी, सोड़ा और थकावट के चक्र में उलझी थी। जेनिफर बताती हैं कि कैसे वह पहले पूरी रात कॉफी और मीठे पेय पीती रहती थीं ताकि जागी रह सकें, लेकिन इसके दुष्प्रभाव उन्हें मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से तोड़ रहे थे। हर ड्यूटी के बाद वह थकी हुई, घबराई हुई और असंतुलित महसूस करती थीं। पर फिर उन्हें सदगुरु द्वारा बताए गए ऐश गॉर्ड यानी सफेद पेठे के बारे में याद आया, जिसे पारंपरिक रूप से शरीर को ठंडा करने और ऊर्जा बढ़ाने वाला माना जाता है। कैफीन की जगह कुछ बेहतर की तलाश में उन्होंने ऐश गॉर्ड को अपने आहार में शामिल किया। वह बताती हैं कि इसके रस से उन्हें स्थायी ऊर्जा मिलती है, घबराहट या बेचैनी नहीं होती और यह पूरी तरह स्वास्थ्यवर्धक है। उन्होंने बताया कि ड्यूटी के दौरान वह ऐश गॉर्ड का रस 2-3 गिलास पीती हैं, जिससे उनकी रात की शिफ्ट अब थकाने वाली नहीं लगती।

वैज्ञानिकों ने तैयार किया अनोखा प्लास्टिक, समुद्र में गिरते ही हो जाएगा खत्म

टोक्यो, 09 जून (एजेंसियां)।

प्लास्टिक दुनिया भर में समंदर को सबसे ज्यादा प्रदूषित करता है। माइक्रोप्लास्टिक न सिर्फ हमारे खाने में मिल चुका है, बल्कि यह अजन्मे बच्चों के गर्भनाल (प्लेसेंटा) में भी मिला है। यहां तक कि यह मैरियाना ट्रेंच जैसे महासागर के सबसे गहरे हिस्सों में भी पहुंच चुका है।

लेकिन अब जापानी वैज्ञानिकों ने एक ऐसी नई प्लास्टिक तैयारी की है, जो इस गंभीर समस्या का समाधान कर देगी। इस नई प्लास्टिक को जापान के वैज्ञानिकों ने विकसित किया है।

इसकी खासियत यह है कि यह पारंपरिक पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक जितनी मजबूत है, लेकिन इसमें बिल्कुल अलग तरीके से काम करती है। आमतौर पर प्लास्टिक को पूरी तरह से नष्ट होने में 20 से 500 साल लग जाते हैं। वहीं यह नई प्लास्टिक नमक के संपर्क में आते ही अपने मूल तत्वों में टूट जाती है।

जब यह प्लास्टिक समुद्र के खारे पानी में गिरती है, तब यह महज एक घंटे में घुलकर अपने मूल रासायनिक घटकों में टूट जाती है। इन घटकों को समुद्र में मौजूद बैक्टीरिया पूरी तरह से प्रोसेस कर लेते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस प्रक्रिया में न माइक्रोप्लास्टिक और न ही नैनोप्लास्टिक जैसी कोई हानिकारक चीज बचती है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक लैब में वैज्ञानिकों ने इसका लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी किया, जिसमें यह प्लास्टिक सिर्फ एक घंटे में खारे पानी में गायब हो गई। बता दें कि मिट्टी में भी नमक मौजूद रहता है, लेकिन वहां इस प्लास्टिक को पूरी तरह टूटने में करीब 200 घंटे का समय लगता है।

एक और अच्छी खबर यह है कि यह नई प्लास्टिक इंसानों के लिए नॉन-टॉक्सिक है। साथ ही इसमें आग लगने पर जहरीली गैसें भी नहीं निकलतीं और यह कार्बन डाइऑक्साइड भी रिलीज नहीं करती। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी यह प्लास्टिक बड़े पैमाने पर व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए तैयार नहीं है। लेकिन वे इसके लिए एक कोटिंग टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं, ताकि जल्दी बाजार में लाया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, अगर मौजूदा रफ्तार से प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ता रहा, तब 2040 तक यह तीन गुना हो जाएगा। तब हर साल समुद्र में 23 से 37 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा जुड़ता रहेगा।

चीन ने ताइवान में सैन्य घेरा बढ़ाया, सात विमान, आठ नौसैनिक जहाज भेजे

ताइवान और चीन के बीच सैन्य टकराव बढ़ता ही जा रहा है। चीन लगातार ताइवान की घेराबंदी कर रहा है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा है कि आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक देश की क्षेत्रीय जल सीमा के पास चीन के सात विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों को ट्रैक किया गया। चीन के सात में से पांच विमानों ने मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। एमएनडी ने एक्स पोस्ट में कहा कि ताइवान के आसपास संचालित पीएलए विमानों और आठ पीएलएएन जहाजों की सात उड़ानें आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक देखी गईं। सात में से पांच उड़ानें ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। ताइवान की सेना ने इस पर जवाबी प्रतिक्रिया दी। एमएनडी ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि रविवार को भी चीन के विमानों की 11 उड़ानें, सात चीनी नौसैनिक जहाजों को क्षेत्रीय जल सीमा के पास ट्रैक किया गया। 11 में से 6 उड़ानें ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। ताइवान की सेना ने निगरानी की और तदनुसार प्रतिक्रिया दी। इससे पहले बुधवार को ताइवान के तट रक्षक प्रशासन (सीजीए) ने कहा था कि उसने चीन के तट रक्षक के चार जहाजों को खदेड़ दिया। इन जहाजों को किनमेन काउंटी के पास ताइवान-नियंत्रित जल के पास ट्रैक किया गया था।

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हामिद थाईलैंड से इलाज करवाकर स्वदेश लौटे

ढाका,09 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हामिद थाईलैंड से इलाज करवाकर स्वदेश लौट आए। वह सोमवार आधीरात लगभग 1:30 बजे थाई एयरवेज की उड़ान (टीजी 339) से ढाका पहुंचे। औपचारिक प्रक्रिया को पूरा करने के बाद वह लगभग 2:45 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से घर के लिए रवाना हुए। खबर के अनुसार, हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्यकारी निदेशक ग्रुप कैप्टन रागीब समद ने अब्दुल हामिद के स्वदेश लौटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अब्दुल हमीद नियमित यात्री के रूप में लौटे और उन्होंने कोई विशेष प्रोटोकॉल नहीं मांगा। पिछले साल पांच अगस्त को बड़े पैमाने पर छात्र और सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना और उनकी पार्टी के पतन के बाद कई अवामी लीग के नेता देश छोड़कर भाग गए थे। हालांकि, अब्दुल हामिद बांग्लादेश में ही रहे। हामिद नौ महीने बाद चिकित्सा कारणों से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक चले गए। अब्दुल हामिद कथित तौर पर हत्या के एक मामले का सामना कर रहे हैं। यह मामला 14 जनवरी को किशोरगंज सदर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। इसी मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, शेख रेहाना, सजीब वाजेद जॉय, साइमा वाजेद पुतुल और ओबैदुल कादर का भी नाम है। हामिद ने अवामी लीग के शासन के दौरान 2013 से 2023 तक लगातार दो कार्यकाल के लिए बांग्लादेश के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

जलता लॉस एंजिल्स नेशनल गार्ड के दो हजार सैनिकों के हवाले, स्थिति और बिगड़ी

लॉस एंजिल्स,09 जून (एजेंसियां)।

कैलिफोर्निया का सबसे बड़ा शहर लॉस एंजिल्स ट्रंप प्रशासन के आव्रजन छापों के विरोध में जल रहा है। इसे रोकने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लॉस एंजिल्स की सड़कों पर कम से कम 2,000 नेशनल गार्ड सैनिकों को उतारा है। बावजूद इसके स्थिति और और गंभीर होती दिख रही है। लॉस एंजिल्स संयुक्त राज्य अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर है।

खबर के अनुसार, लॉस एंजिल्स में शनिवार को कानून प्रवर्तन अधिकारियों का सैकड़ों प्रदर्शनकारियों से जूझना पड़ा। अधिकारियों को कुछ रबर की गोलियों, आंसू गैस और फ्लैश बैंग ग्रेनेड का इस्तेमाल करना पड़ा। बताया गया है कि अवैध श्रमिकों की तलाश में कार्यस्थलों पर छापे मारने के बाद प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। रविवार को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में दूसरी बार झड़प हुई।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसन ने कहा है कि ट्रंप ने नेशनल गार्ड के जवानों को जानबूझकर भेजकर स्थिति को और बिगाड़ दिया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने बिना उनकी सहमति से ऐसा कर संघीय शक्तियों का दुरुपयोग किया है । इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि आव्रजन अधिकारियों के रास्ते में आने वाले किसी भी प्रदर्शन को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ विद्रोह माना जाएगा।

उल्लेखनीय है कि लॉस एंजिल्स के दक्षिण में एक छोटे से शहर पैरामाउंट से शुरू यह विरोध प्रदर्शन अन्य जगहों पर फैल गया। पैरामाउंट में बड़ी संख्या में लैटिनो आबादी है। ट्रंप की आव्रजन कार्रवाई अगले साल के विश्व कप पर एक बाधा के रूप में आकार ले रही है। कुछ फुटबॉल प्रशंसक इससे भयभीत हैं।

लॉस एंजिल्स टाइम्स अखबार के अनुसार, रविवार को कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड के सैनिक लॉस एंजिल्स पहुंचे। उन्होंने आव्रजन एजेंटों की मदद करते हुए प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। ट्रंप के लगभग 2,000 नेशनल गार्ड सैनिकों को भेजने से राज्य और स्थानीय अधिकारी भी भड़क गए हैं।

अल जजीरा की खबर के अनुसार, ट्रंप के सख्त कदम के बाद सुरक्षा बलों ने लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां दागीं। एडवर्ड आर रॉयबल फेडरल बिल्डिंग, मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर और 101 फ्रीवे के पास तीसरे दिन भी झड़पें हुई हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने नेशनल गार्ड सैनिकों को तैनात करने के आदेश को रद्द करने की कैलिफोर्निया के गवर्नर की अपील को खारिज कर दिया है।

लॉस एंजिल्स में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। आव्रजन छापों के खिलाफ प्रदर्शनकारियों की तीसरे दिन भी कानून प्रवर्तन अधिकारियों के झड़पें हुई हैं। नेशनल गार्ड के सैनिकों ने कई जगह आंसू गैस का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने शहर के प्रमुख 101 फ्रीवे को अवरुद्ध कर दिया। यहां नेशनल गार्ड के सैनिकों की जमकर झड़प हुई। लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में अनके स्वचालित वाहनों को फूंक दिया। पुलिस के घोड़ों को हमला निशाना बनाया गया।

रेल से उम्मीद, पर अपने गिरेबान में भी तो झांकें कश्मीरी

जम्मू, 09 जून (ब्यूरो)। देश में कश्मीर के लिए सीधी रेल की शुरुआत हो चुकी है। कश्मीर के लोग अपने गिरेबान में तो झांकते नहीं, पर यह सवाल जरूर पूछते हैं कि क्या यह रेल कश्मीर के पर्यटन व्यवसाय को पहलगाम नरसंहार के कारण हुई क्षति की भरपाई कर पाएगी। पर्यटन को हुए नुकसान के लिए आतंकवाद को अब तक दिया जाता रहा संरक्षण जिम्मेदार है, इस आईने में मुस्लिम बहुल कश्मीर के लोगों को अपना चेहरा देखना होगा और सोचना होगा। पहलगाम में जब चुन-चुन कर हिंदू मारे जा रहे थे तो स्थानीय लोग कुछ करने के बजाय बिस्मिल्लाह ए रहमाने रहीम की रट क्यों लगा रहे थे? यह सवाल उन्हें खुद से पूछना चाहिए। रेल की शुरुआत जम्मू-श्रीनगर हाईवे की दुश्वारियों से निजात जरूर दिलाएगी, अभी इतना ही कहा जा सकता है।

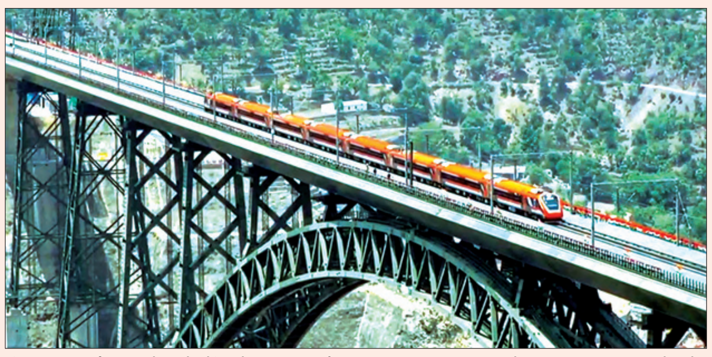

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के कुछ ही सप्ताह बाद, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इससे कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में हलचल मच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून को कश्मीर के लिए पहली सीधी ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इससे लोगों को उम्मीद है कि यह क्षेत्र की यात्रा और अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। नई ट्रेन किफायती और भरोसेमंद यात्रा का विकल्प प्रदान करती है, खासकर मध्यम वर्ग के परिवारों और गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों से आने वाले समूह पर्यटकों के लिए, जिन्हें पहले हवाई यात्रा बहुत महंगी लगती थी। श्रीनगर के होटल व्यवसायी अफजल जाफरी कहते हैं कि हमारे लिए ट्रेन परिवहन से कहीं ज्यादा बड़ी उम्मीद लेकर आई है। यह हमें भारत के हृदय स्थल से फिर से जोड़ती है।

दूसरी तरफ, पहलगाम घटना के बाद दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के लेथपोरा और पंपोर में स्थानीय व्यापारियों और विक्रेताओं को अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। छोटे पैमाने के व्यापारी जो पर्यटकों पर बहुत अधिक निर्भर हैं, खासकर सूखे मेवे, केसर और प्रसिद्ध कश्मीरी कहवा बेचने वाले, अब ग्राहकों और आय में भारी गिरावट का सामना कर रहे हैं। कभी गुलजार रहने वाला श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग, जहां पर्यटक पारंपरिक रूप से गर्म कहवा का आनंद लेने या स्थानीय उत्पाद खरीदने के लिए रुकते थे, अब भयावह रूप से सुनसान है। पीक सीजन का व्यापार, जो आमतौर पर जीवंत गतिविधि और समृद्धि लाता है, अचानक खामोशी और बढ़ती चिंता के दौर में बदल गया है।

लेथपोरा में सूखे मेवे की दुकान चलाने वाले मंजूर ने दुख जताते हुए बताया, हम हमले से पहले जो बेचते थे, उसका बमुश्किल एक प्रतिशत भी कमा पा रहे हैं। यहां रोजाना दर्जनों पर्यटक वाहन रुकते थे। लोगों को हमारा कहवा बहुत पसंद आता था और वे इसे थोक में खरीदते थे। अब, शायद ही कोई धीमा पड़ता है या रुकता है। इसी प्रकार पंपोर के पास कहवा की दुकान चलाने वाले आफताब लोन ने भी इसी तरह की चिंता जताई। उन्होंने चिंतित भाव से कहा कि हमले ने न केवल तत्काल भय पैदा किया है, बल्कि पर्यटकों का विश्वास भी तोड़ दिया है। यहां तक कि जिन लोगों ने पहले से ही अपनी यात्रा की योजना बना रखी थी, वे भी रद्द कर चुके हैं। अब कोई भी यहां सुरक्षित महसूस नहीं करता। केसर विक्रेता गुलजार अहमद ने कहा, हमें बच्चों को खिलाना है, कर्ज चुकाना है और कोई बचत नहीं है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो हमें अपनी दुकानें हमेशा के लिए बंद करने पर मजबूर होना पड़ सकता है।

अब फूलों का कारोबार भा गया स्नातकोत्तर दंपति को

जम्मू, 09 जून (ब्यूरो)। सरकारी नौकरी पाने के लिए कई साल तक संघर्ष करने के बाद दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा का एक दंपति आजीविका के लिए फूलों के कारोबार में लग गया। पहलगाम नरसंहार के कारण उनके व्यापार को धक्का लगा पर वे घबराए नहीं हैं।

इश्फाक अहमद और उनकी पत्नी साबिया मुश्ताक, दोनों स्नातकोत्तर हैं, उन्होंने पुलवामा शहर में जमीन का एक टुकड़ा किराए पर लिया है, जहां वे कई तरह के फूल बेचते हैं।

साबिया ने बताया कि कैसे उन्हें और उनके पति को सरकारी नौकरी पाने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आखिरकार, उन्होंने एक ऐसा व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया जो पर्यावरण के अनुकूल और आर्थिक रूप से टिकाऊ हो। साबिया कहती हैं, पिछले साल हमने छोटे पैमाने पर फूलों का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। शुरू में मेरा परिवार सहायक नहीं था, लेकिन संभावना को देखने के बाद उन्होंने भी हमें प्रोत्साहित किया। दंपति ने पुलवामा में जमीन किराए पर ली, जहां वे अब लगभग 200 किस्मों के फूल बेचते हैं और आय का एक स्थिर स्रोत स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि फूलों के कारोबार में उतरने का उनका फैसला प्रकृति के प्रति उनके जुनून से प्रेरित था। हम हमेशा कुछ ऐसा शुरू करना चाहते थे जिससे पर्यावरण को लाभ हो। स्वच्छ हवा और शुद्ध ऑक्सीजन के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना आवश्यक है।

दंपति अपने फूलों का स्टॉक पुणे और चेन्नई से मंगवाते हैं और अपने कारोबार को और आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इश्फाक और सबिया दोनों का मानना है कि युवाओं को केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी दर बहुत अधिक है। युवाओं को केवल सरकारी नौकरियों का इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि जिस क्षेत्र में वे रुचि रखते हैं, उसमें पहल करनी चाहिए। ऐसा करके वे न केवल अपने लिए बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार पैदा करेंगे।

मद्रास के राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल वसूली पर सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर सोमवार को अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें मदुरै-तूतीकोरिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर के पुनर्निर्माण नहीं होने तक वहां टोल शुल्क वसूली पर रोक लगाई गई थी।

शीर्ष अदालत के इस अंतरिम आदेश के बाद एनएचएआई मद्रास के मदुरै-तूतीकोरिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल वसूली करने के लिए स्वतंत्र हैं।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया।

एनएचएआई ने उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत के समक्ष एनएचएआई की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए तर्क दिया कि उस राजमार्ग पर प्रतिदिन 25,000 से अधिक लोग यात्रा करते हैं।

दूसरी ओर, मूल प्रतिवादियों का की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने शीर्ष अदालत की ओर से उच्च न्यायालय के रोक संबंधी आदेश का विरोध करते हुए तर्क दिया कि टोल वसूली 'दिनदहाड़े डकैती' के समान है, क्योंकि सड़क की स्थिति खराब है और वह उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं है।

उन्होंने दलील दी कि एनए-चएआई ने पहले भी सड़क की मरम्मत के लिए अन्य मामलों में वचन दिया था, लेकिन उसका पालन नहीं किया।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने पाया कि उच्च न्यायालय के समक्ष मूल रिट याचिका में टोल वसूली पर प्रतिबंध लगाने की मांग नहीं की गई थी। पीठ ने प्रतिवादियों को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि मामले पर बाद में विस्तार से विचार किया जाएगा।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने टिप्पणी की,उन्हें अभी (टोल) वसूलने दें, फिर हम देखेंगे।

मद्रास उच्च न्यायालय ने तीन जून के अपने आदेश में फैसला सुनाया था कि अगर सड़कों का रखरखाव भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम के तहत निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं किया जाता है, तो टोल वसूली अस्वीकार्य है।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति ए डी मारिया क्लेटे की खंडपीठ ने कहा था कि एनए-चएआई सड़क उपयोगकर्ताओं से शुल्क वसूलने से पहले उसकी (सड़क की) गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है।

अपने आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा था,भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण राजमार्गों का उचित रखरखाव करने और उसके बाद सड़क उपयोगकर्ताओं से टोल शुल्क वसूलने के लिए बाध्य है।

रघुवंश मामले में मेघालय पुलिस न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध

शिलांग, 09 जून (एजेंसियां)। मेघालय पुलिस ने सोमवार को कहा कि मध्य प्रदेश के पर्यटक राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में सफलता ईमानदारी, व्यावसायिकता और दृढ़ता के साथ न्याय करने की प्रतिबद्धता के कारण संभव हो पायी है।

मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने सनसनीखेज मामले को सुलझाने के लिए मेघालय पुलिस को बधाई दी है।

सहायक पुलिस महानिरीक्षक डॉ. सचेंग आर. मारक ने कहा, इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है इनमें दो मध्य प्रदेश के इंदौर और एक उत्तर प्रदेश ललितपुर निवासी हैं। ये गिरफ्तारियां राजा रघुवंशी की दुखद मौत के इर्द-गिर्द की परिस्थितियों को उजागर करने में एक निर्णायक घटनाक्रम को दर्शाती हैं।

श्री मारक ने कहा कि राजा रघुवंश की पत्नी सोनम ने कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के नंदगंज पुलिस थाने में आत्मसमर्पण किया है और वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश पुलिस की हिरासत में है। उन्होंने कहा कि उनके स्थानांतरण और औपचारिक बयान के लिए आवश्यक कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारी ने कहा, इस मामले में यह सफलता निरंतर जांच प्रयासों और बहु-राज्य समन्वय के बाद हासिल हुई है।

श्री मारक ने कहा, हम इस जटिल जांच के दौरान उनके सहयोग और समर्थन के लिए परिवारों, मेघालय के नागरिकों और हमारे अंतर-राज्यीय समकक्षों के प्रति बहुत आभारी हैं।

इसके अलावा, उन्होंने कहा, मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, स्थानीय खुफिया इकाइयों और कई राज्यों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा समर्थित चौबीसों घंटे प्रयासों का परिणाम है।

श्री मारक ने कहा, भौगोलिक और तार्किक चुनौतियों और निरंतर सार्वजनिक और मीडिया जांच के बावजूद, हमारी टीमें कानून के शासन को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहीं।

हत्या का मामला दर्ज किया गया है और एक विशेष जांच दल राजा की निर्मम हत्या की जांच कर रहा है।

मध्य प्रदेश के इंदौर के इस जोड़े की 11 मई को विवाह हुआ था और वे 21 मई को हनीमून पर मेघालय की राजधानी शिलांग पहुंचे थे। नवविवाहित दम्पति अपने हनीमून के लिए 22 मई को मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में सोहरा तक अपने किराए के दोपहिया वाहन से गया, जो धरती पर सबसे अधिक बारिश वाला स्थान है।

इस जोड़े ने 22 मई को प्रसिद्ध लिविंग डबल डेकर रूट ब्रिज के घर, नोंग्रियाट गांव में शिपारा होमस्टे में चेक इन किया था। राजा और सोनम सुबह-सुबह अपने होमस्टे से चेक आउट कर गए। टूर गाइड अल्बर्ट पडे ने कहा कि उन्होंने इस जोड़े को नोंग्रियाट से लौटते हुए ट्रेक के बीच में देखा था।

उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके साथ तीन अन्य पुरुष पर्यटक भी थे। पडे ने कहा, राजा उन तीन लोगों के साथ जा रहा था, जबकि सोनम उनके पीछे धीरे-धीरे चल रही थी।

उन्होंने बातया कि दंपत्ति के लापता होने का पता तब चला जब 24 मई को शिलांग और सोहरा रोड के बीच सोहरारिम गांव में एक दोपहिया वाहन लावारिस हालत में मिला, जिसे उन्होंने किराए पर लिया था। दो जून को मेघालय पुलिस ने सोहरा के रियात अर्लियांग में वेई सावडोंग पार्किंग स्थल के नीचे एक गहरी खाई से राजा का क्षत-विक्षत शव बरामद किया।

मेघालय पुलिस ने चार जून को मावक्मा गांव में एक खाई से खून से सना हुआ एक रेनकोट बरामद किया।

पुलिस जांच में कहा गया कि राजा की हत्या निर्ममता से की गई। पुलिस ने घटनास्थल से एक चाकू भी बरामद किया, जिसे हत्या का हथियार माना जा रहा है।

जांचकर्ताओं ने कहा कि घटनास्थल से बरामद सभी भौतिक साक्ष्य आगे के विश्लेषण के लिए केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल), हैदराबाद भेजे जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई की पदोन्नति

बने उप सेना प्रमुख (रणनीति)

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' में सफल भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति दी गई है। सोमवार को उनकी पदोन्नति की जानकारी सामने आई।

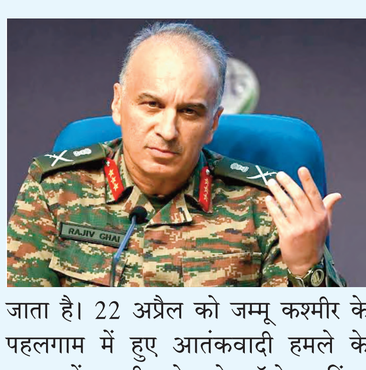

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को अब भारतीय सेना का उप सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। बतौर उप सेना प्रमुख वह रणनीति मामलों को देखेंगे। उप सेना प्रमुख बनने के बावजूद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई पूर्व की भांति फिलहाल डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन यानी डीजीएमओ का कार्यभार भी संभालते रहेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के पद पर पदोन्नत किए गए हैं।

दरअसल, भारतीय सेना में यह एक महत्वपूर्ण पद है। सेना के सभी ऑपरेशनल कार्यक्षेत्र, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के कार्यालय को रिपोर्ट करते हैं। वहीं, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य स्तर पर होने वाली बातचीत का नेतृत्व डीजीएमओ द्वारा किया जाता है। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान में और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित विभिन्न आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना ने हमला किया था, जिसमें सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने इसके जवाब में भारतीय सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले किए, जिसका मुंह तोड़ जवाब भारतीय सेना ने दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई एयरबेस व एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट कर दिए। इसके बाद पाकिस्तान ने युद्ध विराम की मांग की।

पाकिस्तानी सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क किया। दोनों के बीच यह वार्ता हॉटलाइन पर हुई थी। बीते महीने हुई इस वार्ता में पाकिस्तान ने कहा था कि वह सीमा पार से एक भी गोली नहीं चल-एगा। वार्ता में कहा गया कि दोनों पक्षों को एक भी गोली नहीं चलानी चाहिए। एक-दूसरे के खिलाफ कोई आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करनी चाहिए।

सेना के मुताबिक, इस बात पर सहमति हुई कि दोनों पक्ष यानी भारत और पाकिस्तान सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें। भारत व पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच हुई अन्य बातचीत की पूरी जानकारी रक्षा मंत्री को दी गई थी। इससे स्पष्ट है कि भारतीय सेना में डीजीएमओ एक बेहद अहम पद है। वर्तमान में भारतीय सेना के डीजीएमओ यानी लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई इस पद पर बने रहेंगे। वह महत्वपूर्ण विषयों पर थलसेना प्रमुख को सीधे रिपोर्ट करते हैं। इसके साथ ही, डीजीएमओ सेना, नौसेना तथा वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण यो-गदान देते हैं।

पिछले 11 वर्ष आर्थिक पुनरुत्थान, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का नया युग: शाह

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केन्द्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है।

श्री शाह ने राजग सरकार का 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, मोदी सरकार के ऐतिहासिक 11 वर्ष जनसेवा के संकल्प, साधना और समर्पण का स्वर्णिम कालखंड रहे हैं। ग्यारह वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है। मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया कि जब नेतृत्व स्पष्ट, संकल्प अडिग और नीयत लोकसेवा की होती है, तब सेवा, सुरक्षा और सुशासन के नए कीर्तिमान बनते हैं।

वर्ष 2014 से पहले सरकार में पॉलिसी पैरालिसिस और नेतृत्व की कमी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 2014 में जब मोदी जी ने देश की बागडोर संभाली, तब देश में पॉलिसी पैरालिसिस था। न नीतियाँ थीं, न नेतृत्व था और सरकार में घोटाले चरम पर थे। अर्थव्यवस्था जर्जर और शासन व्यवस्था दिशाहीन थी। पिछले 11 वर्षों में 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' से देश के विकास की स्पीड और स्केल दोनों को बदला गया है। प्रधानमंत्री किसानों, महिलाओं, पिछड़ों, दलितों और वंचितों को शासन के केंद्र में लाए और तुष्टीकरण की जगह सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की कार्य संस्कृति बनाई।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने राजग सरकार के कार्यकाल को राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर करार दिया और कहा , राजग सरकार के 11 वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में भी मील का पत्थर सिद्ध हुए हैं। नक्सलवाद अपनी अंतिम साँसे गिन रहा है, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति की स्थापना हुई है, भारत अब आतंकवादी हमलों का जवाब आतंकियों के घर में घुस कर देता है। यह मोदी सरकार में भारत की बदलती तस्वीर को दर्शाता है। मोदी 3.0 में नया भारत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की शक्ति से विकसित और आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। देशवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर हर क्षेत्र में नंबर एक भारत बनाने की यह यात्रा ऐसे ही जारी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने 11 वर्ष पहले केन्द्र की सत्ता संभाली थी और इसके बाद से देश ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं।

न रेखा, न जया अमिताभ बच्चन के लिए रात को उठ उठकर रोती थी परवीन बाबी, कभी नहीं मिला प्यार!

अमिताभ बच्चन से जुड़े किस्से आज भी सोशल मीडिया पर हर कोई पढ़ता है। उनकी लव लाइफ खूब सुर्खियों में रही थी। लेकिन अगर आपको लगता है कि उनके लिए रात को उठकर रेखा रोती थी, तो आप गलत हैं। यहां तक कि वो एक्ट्रेस जया बच्चन भी नहीं हैं। बल्कि कोई और है।

कौन किसे डेट कर रहा था, किसका रिश्ता अधूरा रह गया... बॉलीवुड की ऐसी खबरें लोग खूब चटकारें लेकर पढ़ते हैं। बॉलीवुड के ऐसे कई नामी एक्टर्स हैं, जिनकी लव लाइफ चर्चा में रही हैं। आज भी उनके किस्से सोशल मीडिया पर खूब पढ़े जाते हैं। इनमें से एक हैं अमिताभ बच्चन, रेखा और जया। लेकिन क्या आप उस एक्ट्रेस को जानते हैं, जो बिग बी के लिए आधी रात को उठकर रोती थी?

अमिताभ बच्चन के लिए आधी रात को उठ-उठकर रोने वाली एक्ट्रेस रेखा नहीं है। न ही यह जया बच्चन हैं। इस एक्ट्रेस की हालत देखकर महेश भट्ट ने अमिताभ बच्चन से मिलने का फैसला कर लिया था। वो अपना अहंकार छोड़ एक्टर के पास पहुंचे थे। दरअसल यह एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि परवीन बॉबी हैं। और यह किस्सा साल 1980 में आई फिल्म 'दोस्ताना' का है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पिक्चर की शूटिंग के दौरान बेंगलुरु में एक्ट्रेस का इलाज चल रहा था। उन्हें 'सिजोफ्रेनिया' नाम की मानसिक बीमारी थी। जब परवीन बाबी इस फिल्म के शूट में थीं, उस दौरान कई मेडिकल इश्यू का उन्हें सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में वो आधी रात में उठकर अमिताभ बच्चन के लिए जोर-जोर से रोने लगती थीं। ऐसे में महेश भट्ट ने अमिताभ बच्चन से मिलने का फैसला कर लिया और फिल्म के सेट पर पहुंच गए। महेश भट्ट ने बिग बी से रिक्वेस्ट की ... थी कि वो एक्ट्रेस के साथ अच्छे से पेश आए और उनका ध्यान भी रखे। वो काफी परेशानी से गुजर रही हैं। हालांकि, जहां अमिताभ बच्चन ने वादा किया कि वो ख्याल रखेंगे। तो रिपोर्ट्स में ऐसा भी कहा जाता है कि बिग बी ने भी महेश भट्ट को परवीन का ध्यान रखने के लिए कहा था। महेश भट्ट उनकी बात सुनकर काफी नाराज भी हो गए थे। उन्हें लगता था कि एक्टर सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं। उस वक्त एक्ट्रेस का नाम महेश भट्ट से काफी जोड़ा जाता था। परवीन बॉबी का डैनी डेन्जोंगपा और कबीर बेदी के साथ रिश्ता रहा है। इसके बाद शादीशुदा महेश भट्ट के साथ लव अफेयर की खबरें आईं। लेकिन 1980 में दोनों का रिश्ता टूट गया। अपनी पूरी जिंदगी में एक्ट्रेस प्यार की तलाश करती रहीं, लेकिन सच्चा प्यार नसीब नहीं हुआ। 20 जनवरी 2005 को दुनिया को अलविदा कह दिया था।

किलर मास्क पहन रिपोर्टर बने अक्षय कुमार, दर्शकों से जाना फिल्म हाउसफुल 5 का हाल

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 रिलीज हुई। फिल्म के बारे में दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बेचैन अक्षय कुमार ने एक अनोखा तरीका अपनाया। वह फिल्म में दिखाए किलर मास्क को पहनकर लोगों के बीच पहुंचे और दर्शकों से उनकी राय जानी। इसका वीडियो अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें वह एक सिनेमा हॉल के बाहर 'किलर मास्क' में दिखाई दे रहे हैं। वह फिल्म देखकर निकले दर्शकों से पूछ रहे हैं कि उन्हें 'हाउसफुल 5' कैसी लगी।

चूंकि एक्टर के चेहरे पर मास्क था, इसलिए दर्शक उन्हें पहचान नहीं पाए और अपनी राय दी। कई लोगों ने फिल्म की तारीफ की और कहा कि उन्हें 'हाउसफुल 5' बेहद पसंद आई। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, बस यूं ही मैंने सोचा कि किलर मास्क पहनकर 'हाउसफुल 5' का शो देखकर निकलने वाले लोगों का इंटरव्यू लूं। आखिर में पकड़ा जाने वाला था, लेकिन उससे पहले भाग गया। मस्त एक्सपीरियंस था।

इस वीडियो पर फैंस ने मजेदार कमेंट किए।

एक यूजर ने लिखा, कोई पहचान भी नहीं पा रहा। क्रेजी पाजी!

अन्य यूजर ने लिखा, मैं तो इंतजार कर रहा था कि ये मास्क उतारें, जैसे हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी जूनियर करते हैं।

'हाउसफुल 5' फिल्म में कई जाने-माने सितारे हैं। इनमें संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकारों की धमाकेदार टीम है। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने डायरेक्ट किया है और साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है।

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2010 में हुई थी। इसका सीक्वल साल 2012 में रिलीज हुआ, जिसे साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। वहीं इसका तीसरा पार्ट साल 2016 में रिलीज किया गया। इसे साजिद और फरहाद की जोड़ी ने मिलकर डायरेक्ट किया। वहीं चौथा पार्ट साल 2019 में रिलीज हुआ। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया था। अब इसका पांचवां पार्ट रिलीज किया गया है।

मायानगरी को छोड़ क्यों गांव में बस गए नाना पाटेकर, अभिनेता ने अमिताभ बच्चन को बताई वजह

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर क्विज आधारित रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति 17 में बतौर गेस्ट बनकर पहुंचे और हॉट सीट पर बैठे। इस दौरान उन्होंने अपने गांव लौटने और मायनगरी मुंबई से दूर रहने की वजह का खुलासा किया। शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने नाना पाटेकर से सवाल पूछा, आपने जीवन में इतना कुछ हासिल किया, फिर सब कुछ छोड़कर गांव क्यों चले गए? इस पर अपने दिल की बात साझा करते हुए नाना पाटेकर ने सादगी से जवाब देते हुए कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हूं। मैं बस यहां काम करने आता हूं और फिर वापस चला जाता हूं। मैं कभी किसी पार्टी में नहीं गया, न ही शहर में ज्यादा रुका। मैं गांव का हूं और वहीं रहना पसंद करता हूं। मुझे वहां की जिंदगी अच्छी लगती है।

नाना ने भावुक होकर कहा, मुझे अपनी मां से जितना चाहिए था, उससे कई गुना ज्यादा मिला है। जरूरतें सीमित रखना बहुत आसान है। मेरे पास एसी नहीं है, क्योंकि मुझे उसकी जरूरत नहीं लगती। जैसे शहर में चारों तरफ दीवारें होती हैं, वैसे ही मेरे घर के चारों ओर पहाड़ हैं। पहाड़ों से घिरा हुआ मेरा घर है, और मैं वहीं आराम से रहता हूं। मुझे यह बहुत अच्छा लगता है।

एपिसोड में नाना पाटेकर ने अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की भी जमकर तारीफ की। शो में एक दर्शक ने जब नाना से पूछा कि फिल्म 'वजूद' में माधुरी दीक्षित के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा? तो उन्होंने कहा, माधुरी दीक्षित के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, खूबसूरत हैं, कमाल की डांसर हैं, और उनमें वह सब कुछ है जो हर इंसान में होना चाहिए। मैं उन्हें बेहद सम्मान की नजरों से देखता हूं।शो में आगे दर्शकों ने नाना पाटेकर से फिल्म 'वजूद' में माधुरी दीक्षित को सुनाई कविता 'कैसे बताऊं मैं तुम्हें' से जुड़ा सवाल भी किया। इस पर मुस्कुराते हुए एक्टर ने जवाब दिया, वह कविता जावेद अख्तर साहब ने लिखी थी। उस फिल्म को लगभग 30-35 साल हो गए हैं, लेकिन यह कविता आज भी मुझे याद है। मैंने यह कविता माधुरी को सुनाई थी, इसलिए यह मेरे लिए भूलना मुश्किल है। आज भी ऐसा लगता है जैसे वह कविता मेरे खून में दौड़ रही हो। जब भी कोई मुझसे उस कविता के बारे में पूछता है, तो काफी सारी यादें दिल में ताजा हो जाती हैं।नाना पाटेकर शो में एक्टर उत्कर्ष शर्मा, एक्ट्रेस सिमरत कौर और लेखक-निर्देशक अनिल शर्मा के साथ आए थे।

प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती और पति संग बिताए खुशनुमा पल, दिखा खास अंदाज

ग्लोबल आइकन और फिल्म स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपने इंस्टाग्राम पर परिवार संग बिताए खूबसूरत पलों को शेयर किया। जिसमें पति निक जोनास, बेटी मालती मैरी और कुछ दोस्त नजर आ रहे हैं। पोस्ट की तस्वीर में प्रियंका अपने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास के साथ सुहावने मौसम का आनंद ले रही हैं। वह एक रेस्तरां में बैठकर पति संग बेवरेज का लुत्फ उठा रही हैं। वहीं एक और दिल छू लेने वाली तस्वीर में निक एक तरफ अपनी पत्नी प्रियंका और दूसरी तरफ बेटी मालती का हाथ पकड़े हुए सैर करते दिख रहे हैं। अन्य तस्वीरों में प्रियंका अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं। इसमें उनकी खूबसूरत सेल्फी भी शामिल है।

इन झलकियों को उन्होंने सिर्फ एक लफ्ज से परिभाषित किया है और वह है 'मे'। इससे स्पष्ट है कि ये मई महीने में परिवार और खास दोस्तों संग बिताए पलों की श्रृंखला है।

इस पोस्ट में बेटी मालती की भी तस्वीरों में झलक देखने को मिली। एक फोटो में वह अपनी आंखों का मेकअप करती दिख रही हैं, तो दूसरी फोटो में वह गलियों में अपने दोस्तों संग खेलती दिखाई दे रही हैं। मालती की मासूमियत और चुलबुलापन सभी का दिल जीत रहा है। इन तस्वीरों से साफ पता चलता है कि प्रियंका ने मई का महीना अपनों के साथ हंसी-खुशी में बिताया।

वीडियो की बात करें तो इसमें प्रियंका मालती को गोद में लेकर उससे बातें करती नजर आती हैं। मां-बेटी के इस खास पल को देखने के बाद फैंस कमेंट्स के जरिए ढेर सारा प्यार बरसा रहे हैं। एक्ट्रेस की इस पोस्ट को खूब पसंद किया गया।

एक फैन ने लिखा, 'परफेक्ट मां और पत्नी'

वहीं दूसरे फैन ने लिखा- 'ग्लैमरस लाइफस्टाइल'

अन्य फैन ने लिखा- 'प्रियंका जैसा कोई नहीं'

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा को कई साल से किसी बॉलीवुड फिल्म में नहीं देखा गया है। वह आखिरी बार साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'स्काई इज पिंक' में नजर आई थीं। लेकिन खबर है कि उनके पास 'बाहुबली 2' के डायरेक्टर एस.एस. राजामौली की अनटाइटल फिल्म 'एसएसएमबी 29' है। इस फिल्म में वह टॉलीवुड स्टार महेश बाबू के साथ काम करेंगी।

फिल्म बधाई हो में गीत मोरनी बनके की शूटिंग के दौरान चोटिल थीं सान्या मल्होत्रा

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'बधाई हो' को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म के गाने 'मोरनी बनके' की शूटिंग के दौरान वह चोटिल थीं।सान्या मल्होत्रा ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के समय वह चोटिल थीं, उन्हें टांके लगे थे, और उनकी चोट ताजा थी। यह बात सान्या ने मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान के साथ उनके यूट्यूब व्लॉग में बातचीत के दौरान साझा की।

व्लॉग वीडियो में सान्या मल्होत्रा, फराह खान के साथ बुरिटो बाउल डिश का लुत्फ उठाती और अपनी फिल्मी यात्रा पर चर्चा करती नजर आईं।'मोरनी बनके' गाने की शूटिंग का जिक्र करते हुए सान्या ने बताया कि वह फिल्म 'पटाखा' की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गई थीं। उनकी बांह पर टांके लगे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 'मोरनी बनके' की शूटिंग की।

सान्या ने हंसते हुए बताया, यही नहीं, मैं दोबारा गिर गई थी। 'बधाई हो' के गाने की शूटिंग के लिए फर्श को तेल से चमकाया गया था ताकि वह चमकदार दिखे। मैं चल रही थी और जैसे ही गाने की लाइन आई, 'कैटवॉक वाली बेबी है तेरी चाल' पर स्टेप के दौरान मैं फिसल गई। मैंने इस मजेदार पल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें मैं फिसलने के बाद हंस रही थी। फराह ने मजाक में कहा कि जिस फिल्म में हीरोइन गिरती है, वह हिट हो जाती है। उन्होंने 'कल हो ना हो' के एक सीन का उदाहरण भी दिया। फराह ने सान्या की 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'मिसेज' और उनके अब तक के करियर के बारे में भी पूछा। सान्या ने बताया कि उन्होंने 9 साल में 14-15 फिल्में की हैं।फराह ने पूछा कि क्या सान्या ने कभी एक्टिंग स्कूल या क्लासेज की? तो सान्या ने जवाब दिया कि वह ऑडिशन के जरिए इंडस्ट्री में आईं और उनकी पहली मुलाकात फराह से ही हुई थी।

सोनाक्षी सिन्हा की अश्विनी अय्यर तिवारी की फिल्म में एंट्री

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछले साल रितेश देशमुख संग फिल्म काकुड़ा में दिखी थीं। एक ओर जहां वह फिल्म निकिता रॉय को लेकर चर्चा में हैं, वहीं अब उनकी नई फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है।खबर है कि सोनाक्षी निर्देशक अश्विन अय्यर तिवारी की अगली फिल्म में नजर आने वाली हैं। हालांकि, यह फिल्म काफी समय से चर्चा में थी, लेकिन इससे जुड़ीं कुछ खास जानकारियां सामने नहीं आई थीं।आइए जानें फिल्म पर क्या है नया अपडेट।रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनाक्षी और ज्योतिका इस फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगी। यह पहला मौका होगा, जब दोनों अभिनेत्रियां पर्दे पर साथ दिखेंगी। खास बात यह है कि फिल्म में उनके बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी।पिछले 2 साल से चर्चा में बनी हुई इस फिल्म के कलाकार अब जाकर फाइनल हुए हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। इस कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म में सोनाक्षी और ज्योतिका एक-दूसरे के आमने-सामने होंगी।ये वही फिल्म है, जिसमें पहले करीना कपूर और कियारा आडवाणी को कास्ट किया गया था, लेकिन कुछ कारणों से इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ बात नहीं बन पाई, जिसके बाद फिल्म में सोनाक्षी और ज्योतिका को साइन किया गया।इस साल की शुरुआत में अश्विन ने इस फिल्म पर नए सिरे से काम करना शुरू किया। पिछले हफ्ते ही फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है।सोनाक्षी और ज्योतिका दोनों ही फिल्म में वकील की भूमिका निभाने वाली हैं।फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट और हरमन बावेजा की प्रोडक्शन कंपनी बावेजा स्टूडियो के बैनर तले बन रही इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है।एक कानूनी मामले के इर्द-गिर्द बुनी गई इस फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक खत्म हो जाएगी।

साध्य और शुभ योग समेत कई मंगलकारी संयोग में मनाई जाएगी ज्येष्ठ पूर्णिमा

सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि का खास महत्व है। यह दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। भगवान विष्णु को श्रीसत्यनारायण भी कहते हैं। अतः पूर्णिमा तिथि पर श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा की जाती है। इस शुभ अवसर पर साधक गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करते हैं। इसके बाद भक्ति भाव से लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। वहीं, पूजा के बाद आर्थिक स्थिति के अनुसार दान करते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि पर शुभ और साध्य समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही घर में खुशियों का आगमन होगा।

ज्येष्ठ पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 10 जून को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर ज्येष्ठ पूर्णिमा की शुरुआत होगी। वहीं, 11 जून को दोपहर 01 बजकर 13 मिनट पर पूर्णिमा तिथि समाप्त होगी। ज्योतिषियों की मानें तो 10 जून को वट पूर्णिमा व्रत है। वहीं, 11 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा का स्नान-दान किया जाएगा।

साध्य योग

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन साध्य योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग दोपहर 02 बजकर 04 मिनट तक है। ज्योतिष साध्य योग को शुभ मानते हैं। इस योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

शुभ योग

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग दोपहर 02 बजकर 05 मिनट से हो रहा है। वहीं, शुभ योग का समापन 12 जून को दोपहर 02 बजकर 05 मिनट पर होगा। इस दौरान भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05:23 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 07 : 19 मिनट पर

चंद्रोदय- रात 07: 42 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04: 02 मिनट से 04 बजकर 42 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 40 मिनट से 03 बजकर 36 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 18 मिनट से 07 बजकर 38 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 : 01 मिनट से

आज के दिन भगवान सत्यनारायण कथा करने का भी है विधान

ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा तिथि इस बार 10 जून 2025 को पड़ रही है। इस बार पूर्णिमा तिथि पर वट सावित्री का व्रत भी रखा जाएगा। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए हर वर्ष रखती हैं। इस व्रत में दिनभर व्रत और पूजा करने से अखंड सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है।

इसके अलावा पूर्णिमा तिथि को भगवान सत्यनारायण की कथा करने का भी विधान है। इससे मनुष्य के सभी सांसारिक दुखों का नाश होता है। सुखों की प्राप्ति होती है और अंत में वह मोक्ष को प्राप्त कर बैकुंठ धाम चला जाता है।

भगवान सत्यनारायण का उल्लेख स्कंद पुराण में मिलता है। इसमें बताया गया है कि भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद को यह कथा सुनाई और इस व्रत का महत्व भी बताया है। इस व्रत को पूर्णिमा, एकादशी या गुरुवार के दिन किया जाता है।

इन चीजों की होगी जरूरत

भगवान सत्यनाराण की पूजा की तैयारी के लिए श्री सत्यनारायण की प्रतिमा या फोटो, धूप, दीपक, चावल, कलश, हल्दी, कलावा, पंचामृत, प्रसाद, जनेऊ, नारियल, हवन का पैकेट, जौ, फल, फूल, तुलसी, पान और सुपारी, दक्षिणा की जरूरत होगी। वहीं, पूजा करने के लिए सत्यनारायण व्रत कथा की किताब होनी चाहिए।

व्रत का संकल्प लें

भगवान सत्यनारायण की कथा और पूजा करने से पहले सुबह उठकर आपको इसका संकल्प लेना होगा। इसके बाद आप किसी योग्य ब्राह्मण या पंडित को बुलाकर कथा सुन सकते हैं। यदि आपका उपनयन संस्कार हो चुका है और आपके घर में पूजा की परंपरा रही है, तो आप स्वयं भी कथा पढ़ सकते हैं।

कथा के बाद भगवान सत्यनारायण की आरती करें। इसके बाद हवन करें। कथा के बाद प्रसाद का वितरण करें और खुद भी प्रसाद खाएं।

सत्यनारायण कथा के लिए भोग

भगवान श्री सत्यनारायण कथा में प्रसाद के लिए गेंहू की पंजीरी का भोग लगाया जाता है। पंजीरी बनाने के लिए सबसे पहले गेंहू के आटे को देशी घी में भूनते है, फिर उसमें चीनी के अलावा पंच मेवा डाली जाती है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें इन चीजों का दान

लक्ष्मी-नारायण देंगे सुख समृद्धि का आशीर्वाद

ज्येष्ठ पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष तौर पर पूजा की जाती है। वैसे भी सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि का अपना महत्व है। इस पर ज्येष्ठ मास को हिंदू धर्म में बड़े महीने का दर्जा दिया गया है। ऐसे में ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा का महत्व और बढ़ जाता है। इस दिन स्नान ध्यान के साथ साथ दान पुण्य का भी महत्व है। ऐसे में आइये जानते हैं ज्येष्ठ पूर्णिमा पर किन किन चीजों का दान करना चाहिए।

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दान

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान करने, भगवान का पूजन करने और दान पुण्य करने का विशेष महत्व है। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर कुछ चीजों का दान उत्तम माना गया है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर जरूरतमंदों को पंखा, ठंडक प्रदान करने वाली वस्तुओं का दान करें।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर तरबूज, खीरा, ककड़ी आदि शीतलता प्रदान करने वाले फलों का दान करें।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर सूती वस्त्र, अन्न और धन का दान करना शुभ माना जाता है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर दही, घी, दूध, चावल, गुड़, खीर आदि के दान से लक्ष्मी नारायण की कृपा प्राप्त होती है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर चंद्रमा को दूध अर्पित करें। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दान चंद्रोदय का समय शाम 7.29 बजे है। ऐसे में चंद्रमा की पूजा के बाद दूध अर्पित करें। इसके अलावा घर के मंदिर में श्रीयंत्र की प्रतिष्ठा करें। इसके बाद इसे घर की उत्तर दिशा में साफ स्थान पर टांग दें। इसके बाद चावल, हल्दी की गांठ और एक रुपये का सिक्का लाल कपड़े में बांधकर रख दें और 108 बार ऊं श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊं महालक्ष्मी नम: मंत्र का जप करें। इससे आपकी आर्थिक परेशानियां दूर होंगी।

पूर्णिमा के दिन इन बातों का रखें ध्यान, वरना नहीं मिलेगा व्रत का फल

हर सुहागिन महिला के लिए वट सावित्री पूर्णिमा का व्रत बहुत शुभ माना जाता है। यह व्रत अखंड सौभाग्य, पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है। इस साल यह व्रत 11 जून को रखा जाएगा। इस दिन महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं और सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं। वहीं, इस पावन दिन को लेकर कई सारे नियम बनाए गए हैं, जिसका पालन हर किसी को करना चाहिए।

वैदिक पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 10 जून को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर शुरू होगी और वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 11 जून को दोपहर 01 बजकर 13 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए 10 जून को व्रट सावित्री पूर्णिमा व्रत रखा जाएगा। हालांकि स्नान-दान 11 जून को किया जाएगा।

व्रत में इन बातों का रखें ध्यान

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत में सोलह शृंगार करें।

व्रत में पवित्रता का खास ख्याल रखें।

एक दिन पहले सात्विक भोजन करें।

व्रत के दिन सुबह स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

पूजा में पवित्रता का खास ख्याल रखें।

पूजा में तामसिक चीजों से दूर रहें।

मन शुद्ध रखें।

इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें।

पूजा के बाद वट सावित्री की कथा सुनें।

व्रत के दौरान क्रोध और नकारात्मकता से दूर रहें।

नकारात्मक विचारों से बचें।

व्रत के पारण के बाद भी सात्विक भोजन ही ग्रहण करें।

मांसाहार और तामसिक भोजन से बचें।

व्रत पूरा होने के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं और दक्षिणा दें।

खूब मेहनत के बाद भी कारोबार में नहीं मिल रही सफलता, तो पूर्णिमा के दिन करें तुलसी के ये उपाय

सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है। इस खास अवसर पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही श्रद्धा अनुसार दान मंदिर या गरीब लोगों में करना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूर्णिमा के दिन उपासना करने से श्रीहरि और मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है। अगर आप भी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन तुलसी से जुड़े उपाय जरूर करें। इन उपायों को करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं।

सभी संकट होंगे दूर

अगर आप जीवन में लंबे समय से संकटों का सामना कर रहे हैं, तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। साथ ही दीपक जलाकर आरती करें। इस टोटके को सच्चे मन से करने से सभी तरह के संकट दूर होते हैं। जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

कारोबार में होगी वृद्धि

कारोबार में वृद्धि के लिए ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाएं। साथ ही फल और मिठाई का भोग लगाएं। ऐसा माना जाता है कि इस टोटके को करने से कारोबार में अधिक तरक्की होती है और देवी लक्ष्मी की कृपा बरसती है।

सभी मुरादें होंगी पूरी

जगत के पालनहार भगवान विष्णु को तुलसी का पौधा प्रिय है। अगर आप मां लक्ष्मी प्रसन्न को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो इसके लिए ज्येष्ठ पूर्णिमा का दिन सुभ माना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने के बाद पीले धागे में 108 गांठ लगाएं और उसे तुलसी के पौधें में बांध दें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और साधक की सभी मुरादें पूरी करती हैं।

रुके हुए काम होंगे पूरे

अगर आप सभी कामों में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन तुलसी को लाल चुनरी और कच्चा दूध अर्पित करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से रुके हुए काम पूरे होते हैं। साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है।

मां तुलसी का पूजन मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

वट पूर्णिमा व्रत पर करें ये उपाय, वैवाहिक जीवन होगा खुशियों से भरा

ज्येष्ठ पूर्णिमा के आने का सुहागिन महिलाएं बेसब्री से इंतजार करती हैं, क्योंकि ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन वट पूर्णिमा व्रत किया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार यह व्रत आज 10 जून को किया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को विधिपूर्वक करने से वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

मां लक्ष्मी की कृपा से घर में सुख-शांति बनी रहती है। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस पेड़ की पूजा न करने से व्रत सफल नहीं होता है। अगर आप वैवाहिक जीवन में किसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तो वट पूर्णिमा व्रत के दिन कुछ उपाय जरूर करें। ऐसा माना जाता है कि उपायों को करने से वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होता है और पति-पत्नी के रिश्ते मधुरता आती है।

वट पूर्णिमा व्रत के दिन विधिपूर्वक बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना करें। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें। पेड़ पर कच्चा धागा बांधते हुए 7 बार परिक्रमा लगाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से व्रत सफल होता है। वैवाहिक जीवन खुशियों से भर जाता है।

इसके अलावा वट पूर्णिमा व्रत के मंदिर या गरीब लोगों में दिन दान जरूर करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दान करने से धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही जीवन में कोई कमी नहीं होती है।

घर में चाहते हैं मां लक्ष्मी का वास, तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन इन जगहों पर जलाएं दीपक

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा का पर्व 11 जून को मनाया जाएगा। इस तिथि को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन पूजा और व्रत करने से साधक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही दुखों से छुटकारा मिलता है।

अगर आप मां लक्ष्मी को प्रसन्न और परिवार में सुख-शांति चाहते हैं, तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन पूजा करने के बाद कुछ जगहों पर दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पितृ दोष होगा दूर

सनातन धर्म में किसी भी पर्व के दिन पवित्र नदी में स्नान करने का बेहद खास महत्व है। ऐसे में ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने के बाद दीपदान जरूर करें। साथ ही सूर्य देव को अर्घ्य दें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से मन की नकारात्मकता से छुटकारा मिलता है। साथ ही पितृ दोष दूर होता है।

सभी मुरादें होंगी पूरी

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन देसी घी का दीपक जलाकर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करें। इसके बाद विशेष चीजों का भोग लगाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से श्रीहरि और देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही सभी मुरादें पूरी होती हैं।

कभी नहीं होगी धन की कमी

पूर्णिमा के दिन मां तुलसी की पूजा जरूर करनी चाहिए। सुबह स्नान करने के बाद तुलसी की पूजा करें। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें और जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से धन से हमेशा तिजोरी भरी रहेगी। साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन घर के मेन गेट पर दीपक जलाना शुभ माना जाता है। इस उपाय को रोज करने से आर्थिक तंगी दूर होती है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

वट पूर्णिमा का पहली बार रख रहे हैं व्रत, तो नोट करें ये जरूरी बातें

वट सावित्री पूर्णिमा का व्रत हिंदू धर्म में बहुत ज्यादा शुभ माना जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं व्रत रखती हैं और पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं। यह व्रत हर साल ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा तिथि को रखा जाता है। इस बार यह उपवास 10 जून को रखा जाएगा। वहीं, अगर आप पहली बार यह व्रत रखने जा रही हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, तो आइए उन नियमों के बारे में जानते हैं, जो इस प्रकार हैं।

पहली बार व्रत रखने वाली महिलाएं ऐसे रखें व्रत

पूजन सामग्री

वट वृक्ष की प्रतिमा या बेल , सावित्री और सत्यवान की तस्वीर, बांस का पंखा, कच्चा सूत या कलावा,सिंदूर, रोली, अक्षत, कुमकुम, चंदन,फूल, फल, भिगोए हुए काले चने, मिठाई, बताशे, नारियल, धूप, दीपक, अगरबत्ती, जल का कलश, शृंगार का सामान,वट सावित्री व्रत कथा की पुस्तक,सवा मीटर लाल या पीला कपड़ा आदि।

वट सावित्री पूर्णिमा पूजा विधि

सुबह जल्दी उठें स्नान करें और लाल रंग के कपड़े पहनें।

सोलह शृंगार करें।

वट वृक्ष के नीचे सफाई करें और पूजा स्थल तैयार करें।

सावित्री और सत्यवान की पूजा करें, और वट वृक्ष को जल चढ़ाएं।

लाल धागे से वट वृक्ष को बांधें और 7 बार परिक्रमा करें।

व्रत कथा सुनें और आरती करें।

गरीबों को धन, अन्न और वस्त्र का दान दें।

यह व्रत निर्जला भी रखा जाता है, लेकिन अगर स्वास्थ्य कारणों से ऐसा करना मुश्किल है, तो फलाहार कर सकते हैं।

इस दिन नीले, काले या सफेद रंग के वस्त्र पहनने से बचें।

पूजा समाप्त होने के बाद अपनी सास के पैर छूकर उनका आशीर्वाद जरूर लें।

उन्हें भिगोए हुए चने और कपड़े प्रसाद के रूप में दें।

व्रत के दिन किसी का अपमान न करें, झूठ न बोलें और झगड़े से बचें।

इसके अलावा वट वृक्ष को किसी भी तरह से नुकसान न पहुंचाएं।

संपादकीय

आतंक जांचेगा आतंकिस्तान

आश्चर्य है कि जिस देश का पर्याय नाम 'आतंकिस्तान' हो, जो आतंकियों की फंडिंग के गंभीर आरोपों में 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' (फाट्फ) की 'ग्रे सूची' में तीन बार डाला जा चुका हो, जिस देश में 'अलकायदा' के सरगना और 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सैनिकों ने ढेर किया हो, जिस देश में पाले-पोसे गए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में, बीते 35 सालों में, करीब 45,000 मासूम, बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जिन आतंकियों और उनके संगठनों पर पाबंदियां चस्पा की हैं, उस सूची में अधिकतर नाम जिस देश के आतंकियों के हों, जिस देश के रक्षा मंत्री ने कबूल किया हो कि अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों की मदद के लिए उनके देश ने, बीते 30 सालों में, आतंकियों को पाला-पोसा था, उस देश का नाम पाकिस्तान है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण समितियों में ओहदे दिए गए हैं। पाकिस्तान को 'तालिबान प्रतिबंध समिति' का अध्यक्ष और 'काउंटर टेररिज्म कमेटी' का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पिछली कमेटी में रूस और फ्रांस भी पाकिस्तान के साथ हैं और तालिबान वाली समिति में रूस और गयाना को भी रखा गया है। बेशक सुरक्षा परिषद की व्यवस्था कुछ भी हो और हर माह ये पदेन जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर विवेक और बुद्धि का जड़ होना बेहद गंभीर संकेत है। संयुक्त राष्ट्र ने ही पाकिस्तान के आतंकवाद पर कई बार सवाल उठाए हैं और हाफिज सईद, मसूद अजहर, जकी उर रहमान लखवी, सैयद सलाहुद्दीन सरीखे आतंकियों और उनके संगठनों को प्रतिबंधित कर रखा है। अमरीका ने कई पाकपरस्त आतंकियों पर महंगे इनाम की भी घोषणाएं कर रखी हैं, लिहाजा आश्चर्य होता है कि एक घोषित आतंकिस्तान सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य रहते हुए तालिबानी आतंकवाद की जांच करेगा और आतंकवाद से लडने के सुझाव भी देगा, मुहिम भी चलाएगा! दिलचस्प यह है कि तालिबान आतंकी गुट के उभार और प्रश्रय में पाकिस्तान का पूरा योगदान रहा है। आज 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' नाम का आतंकी संगठन पाकिस्तान में ही सक्रिय है और बड़े-बड़े हमले, जानलेवा विस्फोट करता रहा है। पाकिस्तान के खैबर इलाके में इस संगठन का लगभग वर्चस्व है और वे पाकिस्तान के फौजियों की हत्याएं करते रहे हैं। अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान अध्यक्ष के तौर पर तालिबान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की सिफारिश किस आधार पर करेगा? अभी हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री और अफगानिस्तान की स्वयंभू तालिबान सरकार के विदेश मंत्री की मुलाकात चीन के विदेश मंत्री ने अपने देश में कराई थी। चीन यह दोस्ती 'इस्लाम' के आधार पर करवा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान भारत के साथ अपने संबंध प्रगाढ़ रखना चाहता है। यही मलेशिया और इंडोनेशिया ने भी किया और पाकिस्तान की 'इस्लामी थ्योरी' को खारिज कर दिया। बेशक सुरक्षा परिषद की बैठकों में भारत पाकपरस्त आतंकवाद को बेनकाब करेगा। दरअसल कुछ बुनियादी गलतियां अमरीका ने की हैं। एक तरफ अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत-पाक को एक ही तराजू में तोलते हुए दोनों देशों को 'महान' करार देते हैं, तो दूसरी तरफ अमरीका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर आतंकवाद के खिलाफ भारत को मजबूत समर्थन की बात करते हैं। अमरीकी सांसद ब्रेड शेरमैन पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को लताड़ लगाते हुए कहते हैं-'पाकिस्तान पहले जैश-ए-मुहम्मद को तो खत्म करे।' यदि अमरीका और चीन पाकिस्तान को समर्थन नहीं देते, तो सुरक्षा परिषद में यह ओहदेदारी पाकिस्तान को नहीं मिल सकती थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक से भी अरबों के बेलआउट पैकेज पाकिस्तान को नहीं मिल सकते थे, यदि अमरीका मदद न करता। इसके मायने ये भी हो सकते हैं कि भारत की विदेश नीति पिछड़ गई है, क्योंकि अमरीका पाकिस्तान को ज्यादा भाव दे रहा है। अमरीका की यह दोगली कूटनीति है। एक ओर भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, लेकिन आतंकवाद पर अमरीका दोगली नीति खेल रहा है। क्या जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी-ट्रंप दोगली कूटनीति-आतंकिस्तान पर बात करेंगे।

देश में 'अलकायदा' के सरगना और 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सैनिकों ने ढेर किया हो, जिस देश में पाले-पोसे गए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में, बीते 35 सालों में, करीब 45,000 मासूम, बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जिन आतंकियों और उनके संगठनों पर पाबंदियां चस्पा की हैं, उस सूची में अधिकतर नाम जिस देश के आतंकियों के हों, जिस देश के रक्षा मंत्री ने कबूल किया हो कि अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों की मदद के लिए उनके देश ने, बीते 30 सालों में, आतंकियों को पाला-पोसा था, उस देश का नाम पाकिस्तान है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण समितियों में ओहदे दिए गए हैं। पाकिस्तान को 'तालिबान प्रतिबंध समिति' का अध्यक्ष और 'काउंटर टेररिज्म कमेटी' का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पिछली कमेटी में रूस और फ्रांस भी पाकिस्तान के साथ हैं और तालिबान वाली समिति में रूस और गयाना को भी रखा गया है। बेशक सुरक्षा परिषद की व्यवस्था कुछ भी हो और हर माह ये पदेन जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर विवेक और बुद्धि का जड़ होना बेहद गंभीर संकेत है।

आप का नजरिया

छावनी क्षेत्रों से छूटते नागरिक

देश के सैन्य छावनी क्षेत्रों से बाहर होती जनता की मुसीबतें-जरूरतें स्वशासन की नई तहजीब में कुछ पाना चाहती हैं। ब्रिटिश काल की पद्धति में छावनी क्षेत्रों का प्रबंधन, एक सख्त अनुशासन परंपरा के तहत होता आया है, जहां नागरिक अधिकारों की गुंजाइश में आजादी के बाद का स्वतंत्र माहौल नहीं मिला। छावनी क्षेत्रों की नागरिक बस्तियों में कई दीवारें और प्रतिबंध रहे, जो अब आफत बन कर दर्ज हो रहे हैं और इस तरह की व्यवस्था से मुक्त होकर नागरिक एहसास को सामान्य यानी स्थानीय निकायों में खुली सांस लेने का रास्ता खोला जा रहा है। सैन्य छावनियों से मुक्त होता नागरिक एकांत अब इस मोड़ पर है कि आने वाले दिनों में 36 और क्षेत्रों के पिंजरे पूरी तरह खोल दिए जाएंगे। हिमाचल में पहले ही योल छावनी नागरिक समाज को अलविदा कह चुकी है और अब सुबाथु, डगशाई, कसौली, डलहौजी, बकलोह व जतोग जैसे छह इलाके भी उन्मुक्त हवाओं के बाशिंदे बन जाएंगे। यह जरूरी कदम हो सकता है, क्योंकि स्वतंत्र भारत में नागरिक समाज का ढर्रा, सियासत के परिदृश्य में अपने हर आसमान को खोलना चाहता है। दरअसल छावनी क्षेत्रों की देखभाल में बजटीय प्रावधान कमजोर होते चले गए और जहां राज्य की योजनाएं भी अछूत बनी रहीं। राष्ट्रीय व राज्यीय व्यवस्था से अलग छावनी क्षेत्रों की सामान्य जनता पर अनुशासन के पहरों में जीना मुहाल हुआ, तो इसी आबादी से निकले मोर्चे खुद को बाहर निकालने का संघर्ष करते रहे। अब अगर 36 छावनी क्षेत्रों का नागरिक भूखंड अलग कर दिया जाता है, तो करीब 35 लाख की आबादी के सपने बदल जाएंगे। उनके कदम, उनकी मंजिलें बदल जाएंगी। हिमाचल के भीतर योल छावनी के बाद बचे छह क्षेत्र भी इस अभिप्राय से एक नई सुबह की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह दीगर है कि इस छूट के आगे का सफर सुनिश्चित और पुख्ता करना चाहिए। कल अगर ये सारे क्षेत्र स्वयं को ग्रामीण घोषित करके पंचायत की चौपाल सजा लें, तो उन परंपराओं और व्यवस्था का क्या होगा, जिसके तहत नागरिक जीवन के कई दशक गुजरे हैं। उदाहरण के लिए योल छावनी क्षेत्र में एक बड़ा नागरिक समुदाय आज पुरानी व्यवस्था से अलग होकर निरंकुश चौराहे पर खड़ा है। कमोबेश छावनी क्षेत्र में रहते हुए नागरिकों को ट्रैफिक, जल व विद्युत आपूर्ति, सफाई व्यवस्था, शहरी जीवन की कसौटियां तथा सैन्य प्रबंधन के बीच आज्ञा पालन का अनुशासित बोध होता था। कल योल छावनी की तरह कसौली में नागरिक कस्बा खुद को गांव घोषित कर दे या सुबाथु की जनता पंचायत घर के करीब खड़ी हो जाए, तो उनकी गलियों में आएगी गंदगी की बरसात और नालियों में बहेगा रिसाव। अतः छावनी क्षेत्रों से बाहर निकले हुए नागरिक समाज को टीसीपी के दायरे में शहरी निकायों के तहत लाना होगा, ताकि परिवेश के उच्च मानदंडों में व्यवस्था बनी रहे। योल छावनी से बाहर जनता तो छिटक गई, लेकिन वर्षों से जारी व्यवस्था बिखर गई। दोनों व्यवस्थाओं के बीच आपसी द्वंद्व बढ़ गए, नतीजतन आर्मी एरिया के ठीक बाहर गंदगी और अव्यवस्था का आलम तकलीफदेह हो गया है।

अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे दो दमदार और धुर विरोधी कांग्रेस नेताओं की मुलाकात से सियासी हलकों में हलचल है

दोनों नेता तो मिले, लेकिन दिल भी मिलें, तो बात बने!

राकेश दुबे

राजस्थान की राजनीति में इस मुलाकात के मायने तलाशे जा रहे हैं। दोनों नेताओं के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण रहे हैं। राजस्थान में दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद जब पायलट मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी प्रबल दावेदारी जता रहे थे, तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री और पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया था। इसके बाद से ही पायलट लगातार नाराज रहे और महज डेढ़ साल में ही दोनों नेताओं के बीच मतभेद गहरे हो गए। पायलट ने जब उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए, मानेसर से अपनी ही पार्टी की सरकार पलटने की कोशिश की थी, और गहलोत ने बाद में पायलट को 'निकम्मा' और 'नकारा' तक कहा था।

वैसे तो दो नेताओं का मिलना बहुत आम बात है, लेकिन अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे दो दमदार और धुर विरोधी कांग्रेस नेताओं की मुलाकात से सियासी हलकों में हलचल है। राजस्थान की राजनीति में इस मुलाकात के मायने तलाशे जा रहे हैं। दोनों नेताओं के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण रहे हैं। राजस्थान में दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद जब पायलट मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी प्रबल दावेदारी जता रहे थे, तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री और पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया था। इसके बाद से ही पायलट लगातार नाराज रहे और महज डेढ़ साल में ही दोनों नेताओं के बीच मतभेद गहरे हो गए। पायलट ने जब उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए, मानेसर से अपनी ही पार्टी की सरकार पलटने की कोशिश की थी, और गहलोत ने बाद में पायलट को 'निकम्मा' और 'नकारा' तक कहा था। इस ताजा मुलाकात को कोई गहलोत की जादूगरी बताता है, तो कोई विमान को उड़ाने के लिए रनवे पर आने की पायलट की मजबूरी। हालांकि पायलट का गहलोत से मिलने जाना और दोनों के द्वारा इस मुलाकात को सार्वजनिक करना, यह दर्शाता है कि दोनों व्यक्तिगत मतभेदों को पीछे छोड़कर नए सिरे से कांग्रेस को मजबूत करने की सोच रहे हैं। लेकिन इसके वास्तविक परिणामों के लिए अभी लंबी प्रतीक्षा करनी होगी, क्योंकि राजनीति में नेता तो आसानी से मिल लेते हैं, मगर दिल आसानी से नहीं मिलते। गहलोत और पायलट, दोनों ने 7 जून की अपनी इस मुलाकात तो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करके एक सकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की। गहलोत ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर लिखा – अखिल भरतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने आवास पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। मैं और राजेश पायलट जी 1980 में पहली बार एक साथ ही लोकसभा पहुंचे एवं लगभग 18 साल तक साथ में सांसद रहे। उनके आकस्मिक निधन का दुख हमें आज भी बना हुआ है। उनके जाने से पार्टी को भी गहरा आघात लगा। दूसरी तरफ सचिन पायलट ने भी नपे तुले शब्दों में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा – आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी से मुलाकात की। मेरे पिता स्व. राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि पर 11 जून को दौसा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में उन्हें शामिल होने के लिए निवेदन किया। सियासी हलकों में इस मुलाकात के गहरे

राजनीतिक निहितार्थ देखे जा रहे हैं। नई दिल्ली में कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों पर गहरी नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार आदेश रावल को पायलट का करीबी माना जाता है, उन्होंने 'एक्स' पर केवल इतना ही लिखा कि समय ही बलवान होता है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार, भारत सरकार के नागरिक विमानन राज्य मंत्री रहे गहलोत से पायलट की इस मुलाकात पर उड्डयन सिद्धांतों का हवाला देते हुए कहते हैं कि विमान को जब नई उड़ान भरनी हो, तो पायलट को अपना विमान रन वे पर लाना ही पड़ता है। परिहार कहते हैं कि गहलोत और पायलट की मुलाकात का प्रभाव तभी स्पष्ट होगा, जब दोनों कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाने के लिए काम करेंगे। वरिष्ठ पत्रकार शरत कुमार अपने एक वीडियो में कहते हैं कि पायलट ने गहलोत से मिलने की जो पहल की है, उसके बाद अब गहलोत पर बड़ी जिम्मेदारी है कि वे भी अपना बड़ा दिल दिखाएं। पायलट के कट्टर समर्थक शरत कहते हैं कि दोनों नेताओं के बीच की ये विश्वास बहाली आगे क्या गुल खिलाती है, यह तो पता नहीं, लेकिन कांग्रेसी इससे खुश हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति जानने वाले वरिष्ठ पत्रकार संदीप सोनवलकर इसे पायलट का राजनीतिक समर्पण मानते हैं। सोनवलकर कहते हैं कि गहलोत के प्रति आलाकमान के अब तक के राजनीतिक रवैये से सचिन को समझ में आ गया है कि उनसे टकराव छोड़कर सामंजस्य किए बिना राजस्थान में उभरना आसान नहीं है। राजस्थान के प्रमुख न्यूज चैनल 'फर्स्ट इंडिया' के सहयोगी संपादक नरेश शर्मा कहते हैं कि इस मुलाकात में गहलोत ने भी बड़ा मन दिखाकर पुराने विवादों को भुलाया और राजेश पायलट की पुण्यतिथि के समारोह में जाने का मन बनाया है। उल्लेखनीय है कि सन 2018 में अशोक गहलोत जब तीसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, तो सत्ता पाने में नाकामयाब रहे पायलट लगातार नाराज रहे। उप मुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पदों पर रहते हुए पायलट की पार्टी विरोधी गतिविधियां देखी गईं और दोनों पदों से जून 2020 में उनको बर्खास्त किया गया। उसके बाद से ही राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी की खाई पहले से कुछ ज्यादा बढ़ गई, और दुराव का दौर भी लगातार जारी रही। कुछ लोग गहलोत और पायलट की इस मुलाकात को कांग्रेस में गुटबाजी समाप्त करने और एकता के नए प्रयास सहित भविष्य की रणनीति के मजबूत संकेत के रूप में देख रहे हैं। तो कुछ का कहना है कि बहुत संभव है कि राजेश पायलट की पुण्यतिथि के बहाने गहलोत को पटखनी देने के लिए पायलट का दांव हो, या यह भी संभव है कि अपने आप को विनम्रता की मूरत के रूप में स्थापित करने के साथ ही सदाशयता से सबको साथ लेकर चलने वाला साबित करने की भी पायलट की कोशिश हो। वैसे, माना जा रहा है कि यह मुलाकात कांग्रेस की आंतरिक एकता को मजबूत करने का संदेश है। क्योंकि गहलोत और पायलट के बीच की खटास ज्यादा बढ़ने का कारण सन 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार को माना गया। लगभग जीती हुई बाजी कांग्रेस हार गई थी। कांग्रेस नेता पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक ने खुलकर कहा था कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार न बनने देने में पायलट का ही सबसे बड़ा हाथ रहा। क्योंकि पायलट को लग रहा था कि कांग्रेस की सरकार फिर बन गई, तो अशोक गहलोत ही मुख्यमंत्री बनेंगे, इसी कारण उन्हीं ने कांग्रेस के उम्मीदवारों का हराया और अपनी जाति के गुर्जर लोगों को कांग्रेस को वोट न देने के लिए प्रेरित किया। मलिक के इस बयान को कांग्रेस नेतृत्व ने भी गंभीरता से लिया था। लेकिन, अब उसी तस्वीर में देखें, तो पायलट का गहलोत के घर जाना और उनसे मुलाकात करना, दोनों नेताओं के बीच सुलह के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। खासकर तब, जब 2028 के राजस्थान विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस की नजर हैं। राजनीतिक ताकत देखें, तो कांग्रेस में गहलोत और पायलट दोनों की अपनी-अपनी क्षेत्रीय और सामाजिक पकड़ है। मुख्यमंत्री रहते हुए गहलोत ने जो जनहित के जो लोकप्रिय योजनाएं चलाईं, उनको प्रदेश की जनता आज भी याद करती है। अतः यह मुलाकात राजस्थान में कांग्रेस की जमीनी स्तर पर मजबूती के लिए रणनीतिक कदम हो सकती है। गहलोत का राजनीतिक प्रभाव, उनके अनुभवी नेतृत्व और ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आधार पर टिका है, जबकि पायलट युवा नेतृत्व और गुर्जर समुदाय में अपनी लोकप्रियता के लिए जाने जाते हैं।

देश दुनिया से

नशे का राक्षस : कारण एवं निदान

आज प्रदेश के युवा वर्ग में नशे का प्रचलन बढ़ता जा रहा है तथा उसी प्रकार नशे से हो रही मौतों का आंकड़ा भी दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि इस समय हिमाचल प्रदेश की कुल जनसंख्या में 35.25 प्रतिशत युवा हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर 34.80 प्रतिशत से भी अधिक हैं। युवा शक्ति ही देश व प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के आधार हैं, इसलिए युवाओं को नशे से बचाने के लिए सार्थक रूप से पहल करनी होगी, ताकि युवा सही दिशा में आगे बढ़ सके। अगर युवा शक्ति नशे की चपेट में आ रही है, तो नशा रूपी राक्षस को किस तरह समाप्त किया जा सके, इस विषय में समाज को गंभीर चिंतन करना होगा। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों की दर अलग-अलग है, लेकिन एक बात साफ है कि नशे का जो प्रचलन पूरे देश में सामान्य तरीके से बढ़ता जा रहा है, इसके कई कारण हैं। इन कारणों में मुख्य रूप से निष्क्रिय जीवन शैली होना, युवा वर्ग को उचित मार्गदर्शन का अभाव, पारिवारिक कलह, माता-पिता द्वारा बच्चों की तरफ ध्यान न देना, गलत संगत, अवसाद, तनावग्रस्त रहना, प्रेम में हताशा, महत्वाकांक्षी होना, हाई प्रोफाइल जीवन शैली की लालसा, समाज में नशे को शान का प्रतीक समझना, नशे की उपलब्धता एवं पहुंच आसान होना एवं अन्य मनोवैज्ञानिक कारण भी नशे की लत के कारण हैं। नशे की आदत अन्य जघन्य अपराधों की जननी है। नशेड़ी बच्चे घर में चोरियां करने के अतिरिक्त अपने माता-पिता से मारपीट तथा उनकी हत्या करने में भी हिचकते नहीं हैं। इसलिए जरूरी है कि नशे रूपी राक्षस को जड़ से खत्म किया जाए। निष्क्रिय जीवन शैली : यह सत्य है कि आज से 20-25 साल पहले हिमाचल प्रदेश में चिट्टा, हिरोइन, एलएसडी या अन्य सिंथेटिक ड्रग्स की उपलब्धता नहीं थी लेकिन उस समय गांव के लोगों की जीवन शैली भी सक्रिय थी। उस समय की दिनचर्या में सुबह उठते ही गांव के लोग गाय-भैंसों को चराते, खेती में व्यस्त रहते, दूर-दूर से पानी एवं चूल्हे के लिए लकड़ी लाते एवं प्रकृति के नजदीक रहते। नगरों और शहरों में व्यक्ति सुबह और शाम के समय खेलते और सैर करते, युवा वर्ग घर के कामकाज व स्कूल के कार्य को खत्म कर खेलों में व्यस्त रहता था। इस व्यस्तता के चलते व्यक्ति को नशा करने या अन्य नकारात्मक बातों को सोचने का समय ही नहीं मिलता था। इसके विपरीत आज के युवा वर्ग को खेलों के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं है व न ही वे घर का कार्य करते हैं। आज का युवा घर के कामकाज में हाथ नहीं बंटाता है, जिसके कारण उसका दिमाग अन्य कार्यकलापों में न लगकर नशे के प्रति उसका झुकाव बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग : सोशल मीडिया और ड्रग्स की लत दोनों ही गंभीर समस्याएं हैं जो व्यक्ति के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं तथा सोशल मीडिया के अत्यधिक प्रयोग के कारण आज का नौजवान नशाखोरी की आदत की तरफ आकर्षित हो रहा है। सोशल मीडिया पर लाइक, कमेंट्स व अन्य प्रतिक्रियाओं से डोपामाइन नामक रसायन का स्राव होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। इसका अत्यधिक प्रयोग हमें वास्तविक जीवन से दूर करता है। सोशल मीडिया की तरह जब कोई व्यक्ति ड्रग्स, शराब या कोई और नशा करता है, तब भी डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है जो उसे खुशी का अहसास देता है। ऐसे में खुशी पाने के लिए व्यक्ति को ज्यादा नशे की जरूरत पड़ती है। ड्रग्स प्रयोग के दीर्घकालिक प्रयोग से मानव मस्तिष्क की रासायनिक प्रणालियों में भी परिवर्तन आता है। लेकिन जब बच्चों के मस्तिष्क में ये परिवर्तन आते हैं, तो माता पिता जानकारी के अभाव में इन परिवर्तनों को नजरअंदाज करते हैं तथा बच्चों में आए चिड़चिड़ापन, धैर्य की कमी, छोटी छोटी बातों पर लड़ाई, बच्चों की जीवनशैली में परिवर्तन, घर में चोरी आदि की घटनाओं को आज भी दैवीय शक्ति के नाराज होने व दैवीय प्रकोप मानते हैं, जिसके कारण वे अंधविश्वास का शिकार होते हैं तथा चेलों या बाबाओं के पास इनका आना-जाना लगा रहता है। बच्चों के मानसिक पटल पर आए परिवर्तनों को समझ नहीं पाते हैं तथा उनका बच्चा नशे की गिरफ्त में गंभीर रूप से फंस जाता है। एक अध्ययन के अनुसार इंटरनेट के प्रयोग द्वारा सबसे बड़ी डार्क वेब वेबसाइट्स में 50 ऐसे बाजार हैं, जहां पर बड़े पैमाने पर अवैध ड्रग्स का ऑनलाइन कारोबार हो रहा है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नौजवान जो कुछ भी देखते हैं, उसके प्रभावों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं, क्योंकि यह आयु वर्ग साथियों के प्रभाव और दबाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होता है। संतान की परवरिश में कमी : कई बार देखा गया है कि बच्चों को बिगाडऩे में माता-पिता भी दोषी होते हैं। माता-पिता अपने बच्चों को सारे सुख एवं सुविधाएं बिना मेहनत के उपलब्ध कराने की कोशिश करते हैं, जिससे कि उनका बच्चा वास्तविक जिंदगी जीने में असफल होता है। इसका खामियाजा उन्हें उनके बच्चों द्वारा गलत संगत में पडक़र, व्यसनी होने के कारण भुगतना पड़ता है। अतः जरूरी है कि माता पिता अपने बच्चों को वास्तविक जिंदगी में आने वाले संघर्षों और कठिनाइयों के बारे में भी बताएं। बच्चों का तनावग्रस्त रहना : आधुनिक जीवनशैली और बच्चों में तनाव के बीच गहरा संबंध है। आधुनिक जीवन में बच्चों को कई तरह के तनाव का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि परीक्षा का दबाव, सोशल मीडिया का प्रभाव और परिवार की अपेक्षाएं। ये तनाव बच्चे के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकते हैं। बच्चों को अनावश्यक दबाव या तनाव से बचाने के लिए माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की बातों को भी ध्यान एवं धैर्य से सुनें तथा उन्हें यह महसूस करने दें कि उनकी राय मायने रखती है। गलत संगत : एक कहावत है 'काजल की कोठरी में कैसो हू सयानों जाय एक लीक काजल की लागे है तो लागे है', इसका भावार्थ है कि आप कितने ही अच्छे हों, अगर आपकी संगत बुरी है तो उसका असर तो पड़ ही जाता है।

कुछ अलग

अदालती बंदर

ना जाने बंदर को क्या सूझी, अदालत परिसर में रहने लगा। खुली खिड़कियों के आरपार बसने लगा। कितनी विडंबना थी कि अदालत परिसर में यह बंदर निरंकुश था। वह न्याय मांगने आए लोगों को डराता। उसने कई शपथपत्र यूं ही खेल खेल में फाड़ दिए। अब अदालत आने वाले, हर पेशी में इसलिए डरते थे कि कहीं 'बंदर' न देख ले। उसकी अपनी बिरादरी में भी धाक थी। गाहे बगाहे वह बंदर समाज को राय देता रहता, बल्कि शहर के बंदर उसके कहे को मानकर अब हमेशा अलग ही लेबल पर रहने लगे थे। उस दिन अदालती बंदर के एक भक्त बंदर ने सब्जी वाले से सेब चुरा लिया। सब्जी वाले ने उसे डांटा नहीं। वह किस किस को डांटे। वो चौराहे पर खड़ा सिपाही हर दिन उठाईगिर बनकर, किसी न किसी ऊपर वाले के नाम नजरबंद चोरी ही तो करता है। खैर बंदर का सेब उठाना आवारा कुत्तों को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने डट कर पीछा किया, जोर से भौंके पर बंदर ने सेब नहीं छोड़ा। इस बंदर को अदालती बंदर ने सलाह दे रखी थी, लिहाजा उसने सेब का छोटा टुकड़ा एक कुत्ते की तरफ उछाल दिया था। कुत्ते बंदर को भूल कर अपनी ही बिरादरी के उस कुत्ते के पीछे पड़ गए। बंदर पेड़ से हंस रहा था, एक टुकड़े की खातिर वो कुत्ता अपनों से ही काटा जा रहा था। कुत्ते अब इस बंदर से डर रहे थे। रविवार के दिन शहर के सारे बंदर अदालती बंदर से सलाह करते। ऐसी ही बैठक में अदालती बंदर के सामने सवाल आया, 'हुजूर, हम कब तक गरीब रेहड़ी वालों, राहगीरों से छीनकर या डस्टबिन में ढूंढकर खाएंगे। अब तो हनुमान मंदिर के केले भी हमें नहीं मिल रहे। क्या हमें मुख्यमंत्री के आवास पर खाना मिलेगा। सचिवालय चले जाएं या विधानसभा परिसर में सिर छुपाएं।' अदालती बंदर ने कुछ समय मांगा। बैठकें होती रहीं, लेकिन फैसला नहीं मिला। इस बीच वह अदालत परिसर की जासूसी करने लगा। वह इतना समझ चुका था कि अगर दलील और वकील ठीक हो तो सभी कमा सकते हैं। कुछ ही महीनों में हनुमान मंदिर के बंदरों ने कोर्ट परिसर ज्वाइन कर लिया। अदालत आने वाले बंदरों के भी शिकार हो रहे थे। धीरे-धीरे अदालत आने वालों ने बंदरों की उगाही को समझते हुए कुछ न कुछ लाना शुरू कर दिया। लगभग अदालत की हर कोर्ट की छत के ऊपर कोई न कोई बंदर हर समय उछलने लगा। बंदर न्याय प्रक्रिया के साक्षी बन चुके थे। उस दिन अदालत में हलवाई का केस चल रहा था। फूड इंस्पेक्टर के कहने पर वकील साबित कर रहा था कि उसकी बनाई मिठाई मिलावटी है। उसके घी, चीनी और खोये पर शक था कि सभी मिलावटी हैं। दलील पर दलील अंततः पेशियों में बदल गई। मिलावटी चीनी के लिए गन्ना उगाने वाला किसान पेशी भुगतने लगा। नकली घी और खोये के लिए अंततः गाय को मालिक सहित बुलाया गया। गाय के समर्थन में सारे बंदर थे। इससे पहले कि गाय से पूछा जाता, वह अदालत परिसर में गोबर और गोमूत्र फैला चुकी थी। मामला अब अदालत से ऊपर गोमाता का था। मुसीबत यह थी कि अदालत अगर कार्रवाई जारी रखती तो गोमाता का अपमान होता और अगर गोमूत्र-गोबर को साफ न करवाती तो कानून का अपमान होता।

दृष्टि कोण

पाकिस्तान की बढ़ती आर्थिक मुश्किलें

इन दिनों पाकिस्तान आर्थिक खस्ताहाल स्थिति के बीच एक के बाद एक नए विदेशी कर्ज लेते हुए दिखाई दे रहा है। हाल ही में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की विकास दर महज 2.6 फीसदी है। राजनीतिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई और खराब विदेशी कर्ज हालात जैसे कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को लगातार पीछे कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और पाकिस्तान खस्ताहाल है। मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी भी देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान भारत में आतंक का निर्यात जारी रखता है, तो उसे आर्थिक रूप से बर्बाद होना पड़ेगा। गौरतलब है कि इस समय ऑपरेशन सिंदूर से लस्त-पस्त पाकिस्तान को भारत पानी की कूटनीति और आर्थिक दबाव व आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति से पूरी तरह पस्त करने की डगर पर लगातार आगे बढ़ रहा है। स्थिति यह है कि भारत के द्वारा पहलागाम आतंकी हमले के बाद विगत 23 अप्रैल से स्थगित किए गए सिंधु जल समझौते ने पाकिस्तान में भूचाल ला दिया है। इतना ही नहीं भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बैराज के माध्यम से पानी के प्रवाह को रोक दिया है। साथ ही झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध के माध्यम से भी इसी तरह के कदम उठाने की रणनीति बनाई जा रही है। ऐसे में पानी के मुद्दे पर पाकिस्तानी संसद से लेकर सेना तक में बेचैनी देखी जा रही है। पाकिस्तानी सांसद सैयद अली जफर ने संसद में कहा कि अगर हम पानी का मुद्दा सुलझा नहीं पाए, तो भूखे मर जाएंगे। सिंधु बेसिन ही हमारी लाइफलाइन है। 90 प्रतिशत खेती इस पानी पर निर्भर है। यह पाकिस्तान पर मंडरा रहा वॉटर बम है, जिसे

निष्क्रिय करना होगा। वस्तुतः 20वीं सदी की जंग तेल पर थी, 21वीं सदी की जंग पानी पर होगी और पाकिस्तान इस समय दुनिया के पानी की कमी वाले शीर्ष देशों में शामिल है। ऐसे में इस बीच जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 27 मई को तेहरान में एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान कहा कि हम भारत के साथ सिंधु जल संधि समझौते सहित सभी मुद्दों पर वार्ता के लिए तत्परता से तैयार हैं, तब पूरी दुनिया में हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा किया गया यह संकल्प गुंजित हो रहा है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते हैं। पहले भारत के हक का पानी भी भारत से बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा। भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम में आएगा। संदेश साफ है कि अब भारत इस पर कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही इस परिप्रेक्ष्य में विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि सिंधु जल संधि में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान की भूमिका सिर्फ मध्यस्थ की है और वह भारत की ओर से संधि के निलंबन पर कोई दखल नहीं देगा। उल्लेखनीय है कि इस समय सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। चूंकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है, अतएव पानी संकट से परेशान पाकिस्तान लगातार भारत से गुहार लगा रहा है। 6 जून तक पाकिस्तान ने भारत को चार पत्र लिखकर इस फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ भारत ने जल संधि को निलंबित करने के फैसले के पीछे सीमा पार आतंकवाद को कारण बताया है। साथ ही जल परियोजनाओं को लेकर भी कुछ तकनीकी आपत्तियां हैं। निश्चित रूप से भारत पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों के कठोरतापूर्वक परिपालन की डगर पर भी तेजी आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत पाकिस्तान को फायनेंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में वापस लाने की तैयारी कर रहा है। भारत ने हाल ही के दिनों में वैश्विक मनी लॉनड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ को इस संबंध में जानकारी दी है। यह निर्धारित किया गया है कि भारत की तरफ से एफएटीएफ को एक विस्तृत डोजियर भेजा जाएगा जिसमें मनी लॉनड्रिंग और आतंकवाद की फंडिंग में शामिल संस्थाओं और लोगों के सबूत होंगे और एफएटीएफ से अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। शाम के वक्त सेहत गड़बड़ हो सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ–बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत बढ़िया रहेगी। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। एक मज़ेदार शाम के लिए दोस्त आपको अपने घर पर बुलाएंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। आप बहुत कठिन काम पूरा करने में क़ामयाब रहेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फ़ुर्सत के पल मिल सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना–फिरना आपके दिलो–दिमाग़ पर छाया रहेगा। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ समय नहीं बिताएंगे, तो आप घर पर समस्याओं की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ़ करके आप अपनी ज़िंदगी में सुधार ला सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली–भांति विचार कर लें। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 जून 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 11:38 तक
नक्षत्र : अनुराधा सायं 06:02 तक
योग : सिद्ध दोपहर 01:43 तक
करण : वणिज प्रातः 11:38 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वट सावित्री व्रत पूर्ण , पूर्णिमा व्रत,
भद्रा प्रातः 11:36 से रात्रि 12:28 तक ,
गण्डमूल सायं 06:04 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आमजन के सहयोग से अभियान बन रहा जन आंदोलन

प्रकृति के संरक्षण से ही हम संरक्षित : भजनलाल

ब्यावर, 09 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 'वंदे गंगा' जल संरक्षण–जन अभियान के माध्यम से प्रदेश के गांव मजबूत होंगे जिससे विकसित राजस्थान का संकल्प पूरा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि आमजन अपने साधन और संकल्प के साथ इस अभियान से जुड़ रहे हैं और प्रदेश की धरा को जल स्रोतों से परिपूर्ण एवं हरी–भरी बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

शर्मा सोमवार को ब्यावर के जवाजा में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण–जन अभियान के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर राज्य सरकार ने 5 जून को वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान की शुरुआत की है। 20 जून तक संचालित होने वाले इस अभियान में जल स्त्रोतों, नदियों, जलधाराओं और तालाबों पर जल पूजन, कलश यात्रा, जन जागरूकता, स्वच्छता अभियान जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को जल और पर्यावरण संरक्षण की परंपराओं और संस्कृति से जोड़ा जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह अभियान जल प्रबंधन ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, जलाशयों का पुनरुद्धार, बांध, एनीकट, नहरों की मरम्मत, वर्षा–जल संचयन संरचनाओं और पर्यावरण संवर्धन से जुड़े कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 30 करोड़ रुपये की लागत से देवाता फीडर की लाइनिंग और कवरिंग का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल ही जीवन है और जल का कोई विकल्प नहीं है। हम सदियों से पानी को सहजते और पूजते आ रहे हैं। हमारी संस्कृति में पेड़, नदी, पहाड़ों को पूजा जाता है क्योंकि प्रकृति हमारा संरक्षण करती है। हमारे पूर्वजों ने भी सैकड़ों साल पहले पानी के महत्व को समझा और तालाब, झील, बावड़ी, टांका, खड़ीन, झालरा जैसे जल संग्रहण के ढांचों का निर्माण किया। श्री शर्मा ने आह्वान किया कि आमजन जल संरचनाओं में पानी का संरक्षण करें और व्यर्थ में पानी न बहाए।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश के विकास में पानी की उपलब्धता बेहद अहम है। जब किसानों और उद्योगों को भरपूर पानी मिलेगा तभी प्रदेश खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने की दृष्टि से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती–कालीसिंध–चंबल लिंक परियोजना) पर कार्य शुरू किया है जिससे प्रदेश के 17 जिलों के लोगों को पेयजल मिलेगा। हमने यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध सहित विभिन्न परियोजनाओं का भी काम हाथ में लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' का अभियान चलाया है। उनकी इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने पहली बार ग्रीन बजट पेश किया और प्रदेशभर में 'हरियालो राजस्थान' संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के पानी को बचाने के लिए प्रधानमंत्री के 'कैच द रेन' अभियान से प्रेरणा लेकर 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान भी शुरू किया है। इसके तहत राज्य में 40 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया किया जा रहा है जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा।शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार महिला, युवा, किसान और मजदूर के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। महिलाओं के लिए विभिन्न योजना संचालित करने के साथ ही राज्य सरकार ने युवाओं को 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी हैं। वहीं 1 लाख 84 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को वर्ष 2027 तक दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ब्यावर जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 50 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर उपखंड में भोमादा बांध के माध्यम से 12 गांवों के पेयजल की परियोजना शीघ्र शुरू हो रही है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार ने उठाए ठोस कदम: सीएम शर्मा

पुष्कर, 09 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल का कोई विकल्प नहीं है, जल है तो कल है। ऐसे में आने वाली पीढ़ी को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए जल संरक्षण हम सबकी महती जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जल की आवश्यकता को समझते हुए प्रदेशभर में विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान की शुरूआत की है। जन जागरूकता और सहभागिता इस अभियान की सफलता का आधार है। उन्होंने आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान से जुड़ें जिससे राजस्थान में पानी की कमी नहीं रहे तथा हमारा प्रदेश हरियालो राजस्थान बने।

शर्मा सोमवार को पुष्कर में वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीर्थराज पुष्कर की इस पावन धरा पर पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां स्थित ब्रह्मा जी का मंदिर और सावित्री माता का मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान की शुरूआत गंगा दशहरा के अवसर पर की गई। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी पर गंगा मां का अवतरण हुआ था तथा सभी जलाशयों में स्वयं गंगा मां अवतरित होती हैं। प्राचीन ग्रंथों में भी मां गंगा को पुण्य सलिला, मोक्ष प्रदायिनी एवं महानदी कहा गया है।

सीएम भजनलाल सरकार के क्षेत्र में मचा है बिजली–पानी को लेकर हाहाकार : गहलोत

जयपुर, 09 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में व्याप्त बिजली और पानी की गंभीर समस्या को लेकर एक बार फिर भजन लाल सरकार पर तीखा सियासी हमला बोला है। उन्होंने राज्य सरकार पर जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की अनदेखी करने और केवल अपनी उपलब्धियों का बखान करने का आरोप लगाया है।

गहलोत ने अपने बयान में कहा, कल मैंने प्रदेश की बिजली की समस्या उठाई थी, तो सरकार की ओर से प्रेस वार्ता कर उपलब्धियों का बखान किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बिजली कटौती की समस्या जस की तस बनी हुई है। उनका इशारा उन सरकारी बयानों की ओर था, जिनमें सरकार बिजली आपूर्ति में सुधार का दावा कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि बिजली के साथ–साथ, राजधानी जयपुर में भी पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर का उल्लेख किया, जहां पानी की किल्लत से लोग बेहाल हैं और प्रदर्शन करने पर मजबूर हो रहे हैं। गहलोत ने कहा कि पूरे प्रदेश में यही स्थिति है, जहां भीषण गर्मी के इस दौर में लोग पानी की एक–एक बूंद के लिए तरस रहे हैं।

अशोक गहलोत ने भजन लाल सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि सरकार को प्रेस वार्ता कर उपलब्धि गिनाने के बजाय बिजली–पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर ध्यान देना चाहिए, जिससे जनता को तत्काल राहत मिल सके। उन्होंने परोक्ष रूप से मौजूदा सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया, यह दर्शाते हुए कि जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना ही किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए।

उदयपुर की सोम नदी में डूबे तीन मासूम

उदयपुर, 09 जून (एजेंसियां)। उदयपुर जिले से दिल दहला देने वाली एक खबर सामने आई है, जहां सोम नदी में डूबने से तीन मासूम भाई–बहनों की मौत हो गई। यह त्रासदी खेरवाड़ा थाना क्षेत्र के लराठी गांव में रविवार की शाम को उस समय घटी, जब तीनों बच्चे मवेशी की तलाश में नदी के पास गए थे और फिर गहरे पानी में उतरते ही डूब गए।इस घटना में जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान निरमा मीणा (15), खुशबू मीणा (12) और कल्पेश मीणा (10) के रूप में हुई है। तीनों सगे भाई–बहन थे और स्कूल में पढ़ते थे – निरमा दसवीं, खुशबू सातवीं और कल्पेश छठी कक्षा में था। उनके पिता दिनेश मीणा गांव में चाय की एक छोटी सी दुकान चलाते हैं। रविवार की शाम करीब 6 बजे, तीनों बच्चे गांव के मवेशियों के झुंड के साथ गई अपनी भैंस को तलाशते हुए सोम नदी तक पहुंचे। परिजनों और ग्रामीणों ने बच्चों की रातभर तलाश की, लेकिन अंधेरे और साधनों की कमी के कारण कोई सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह 6:30 बजे, जब सूरज की पहली किरणें नदी पर पड़ीं, तो बच्चों के शव पानी में तैरते हुए दिखाई दिए। सूचना मिलते ही खेरवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और तैराकों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया।

किसानों को उच्च गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराना ही सरकार का प्रमुख ध्येय : डॉ.मीणा

जयपुर, 09 जून (एजेंसियां)। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने बताया कि किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त खाद, बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराना ही सरकार का प्रमुख ध्येय हैं इसके लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और अमानक उर्वरकों व बीजों पर अंकुश लागाने के लिए कृषि विभाग द्वारा समय–समय पर विशेष गुण नियंत्रण अभियान चलाये जाते हैं।

कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री सोमवार को शासन सचिवालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने बताया कि विनिर्माताओं और निर्माताओं के निरीक्षण के दौरान अनियमित्ता पाये जाने पर कृषि आदानों से संबंधित नियमों, अधिनियमों, उर्वरकर नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत बिक्री पर रोक, जब्ती, लाइसेंस निलंबन या निरस्तिकरण जैसी कार्यवाही की जा रही हैं। कृषि मंत्री ने बैठक में निर्देशित किया कि कृषि विभाग से संबंधित जन समस्याओं के निराकरण हेतु एक पृथक कॉल सेंटर की व्यवस्था करें।

पोर्टल सेवा से विद्यार्थी अभ्यार्थी और लाभार्थी समेत हर वर्ग परेशान : हुड्डा

चंडीगढ़, 09 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में बीजेपी की नहीं, बल्कि पोर्टल की सरकार चल रही है। ऐसा पोर्टल जिसका सर्वर हमेशा डाउन रहता है और जो जरूरत पड़ने पर कभी काम नहीं करता। इसके चलते विद्यार्थी, अभ्यार्थी और लाभार्थी समेत हर वर्ग परेशान है।हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ऑनलाइन सुविधाओं की शुरुआत की थी। इसका मक़सद तमाम सरकारी विभागों व सेवाओं से लेकर पंचायतों तक को ऑनलाइन करके जनता को घर बैठे एक क्लिक पर सुविधाएं उपलब्ध करवाना था। लेकिन बीजेपी ने इन ऑनलाइन सेवाओं का पूरा सिस्टम ही उल्टा कर डाला। ऑनलाइन काम करवाने के लिए भी लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि एक तरफ जहां सीईटी के आवेदन और कॉलेज–विश्वविद्यालयों में दाखिलों का दौर चल रहा है। कई तरह के अन्य परीक्षाएं भी आयोजित होने वाली हैं। इसके लिए विद्यार्थियों व अभ्यार्थियों को तमाम दस्तावेज तैयार करवाने हैं। लेकिन ठीक उसी समय सरल पोर्टल ठप हो गया। इसकी 300 सेवाएं पूरी तरह बंद हो गईं। हैरानी की बात है कि जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों से जिंदा मां–बाप के मृत्यु प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं।

लाखों युवा रोज सीईटी का आवेदन करने के लिए माथापच्ची कर रहे हैं, लेकिन कोई समाधान ही नहीं निकल रहा।करीब एक हफ्ते से मैरिज, आय, जन्म, मृत्यु, जाति व डोमिसाइल सर्टिफिकेट से लेकर आवास योजनाओं तक के आवेदन की सेवाएं पूरी तरह बंद पड़ी हुई है। रोज लाखों लोग सीएससी केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा की मेजबानी में होगा राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन

चंडीगढ़, 09 जून (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियों की कमान संभाल ली है। सोमवार को विधानसभा सचिवालय में प्रदेश सरकार और विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने सभी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह महत्वपूर्ण सम्मेलन जुलाई के पहले सप्ताह में गुरुग्राम में आयोजित होना प्रस्तावित है, जिसकी मेजबानी हरियाणा विधानसभा कर रही है।

विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय महत्व के इस आयोजन को सफल बनाना सभी की साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक राष्ट्र, एक विधायिका' के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस मंच से शहरी स्थानीय निकायों की देश के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना का रोडमैप तय होगा। हाल ही में पटना में संपन्न पीठासीन अधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलन में भी इस संकल्प को दोहराया गया था।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह हरियाणा के लिए गौरव की बात है कि इतने बड़े उद्देश्य से जुड़े पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर मिला है।

नई परियोजनाओं की योजना क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 09 जून (एजेंसियां)। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की आयोजित बैठक में सोनीपत महानगर क्षेत्र में बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देते हुए वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 349.8 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई।बैठक में हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक निखिल मदान, देवेन्द्र कादियान और कृष्ण गहलावत और मेयर राजीव जैन भी उपस्थित थे।

प्राधिकरण की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम सोनीपत के नए भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अलग–अलग दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण का कार्यालय नगर निगम भवन बनने के बाद उसमें स्थानांतरित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नई योजनाओं और परियोजनाओं की योजना क्षेत्र की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखकर बनाई जाए, ताकि विकास कार्यों से लोगों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि ठेकेदार तय समय सीमा के भीतर विकास कार्य पूरा करें और ऐसा न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में प्राधिकरण ने सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में एक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) की स्थापना एवं निगरानी को मंजूरी प्रदान की। आईसीसीसी सोनीपत जैसे बढ़ते शहर में शहरी बुनियादी ढांचे और सेवाओं के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका केंद्र के रूप में काम करेगा। आईसीसीसी के प्रमुख घटकों में शहर–व्यापी निगरानी प्रणाली, स्मार्ट पार्कों और स्मार्ट सड़कों के लिए आईसीटी बुनियादी ढांचा, एक अनुकूलनीय यातायात नियंत्रण प्रणाली, यातायात प्रवर्तन प्रणाली, परिवर्तनशील संदेश संकेत, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और एक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली शामिल हैं। खाद्य क्षेत्र और उद्योगों में शहर के तेजी से विकास को देखते हुए, प्राधिकरण ने दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल में 3 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को एसबीआर (सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर) प्रौद्योगिकी पर आधारित 7.5 एमएलडी क्षमता वाले प्लांट में अपग्रेड करने को मंजूरी दी, जिसकी अनुमानित लागत 15.75 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, यमुना नदी के पास बेघा गांव से गन्नौर शहर तक 10 एमएलडी रैनी वेल और राइजिंग मेन के निर्माण के लिए 35.50 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना को भी मंजूरी दी गई।

अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को तैयार शुभांशु शुक्ला

पोस्टरों से सजाया गया उनका घर

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को तैयार हैं। उनका मिशन मंगलवार को रवाना होगा। इससे पहले उनके घर को उनकी जीवन यात्रा से जुड़े पोस्टरों से सजाया गया है। इसमें उनको इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी गई है। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। 41 साल बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला मंगलवार (10 जून) को सुबह एक्सिओम स्पेस के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा पर रवाना होंगे। यह मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और निजी कंपनी स्पेसएक्स की साझेदारी में संचालित किया जा रहा है।

शुभांशु शुक्ला यूपी के लखनऊ के रहने वाले हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे देश के साथ उनके घरवालों को भी गर्व है। उनके अंतरिक्ष रवाना होने से उनके घर को उनकी जीवन यात्रा से जुड़े पोस्टर लगाकर सजाया गया है। साथ ही इसमें उनको इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी गई है। इनमें वह अलग-अलग कार्यक्रमों में दिख रहे हैं। किसी में प्रधानमंत्री मोदी उनका हौसला अफजाई कर रहे हैं। किसी में वह प्रशिक्षण स्थान पर दिख रहे हैं।

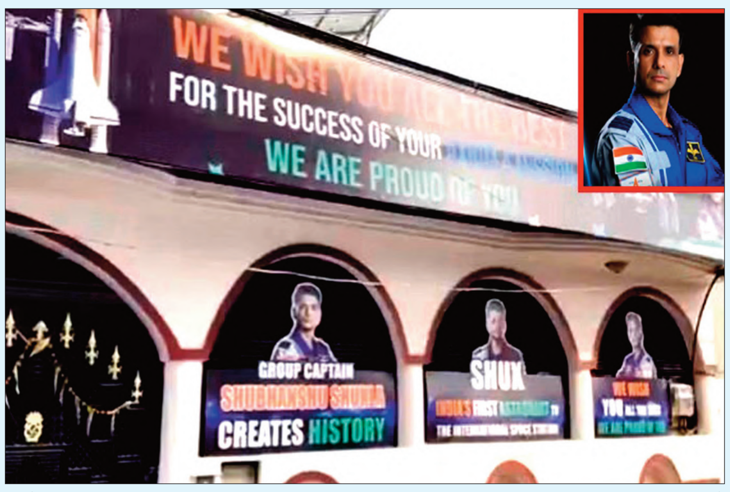

शुभांशु अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम स्पेस के चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन का हिस्सा बनकर इतिहास रचने जा रहे हैं। मिशन मंगलवार को सुबह 8:22 बजे लॉन्च होगा। यह फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरेगा। यात्रा पर रवाना होने से पूर्व शुभांशु ने कहा, मिशन का हिस्सा बनना बेहद सौभाग्यशाली है। शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय होंगे। 41 साल पहले उनके आदर्श राकेश शर्मा ने 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सोयुज अंतरिक्ष यान पर सवार होकर आठ दिनों तक कक्षा में रहने के लिए अंतरिक्ष उड़ान भरी थी। नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष यान को भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजकर 12 मिनट पर स्पेसएक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया जाएगा। इसके 28 घंटे की यात्रा के बाद 11 जून को रात 10 बजे (भारतीय समयानुसार) यान अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ेगा।

जनरल जोरावर सिंह के सम्मान में सेना ने निकाली बाइक रैली

बरेली, 09 जून (एजेंसियां)। बरेली में जनरल जोरावर सिंह के सम्मान में जोरावर ट्रेल नाम से बाइक रैली निकाली गई। कुमाऊं के दुर्गम क्षेत्रों से गुजरकर बाइक रैली पराक्रम का परिचय देगी। इसका समापन उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में होगा।

बरेली में महान डोगरा सेनानायक जनरल जोरावर सिंह (भारत के नेपोलियन) को श्रद्धांजलि स्वरूप उत्तर भारत एरिया के राइडर्स ने जोरावर ट्रेल बाइक रैली निकाली। 28 सदस्यीय टीम आठ दिन कुमाऊं के विभिन्न धर्मस्थलों, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्रों का भ्रमण कर देश प्रेम का संदेश देगी। बाइक रैली का वर्चुअल शुभारंभ यूबी एरिया के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा (एवीएसएम) ने किया। रैली में भारतीय सेना के 24 पुरुष, और चार महिला राइडर्स समेत स्वयंसेवी राइडर्स भी शामिल हैं।

सैन्य अफसरों के मुताबिक, पंचशूल ब्रिगेड के तत्वावधान में आयोजित रैली वीरता की भावना दर्शाते हुए जोरावर सिंह की विरासत से जुड़े ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों समेत दुर्गम इलाकों से गुजरेगी। योद्धाओं की विजय और सशस्त्र सेना के साहस का प्रदर्शन भी होगा। छह जून को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में संगीत समारोह के जरिए रैली का विश्राम होगा।

रैली गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब, काली माता मंदिर, ओम पर्वत, आदि कैलाश, पार्वती कुंड, पंचचूली पर्वत श्रृंखला की तलहटी के गांव दुग्तू का दौरा करेगी। इस दौरान पूर्व सैनिकों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित करने के साथ ही पेंशन एवं अन्य समस्याओं के समाधान का प्रयास करेंगे।

जनरल जोरावर सिंह का जन्म हिमाचल प्रदेश के कहलूर रियासत के चंदेल राजपूत परिवार में हुआ था।

डोगरा सेना के जनरल के रूप में उन्होंने वर्ष 1834 में लद्दाख, 1840 में बाल्टिस्तान और 1841 में तिब्बत पर विजय हासिल की थी। इससे व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता आई। वह वर्ष 1841 में तिब्बत में तकलाकोट युद्ध में शहीद हुए थे। उनके सैन्य नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमताओं से डोगरा राज्य महान साम्राज्य बना।

राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

स्नातक में हिंदी या संस्कृत भाषा की दक्षता अनिवार्य

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)। शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी के साथ हिंदी या संस्कृत की भाषा दक्षता अनिवार्य की गई है। साथ ही पर्यावरण, योग, संविधान जैसे वैल्यू एडेड कोर्स भी पढ़ाए जाएंगे। दिव्यांग छात्रों के लिए परीक्षा में सुविधा देने के फैसले भी लिए गए हैं।

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में भाषायी दक्षता को अनिवार्य कर दिया गया है। कुलपति संजय सिंह की अध्यक्षता में रविवार को विवि की विद्या परिषद् की बैठक में निर्णय लिया गया कि अब विद्यार्थियों को पहले व दूसरे सेमेस्टर में अंग्रेजी तथा तीसरे और चौथे सेमेस्टर में हिंदी या संस्कृत भाषा की दक्षता प्राप्त करनी होगी। प्रत्येक भाषा के लिए दो-दो क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं, यानी कुल आठ क्रेडिट में भाषा दक्षता की पढ़ाई करनी होगी।

बैठक में मल्टीडिसीप्लिनरी कोर्स की व्यवस्था भी तय की गई। स्नातक स्तर पर मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स के रूप में नेचुरल व फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स स्टेटिस्टिक्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस, कॉमर्स व मैनेजमेंट, लाइब्रेरी इन्फॉर्मेशन व मीडिया साइंस में से किसी तीन को प्रथम द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर के अंतर्गत चुनना होगा।

स्नातक छात्रों को पहले सेमेस्टर में पर्यावरणीय शिक्षा (जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, अपशिष्ट प्रबंधन आदि) पढ़ना अनिवार्य होगा। वहीं दूसरे सेमेस्टर में योग, खेल, डिजिटल समाधान या भारतीय संविधान में से एक विषय चुनना होगा। सभी कोर्स तीन क्रेडिट के होंगे। विशेष शिक्षा संकाय का नाम अब शिक्षा संकाय होगा और सभी संबंधित विभागों को विशेष शिक्षा विभाग में समाहित कर दिया गया है। पीएचडी उपाधियों का नाम अब पीएचडी इन एजुकेशन एंड स्पेशल एजुकेशन होगा। साथ ही बीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स 2026-27 से चार वर्षीय कर दिया गया है।

विवि की स्वामी विवेकानंद केंद्रीय लाइब्रेरी अब सुबह 9:30 से शाम 7 बजे तक खुलेगी। दृष्टिबाधित व ऑर्थोपेडिक हैंडीकैप्ड विद्यार्थियों के लिए श्रुति लेखकों को मध्य सत्र परीक्षा में 200 रुपये और सत्रांत परीक्षा में 300 रुपये प्रति पाली के हिसाब से भुगतान किया जाएगा।

किसानों को नि:शुल्क दिए जा रहे मोटे अनाजों के बीज

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)। खरीफ में धान, दलहन और तिलहन (अरहर, उर्द, मूंग तिल, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, नाइजर सीड आदि) की फसलों के साथ मिलेट्स यानी मोटे अनाज भी मुस्कुराएंगे। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार खरीफ के मौजूदा सीजन (2025) में प्रगतिशील किसानों को अलग-अलग फसलों के बीज के 4.58 लाख मिनी किट निशुल्क बांटने का लक्ष्य रखा है। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ये काम चल भी रहा है। ये बीज आम तौर पर संबंधित फसलों को होने वाले प्रचलित रोगों के प्रति प्रतिरोधी होते हैं। प्रगतिशील किसानों को डिमॉन्स्ट्रेशन के लिए इसलिए दिया जाता है ताकि बाकी किसान भी उनकी फसल को देखकर प्रेरणा लें। इसी क्रम में मिलेट्स, श्रीअन्न (मोटे अनाज) को बढ़ावा देने के लिए सांवा, कोदो, ज्वार, बाजरा और रागी के बीजों का मिनी किट भी किसानों को दिया जा रहा है।मिनी किट के रूप में दिए जाने वाले 2.47 लाख सिर्फ मिलेट्स के हैं।

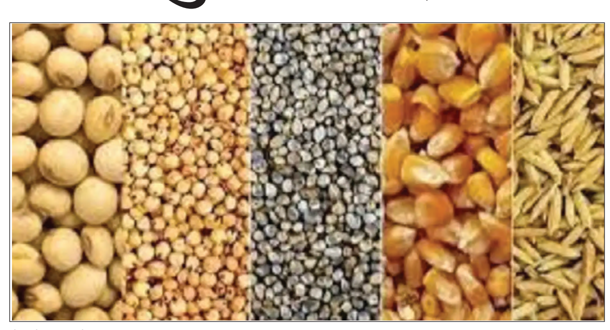

उल्लेखनीय है कि मोटे अनाजों का शुमार विश्व के प्राचीनतम अनाजों में होता है। विश्व की प्राचीनतम सभ्यता होने की वजह से ये मिलेट्स हमारी थाली का भी हिस्सा रहे हैं। ईसा पूर्व 3000 साल पहले सिंधु घाटी सभ्यता में भी इनके प्रमाण मिले हैं। खेतीबाड़ी और मौसम की सटीक जानकारी देने वाले महाकवि घाघ ने इनकी बोआई के तरीकों के साथ कहीं-कहीं इनकी खूबियां, यहां तक कि इनके रेसिपी की भी चर्चा की है।

मसलन बाजरे की खूबी के बाबत घाघ कहते हैं, उठ के बाजरा यू हंसि बोले, खाये बूढ़ा जुवा हो जाय। इसी तरह अपने एक दोहे में वह बताते हैं कि मडुआ के भात के साथ मछली और कोदो के भात को दूध या दही के साथ खाने में कोई जवाब नहीं है, मडुआ मीन, पीन संग दही, कोदो का भात दूध संग दही)।

करीब डेढ़ दशक पहले हुए एक सर्वे के मुताबिक 1962 में देश में प्रति व्यक्ति मोटे अनाजों की सालाना खपत करीब 33 किलोग्राम थी। हालांकि 2010 में यह घटकर करीब 4 किलोग्राम पर आ गई। दरअसल हरित क्रांति के पहले कम खाद, पानी, प्रतिकूल मौसम में भी उपजने वाला और लंबे समय तक भंडारण योग्य मोटे अनाज हमारी थाली का मुख्य हिस्सा थे। पर, हरित क्रांति में गेहूं-धान पर सर्वाधिक फोकस, सिंचाई के बढ़ते संसाधन एवं रासायनिक खादों एवं रसायनों की उपलब्धता की चकाचौंध में हमने कुअन्न का कलंक लगाकर इनको भुला दिया। पर इन कुअन्नों या मोटे अनाजों में भरपूर मात्रा में डायटरी फाइबर, प्रोटीन, बसा, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम एवं आयरन मिलते हैं। इस लिहाज से खुद में ये कुअन्न पोषण के पावर हाउस हैं।

वैश्विक मिलेट्स के उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी करीब 20 फीसद है। एशिया के लिहाज से देखें तो यह हिस्सेदारी करीब 80 फीसद है। इसमें बाजरा एवं ज्वार हमारी मुख्य फसल है। बाजरा के उत्पादन में भारत विश्व में नंबर एक है। और, भारत में बाजरा उत्पादन में उत्तर प्रदेश नंबर एक है। भारत 2018 में ही मिलेट्स वर्ष मना चुका है। भारत की पहल पर ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया था। ऐसे में इस अभियान को आगे ले जाने की जिम्मेदारी भी भारत, खासकर उत्तर प्रदेश के योगी सरकार की है। डबल इंजन की सरकार (मोदी और योगी की सरकार) अपनी इस जवाबदेही से बखूबी वाकिफ है। इसलिए खेतीबाड़ी से संबंधित हर अभियान में मोटे अनाजों की खूबियों के प्रति लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया जाता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान भी उन्हीं कार्यक्रमों की एक कड़ी है। अभियान के दौरान प्रगतिशील किसानों को मिनी किट के रूप में दिए जाने वाले नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण बीजों की इनके उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में मिलेट रिवॉल्यूशन का जिक्र कर इस बाबत संकेत भी दे चुके हैं। उनकी मंशा के अनुरूप भारत सरकार ने मोटे अनाजों को पोषक अनाजों की श्रेणी में रखते हुए इनको प्रोत्साहन देने का काम शुरू किया है। इस दौरान प्रति हेक्टेयर उपज एवं उत्पादन के लिहाज से अब तक के नतीजे भी अच्छे रहे हैं। डबल इंजन सरकार से मिले प्रोत्साहन के कारण इनसे जुड़ी केंद्रीय संस्थाओं और प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों ने भी मोटे अनाजों के लिए बेहतरीन काम किया है। मसलन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च (आईआईएमआर-हैदराबाद) केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मदद से टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर न्यूट्री हब की स्थापना कर नए स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है। स्टार्टअप शुरू करने वाले को हर तरह की मदद दी जाती है। यही नहीं मिलेट को बेस करके 500 से अधिक रेसिपी (रेडी टू ईट, रेडी टू कूक) भी तैयार की जा चुकी है। मोटे अनाजों की अधिक उपज देने वाली एवं रोग प्रतिरोधक 150 से अधिक बेहतर प्रजातियां भी लांच की जा चुकी हैं। इनमें 10 अतिरिक्त पोषण वाली और 9 बायोफोर्टिफाइड ब्रीडिंग के जरिए पोषक तत्वों को बढ़ाने वाली हैं।

जंगल के बीच बनाई गई चार अवैध मजारें ध्वस्त की गईं

बहराइच, 09 जून (एजेंसियां)। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में वन विभाग की टीम ने चार अवैध मजारें बुलडोजर लगाकर ध्वस्त करा दी गईं। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में जंगल के बीच अवैध रूप से बनी लक्कड़शाह, भंवरशाह, चमनशाह और शहंशाह मजार वन विभाग ने हटा दी।

डीएफओ बी. शिवशंकर ने बताया कि बेदखली की नोटिस दी गई थी। मजारें बाघ जोन में बना दी गई थीं। मजार के जिम्मेदार लोग जमीन और मजार की वैधता प्रमाणित नहीं कर सके, इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। डीएफओ ने बताया कि अतिक्रमण का मामला काफी दिनों से न्यायालय में चल रहा था जिसमें वन विभाग के पक्ष में फैसला आया था जिसके बाद से अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर स्वत: अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो देर रात बुलडोजर की कार्रवाई करके चारों मजारों को ध्वस्त कर दिया गया।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भरता से जोड़ रही योगी सरकार

1046 दिव्यांगों को मिला रोजगार

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावशाली पहल की है। इसी क्रम में संचालित दुकान निर्माण/संचालन योजना ने प्रदेश के हजारों दिव्यांग नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है।

योगी सरकार की योजना का मुख्य उद्देश्य है दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने में समर्थ बनाना। योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 20,000 रुपए तक की धनराशि दुकान निर्माण अथवा संचालन के लिए दी जा रही है, जिसमें 15000 रुपए ऋण एवं 5000 रुपए अनुदान और दुकान संचालन के लिए 10,000 रुपए की राशि 75 प्रतिशत ऋण और 25 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। योगी सरकार की यह व्यवस्था न केवल लाभार्थियों के लिए वित्तीय संबल बन रही है, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय की शुरुआत करने का आत्मविश्वास भी दे रही है। कई दिव्यांगजन जो पहले केवल सहायता के मोहताज थे, अब अपने दम पर व्यवसाय चला रहे हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन चुके हैं।

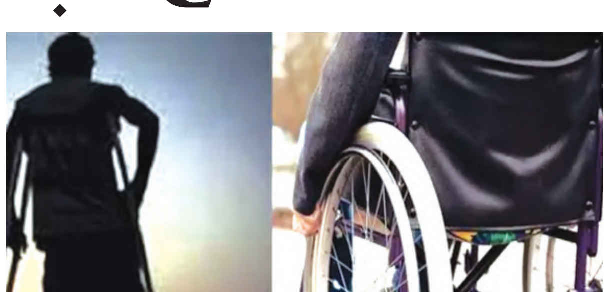

वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार ने इस योजना के लिए 1.06 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया था। योजना का क्रियान्वयन प्रभावी, पारदर्शी और उद्देश्यपरक रहा है। इस राशि में से 1.05 करोड़ रुपए खर्च से कुल 1046 लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इस योजना का सबसे बड़ा प्रभाव यह रहा है कि इससे दिव्यांगजनों में आत्मसम्मान की भावना जगी है। अब वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने में सक्षम हो रहे हैं और समाज में सम्मान के साथ जी रहे हैं। चाय की दुकान, मोबाइल रिपेयरिंग, स्टेशनरी, जनरल स्टोर जैसी विभिन्न दुकानों के माध्यम से इन लाभार्थियों ने न केवल रोजगार पाया, बल्कि अपने आसपास के लोगों के लिए भी प्रेरणा बनने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार इस बात पर जोर देती रही है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आत्मसात करते हुए यह योजना दिव्यांगजनों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। योगी सरकार का मानना है कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि एक स्थिति है, जिसे सही दिशा और सहायता से सशक्त बनाया जा सकता है। दुकान निर्माण/संचालन योजना ने दिव्यांगजनों को केवल आर्थिक सहायता नहीं दी, बल्कि उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा दिलाने में भी मदद की है।

बिजली निजीकरण के विरोध में उतरे किसान और उपभोक्ता संगठन

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)। यूपी में बिजली के निजीकरण के खिलाफ 22 जून को बिजली कर्मियों की महापंचायत होगी। इसमें कई किसान संगठनों का भी साथ मिलेगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने 22 जून को लखनऊ में बिजली महापंचायत के बारे में आधिकारिक जानकारी दी। महापंचायत में देशभर के किसान और उपभोक्ता संगठन शामिल होंगे। पदाधिकारियों ने बताया कि महापंचायत के ऐलान के बाद कई संगठनों ने समिति से संपर्क किया है। शनिवार को बिजली कर्मचारियों ने सभी जिलों परियोजनाओं और राजधानी में बैठक कर निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन को और तेज व मजबूत बनाने की रणनीति बनाई। समिति के पदाधिकारियों की रविवार को हुई बैठक में छह माह से चल रहे आंदोलन की समीक्षा की गई। साथ ही 22 जून को लखनऊ में होने वाली महापंचायत पर चर्चा की गई। इस दौरान पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि किसी भी कीमत पर निजीकरण मंजूर नहीं किया जाएगा।

संघर्ष समिति ने सरकार से पूछा है कि क्या निजी घरानों की सहूलियत के लिए 45 फीसदी संविदा कर्मियों को हटाया जा रहा है? पावर कॉर्पोरेशन के प्रपत्र में लिखा है कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल का निजीकरण नहीं हो रहा है, बल्कि सुधार किया जा रहा है। निजी क्षेत्र की 51 फीसदी और सरकारी क्षेत्र की 49 फीसदी भागीदारी होगी। क्या 51 फीसदी भागीदारी वालों का मालिकाना हक नहीं होता है? भाजपा ने 2017 के संकल्प पत्र में गरीबों को राहत देने की घोषणा की थी। ऐसे में गरीबों को मिलने वाला अनुदान बोझ कैसे हो सकता है? 51 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर निजीकरण करने से क्या सुधार की गारंटी है? ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया है कि 2017 में 41 फीसदी एटी एंड सी हानियां थी, जो घटकर 2024 में 16.5 फीसदी रह गई है। क्या यह सुधार काफी नहीं है?

निजीकरण के विरोध में प्रदेश में चल रहे आंदोलन के समर्थन में नौ जून को दिल्ली में नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक हुई। इसमें बिजली कर्मियों के चल रहे आंदोलन की समीक्षा के बाद राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की रणनीति बनाई गई। बैठक में ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज (एटक), इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीटू), इंडियन नेशनल इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन (इंटक), ऑल इंडिया पावर मेंस फेडरेशन व अन्य संगठन शामिल हुए।

टाटा स्टील अपने यूके प्लांट में कम कार्बन उत्सर्जन वाला ईएएफ लगाएगा

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)।

टाटा स्टील ने अपने यूके स्थित पोर्ट टालबोट प्लांट में कम कार्बन उत्सर्जन वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) लगाने की योजना बनाई है। यह प्लांट जुलाई 2025 से बनना शुरू होगा और 2027 तक इसका संचालन शुरू हो जाएगा। कंपनी ने अपनी वित्त वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार यह नया प्लांट रीसाइकल किए गए स्क्रैप का उपयोग करेगा और इससे 90 फीसदी तक साइट पर कार्बन उत्सर्जन में कटौती संभव होगी। सालाना 3.2 मिलियन टन कम-उत्सर्जन

नया प्लांट रीसाइकल किए गए स्क्रैप का उपयोग करेगा

स्टील उत्पादन की क्षमता वाले इस प्रोजेक्ट से अगले 10 वर्षों में 50 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। कंपनी ने बताया कि यह बदलाव लागत को काबू में रखने की रणनीति के साथ किया जा रहा है। टाटा स्टील का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 25 में 762 मिलियन के फिक्स्ड कॉस्ट को अगले साल 540 मिलियन तक घटा दिया जाए।

भारतीय कंपनियों ने 2025 में अपने शेयरधारकों को दिया ज्यादा डिविडेंड

नई दिल्ली। पिछले वित्त वर्ष में आय और मुनाफा नरम रहने के बावजूद भारतीय कंपनियों ने अपने शेयरधारकों को ज्यादा डिविडेंड का भुगतान किया है। देश की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में कुल 5 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड भुगतान किया, जो 2024 के मुकाबले 10.8 फीसदी अधिक है। इन कंपनियों का कुल मुनाफा भी वृद्धि करके 16 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। इस साल कंपनियों ने अपने शेयरधारकों को कुल 5.08 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.7 फीसदी अधिक है परंतु सालाना भुगतान अनुपात में गिरावट आईटी कंपनियों द्वारा पुनर्खरीद बंद करने के कारण हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि इस वर्ष कंपनियां उच्च लाभांश भुगतान के माध्यम से बाजार को संतुलित रखने की कोशिश कर रही हैं। मुनाफे में कमी के बावजूद निवेशकों में बांट दिये 5 लाख करोड़ आईटी क्षेत्र में शेयर पुनर्खरीद में कमी आने के बावजूद, अन्य क्षेत्रों में कंपनियां राजस्व और मुनाफे में नरमी से समर्थन दे रही हैं। इस दशक में, कंपनियां अपने शेयरधारकों को सीधे भुगतान के माध्यम से लाभ पहुंचाने के लिए उदार रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

एक रुपए के सिक्के की लागत उसकी कीमत से काफी अधिकः रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय मुद्रा प्रणाली में एक रुपये के सिक्के की लागत उसकी कीमत से काफी अधिक होती है। रिजर्व बैंक के अनुसार हर एक रुपये के सिक्के बनाने में सरकार को करीब 1.11 रुपये का नुकसान होता है। यह मामला सिर्फ एक रुपये तक ही सीमित नहीं है। दूसरे सिक्कों की लागत भी उनकी कीमत से अधिक होती है। भारत सरकार मुख्य रूप से मुंबई और हैदराबाद में सिक्कों का निर्माण करती हैं। एक रुपये का सिक्का स्टेनलेस स्टील से बनाया जाता है, जिसका वजन करीब 3.76 ग्राम, व्यास 21.93 मिमी, और मोटाई 1.45 मिमी होती है। यह सिक्का वर्षों तक उपयोग में रह सकता है, जिससे इसकी टिकाऊ प्रकृति साफ झलकती है। सरकार को हर सिक्के पर घाटा हो रहा है फिर भी इनका निर्माण जारी रखती है क्योंकि सिक्के नोटों की तुलना में काफी ज्यादा समय तक चलते हैं। जहां नोटों को कुछ सालों में बदलना पड़ता है, वहीं सिक्के दशकों तक प्रचलन में रहते हैं। यानी एक बार लागत जरूर आती है, लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह ज्यादा किफायती और व्यवहारिक साबित होता है।

पीयूष गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्जरलैंड और स्वीडन की यात्रा पर

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्ज़रलैंड और स्वीडन की आधिकारिक दौरे पर हैं। वाणिज्य मंत्री की इस यात्रा का मकसद आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए साथ-साथ रणनीतिक ट्रेड और विनिवेश संबंधों को आगे बढ़ाना है। गोयल उद्योग जगत के दिग्गजों से मिलेंगे, निवेश बढ़ाने पर होगी चर्चा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की इस यात्रा की शुरुआत स्विटजरलैंड से होगी, जहां मंत्री वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और प्रभावशाली उद्योग जगत की हस्तियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए संभावनाओं का पता लगाएंगे। पीयूष गोयल की बैठकें दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यापार संघों के साथ उच्च-प्रभावी बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए तय की गई हैं। यात्रा कार्यक्रम में फार्मा और लाइफ साइंसेज, तथा प्रेसिजन इंजीनियरिंग, मशीन टूल्स, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रमुख स्विस उद्योग जगत के नेताओं के साथ केंद्रित क्षेत्रीय बैठकें शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री की यह यात्रा प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को गहरा करने, मजबूत व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने में भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। ये दौरा यूरोप की दो सबसे नवीन अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के जुड़ाव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

चीन के निर्यात में तेजी, अमेरिका के साथ व्यापार में आई कमी

बीजिंग। मई महीने में चीन के निर्यात में वृद्धि दर्शाती हुई रिपोर्ट जारी की गई है। इसके विपरीत चीन का अमेरिका को निर्यात 10 प्रतिशत कम है, जैसा कि विभागीय आंकड़ों से पता चला है। चीन के निर्यात मई महीने में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत बढ़ गया है, जबकि चीन के आयात में 3.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इस समय चीन का अमेरिका को निर्यात 28.8 अरब डॉलर रहा है, जबकि चीन का अमेरिका से आयात 7.4 प्रतिशत घटकर 10.8 अरब डॉलर हुआ है। अप्रैल में वृद्धि के बाद, मई महीने में चीन के वैश्विक निर्यात में धीमी गति देखने को मिल रही है। आगामी सोमवार, ब्रिटेन में चीन और अमेरिका के बीच एक वार्ता होगी, जिसमें चीनी उप-प्रधानमंत्री हुई लेइफेंग भाग लेंगे। साथ ही अमेरिका की टीम में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक, और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर भी शामिल होंगे। पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच एक अच्छी बातचीत हुई थी। इसे एक सकारात्मक माना गया था।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र में मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। वहीं, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में रोजगार के शानदार आंकड़ों के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जोरदार तेजी का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स 450 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,000.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 231.50 अंक यानी 1.20 प्रतिशत उछल कर 19,529.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,707.39 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली की वजह से मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,837.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,804.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,304.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में चौतरफा तेजी का माहौल नजर आ रहा है। एशिया के सभी 9 बाजारों में खरीदारी हो रही है, जिसके कारण सभी 9 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में नजर आ रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,171 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,939.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.59 प्रतिशत उछल कर 2,856.90 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 401.82 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,146.39 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 240.87 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,033.41 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,113.42 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,818.35 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,139.40 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 3,393.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कच्चा तेल 5,469 रुपए प्रति बैरल

नई दिल्ली। हाजिर बाजार में कमजोर मांग को देखते हुए कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया, जिससे सोमवार को कच्चे तेल का वायदा भाव हल्की गिरावट लेकर 5,469 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जुलाई डिलिवरी वाले कच्चे तेल का भाव एक रुपये की गिरावट के साथ 5,469 रुपये प्रति बैरल पर आ गया, जिसमें 6,210 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदे कम करने के बाद कच्चे तेल की वायदा कीमतों पर असर पड़ा। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.54 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि ब्रेंट क्रूड न्यूयॉर्क में मामूली रूप से 0.08 डॉलर गिरकर 66.42 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

एयरटेल ने डिजीटल धोखाधड़ी रोकने आरबीआई और एनपीसीआई को पत्र लिखा

मुंबई, 09 जून (एजेंसियां)।

भारती एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए 40 बैंकों, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) को पत्र लिखा है। इसमें एयरटेल ने कहा है कि उसने एक ऐसा डेटाबेस तैयार करने की योजना बनाई है, जिसमें धोखाधड़ी वाले वित्तीय डोमेन की जानकारी होगी। इसके अलावा एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और सुरक्षित डिजिटल कामकाज को बढ़ावा देने का प्रस्ताव भी रखा है। एयरटेल ने 15 मई को एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था, जो धोखाधड़ी वाली वेबसाइट्स को रीयल-टाइम में ब्लॉक करता है। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म है। इसे सबसे पहले हरियाणा में शुरू किया गया है और जल्द ही इसे पूरे भारत में लागू किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ईमेल, वेब ब्राउजर और एसएमएस जैसे कई संचार माध्यमों पर काम करता है। एयरटेल ने एनपीसीआई को पत्र लिखकर डिजिटल पेमेंट सिस्टम को और सुरक्षित बनाने के लिए साझेदारी का प्रस्ताव दिया है।

मेटा स्केल एआई में 10 अरब डॉलर का निवेश करेगी

मुंबई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने के लिए मेटा स्केल एआई में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रही है। यह सौदा अगर होता है, तो न केवल मेटा का अब तक का सबसे बड़ा एआई निवेश होगा, बल्कि यह एआई क्षेत्र में किसी प्राइवेट कंपनी के लिए सबसे बड़ी फंडिंग में से एक माना जाएगा। हालांकि फिलहाल इस डील की शर्तों पर चर्चा जारी है और इसमें बदलाव की संभावना बनी हुई है। वैसे मेटा और स्केल एआई की ओर से अब तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। स्केल एआई की स्थापना 2016 में एलेक्जेंडर वांग ने की थी और यह कंपनी मशीन लर्निंग मॉडल्स के लिए आवश्यक डेटा को प्रोसेस और लेबल करने में विशेषज्ञता रखती है।

पीएनबी, बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक ने ब्याज दरें घटाई

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हिलने वाली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती की थी। इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक जैसे कई प्रमुख बैंकों ने लोन दरों में कटौती की घोषणा की। पंजाब नेशनल बैंक ने अपनी रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से 8.35 प्रतिशत कर दिया, जबकि बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से 8.35 प्रतिशत किया। यूको बैंक ने अपनी एमसीएलआर को 10 आधार अंकों से कटौती की। इन बदलावों से होम और पर्सनल लोनों में किफायती होगी। इस नयी देय दर के साथ, ग्राहकों को और भी अधिक अनुकूल लोन व्यवस्थाएं मिलेंगी और इसका सीधा स्वाभाविक प्रतिशत, अर्थ व्यवस्था में और गति देगा। यह सर्वांक प्रतिष्ठानों और लोगों के अर्थ समृद्धि में सुधार लाएगा।

भारत में पहली बार 4 फीसदी से ज्यादा बिकी ई-कार, मई में ताबड़तोड़ 12,304 इलेक्ट्रिक कारें बिकी

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)।

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की मांग में धीरे धीरे इजाफा हो रहा है। हाल ही में देखें तो मई 2025 में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स की रिकॉर्ड ब्रेकिंग बिक्री है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल मई 2025 में ईवी की रिटेल सेल कुल कारों की बिक्री का 4 फीसदी से अधिक रही, जो अब तक की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। मई 2025 में देशभर में 12,304 इलेक्ट्रिक कारों की रिटेल बिक्री हुई, जो पिछले साल मई 2024 की 8,029 यूनिट्स के मुकाबले में लगभग 53 फीसदी की भारी वृद्धि है।

अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 12,233 यूनिट्स था, जिससे मई में हल्की सी बढ़त देखने को मिली है। पिछले साल इसी समय पर ईवी की हिस्सेदारी 2.6 फीसदी थी, जबकि अप्रैल 2025 में यह 3.5 फीसदी थी। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक कारों की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह न केवल कार बाजार में बदलाव का संकेत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि उपभोक्ता अब रेगुलर पेट्रोल-डीजल गाड़ियों की तुलना में ईवी को प्राथमिकता दे रहे हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना विझिनजाम बंदरगाह पर पहुंचा

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना सोमवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर सुबह आठ बजे पहुंचा। कंटेरन जहाज के यहां पहुंचने पर उसका स्वागत पारंपरिक जल सलामी के साथ किया गया। ये जहाज मंगलवार तक यहां रहेगा।

दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना ने विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर ऐतिहासिक शुरुआत की। दक्षिण एशियाई बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा पर आया ये जहाज सुबह 8 बजे बंदरगाह पर पहुंचा, जिसने अल्ट्रा-लार्ज कंटेनर जहाजों (यूएलसीवी) को संभालने में विझिनजाम की क्षमताओं को उजागर किया। एमएससी इरिना, जिसे टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाई) क्षमता के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज बताया जा रहा है, जो मंगलवार तक बंदरगाह पर खड़ा रहेगा। विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह को अडाणी समूह ने बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2 मई को इसका उद्घाटन किया। दुनिया के सबसे बड़े जहाज का आगमन नए बंदरगाह के लिए मील का पत्थर है।

एल्युमीनियम के भाव गिरकर 237 रुपए किलो

नई दिल्ली। उपभोक्ता उद्योगों की मांग घटने के कारण प्रतिभागियों द्वारा सौदों के आकार को कम करने से हाजिर बाजार में सोमवार को एल्युमीनियम की कीमत 55 पैसे की गिरावट के साथ 237.25 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जुलाई डिलिवरी वाले एल्युमीनियम अनुबंध की कीमत 55 पैसे अथवा 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 237.25 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। 4,222 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है ये जहाज

एमएससी इरिना जहाज की क्षमता 24,346 टीईयू की है, जो इसे वैश्विक शिपिंग में एक मजबूत खिलाड़ी बनाती है। 399.9 मीटर की लंबाई और 61.3 मीटर की चौड़ाई के साथ यह जहाज फीफा द्वारा नामित एक मानक फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है। इस को मार्च, 2023 में लॉन्च किया गया था, जो उसी वर्ष अप्रैल में अपनी पहली यात्रा पर निकला था।

लाइबेरियाई झंडे के नीचे चलने वाला यह जहाज 26 स्तरों तक ऊंचे कंटेनरों को ढेर करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो कंटेनर स्टैकिंग में बेजोड़ क्षमता प्रदान करता है। समकालीन पर्यावरण मानकों के अनुरूप, यह पोत ऊर्जा-बचत सुविधाओं से सुसज्जित है, जो कार्बन उत्सर्जन में 4 फीसदी तक की कमी लाने में योगदान देता है, जिससे परिचालन दक्षता बनाए रखते हुए इसके कार्बन पदचिह्न में उल्लेखनीय कमी आती है।

उल्लेखनीय है कि एमएससी इरिना जहाज का यह स्मारकीय आगमन विझिनजाम बंदरगाह के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसे 2 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया था।

पीवीएल 4 नीलामी : जेरोम विनीत, शमीमुद्दीन और विनीत कुमार सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने

कालीकट, 09 जून (एजेंसियां) ।

प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) सीजन 4 की नीलामी में रविवार को जेरोम विनीत सी, शमीमुद्दीन और विनीत कुमार ने सबसे अधिक बोली हासिल कर सुर्खियां बटोरीं। इन तीनों खिलाड़ियों को प्लेटिनम कैटेगरी में 22.5 लाख की कीमत पर खरीदा गया। जेरोम विनीत को चेन्नई ब्लिट्ज ने अपनी टीम में शामिल किया, वहीं शमीमुद्दीन को कालीकट हीरोज और विनीत कुमार को कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने अपनी टीम में जोड़ा।

कुल 789 खिलाड़ियों की बोली, 10 फ्रेंचाइजियों ने किए 6 करोड़ से अधिक खर्च – इस बार नीलामी में कुल 789 खिलाड़ी शामिल हुए, जिन पर 10 फ्रेंचाइजियों ने बोली लगाई। कुल 6 करोड़ 8 लाख 50 हजार खर्च गई। हर फ्रेंचाइजी को अपने पुराने खिलाड़ियों को रिटेन करने या उन्हें ऑक्शन पूल में छोड़ने का विकल्प मिला था। विदेशी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट सिस्टम से किया गया।

चेन्नई ब्लिट्ज की खरीदारी – जेरोम विनीत के अलावा चेन्नई ब्लिट्ज ने एम. अश्विन राज, आदित्य राणा और समीर चौधरी को 8 लाख में, नांजिल सूर्या को 5.75 लाख, टी. श्रीकांत को 6.5 लाख, तरुण गौड़ा के को 4.25 लाख, कैला विष्णु वर्धन बाबू और नमिथ एमएन को 3 लाख में खरीदा।

कालीकट हीरोज ने बनाई संतुलित टीम – शमीमुद्दीन के अलावा कालीकट हीरोज ने संतोश एस को 11.5 लाख, मोहनुक्क्रापांडियन को 8 लाख, अब्दुल रहीम और मुकेश कुमार को 4 लाख तथा हारिस, किरणराज थेवलिल और उसामा रहमत को 3 लाख में टीम में शामिल किया।

कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने भी दिखाई आक्रामकता – विनीत कुमार के साथ कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने जसजोध सिंह को 14.75 लाख, अमलके थॉमस को 6.5 लाख, जानशाद यू को 4.25 लाख, और अयुष पांडे, निर्मल जॉर्ज, सचिन के, हेमंत पी और एलन अशीक वीएल को 3 लाख में खरीदा।

अहमदाबाद डिफेंडर्स का मजबूत दांव – अहमदाबाद डिफेंडर्स ने शॉन टी जॉन को 11.5 लाख, अंगमुथु को 11 लाख, अखिन जीएस को 10.25 लाख में खरीदा। अर्शक सिनान को 8 लाख, पी. प्रभाकरण को 3.25 लाख, जबकि ध्रुविल पटेल, अभिनव बीएस और हर्ष चौधरी को 3 लाख में टीम का हिस्सा बनाया।

बेंगलुरु टॉरपीडोज़ ने देर से लेकिन बड़ा दांव खेला – बेंगलुरु टॉरपीडोज़ ने जिश्नू पीवी को 14 लाख में खरीदा। जोएल बेंजामिन जे 6.5 लाख में टीम से जुड़े, वहीं रोहित कुमार और इबिन जोस को 5 लाख में, हिमांशु त्यागी को 4.25 लाख में और संदीप को 3 लाख में टीम में शामिल किया गया। नितिन मिन्हास को 4.2 लाख में खरीदा गया।

दिल्ली तूफान ने कई बड़े नामों पर दांव लगाया – दिल्ली तूफान ने मुहम्मद जसीम को 11 लाख, आयुष को 9 लाख, मन्नत चौधरी को 6.5 लाख, जॉर्ज एंटनी को 5 लाख और अभिषेक राजीव, अविनाश व रिजास केआर को 3 लाख में टीम में शामिल किया।

हैदराबाद ब्लैक हॉक की बड़ी खरीदारी – हैदराबाद ब्लैक हॉक ने शिखर सिंह को 16 लाख, अमन कुमार को 11.5 लाख, दीपु वेंगुपाल को 5.75 लाख, प्रीत करण को 4.75 लाख, राजनीश सिंह, अथुल और दिग्विजय सिंह को 3 लाख में खरीदा।

कोलकाता थंडरबोल्ट्स की ठोस टीम – कोलकाता ने पंकज शर्मा को 6 लाख,शेट्टी को 5 लाख, जितिन एन को 5.75 लाख, सूर्यांश तोमर को 4 लाख, लालसुजन एमवी को 6.25 लाख, मुहम्मद इकबाल को 7 लाख, अमित चौकर को 5 लाख और मुहम्मद फवाज एम को 3 लाख में टीम से जोड़ा।

मुंबई मीटियर्स का संतुलित चयन – मुंबई ने लाड ओमवसंत और कार्तिक ए को 8 लाख, सोनू, निखिल और विपुल कुमार को 5 लाख, निखिल चौधरी को 4 लाख और अभिनव सालार व योगेश कुमार को 3 लाख में खरीदा।

न्यूज़ ब्रीफ

तीसरे दिन भारत ए का दबदबा, खलील अहमद चमके, राहुल और ईश्वरन ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। खलील अहमद की चार विकेट की शानदार गेंदबाजी, इंग्लैंड लॉयंस की निचले क्रम की लड़ाकू पारियां और फिर केएल राहुल व अभिमन्यु ईश्वरन की अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर भारत ए ने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को खुद को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया है। भारत ए ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 4 विकेट पर 163 रन बनाकर 184 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली है। खलील की कहर बरपाती गेंदबाजी, लॉयंस ढेर होते-होते बचे दिन की शुरुआत 192/3 से करने वाली इंग्लैंड लॉयंस की टीम 243/8 तक लड़खड़ा गई थी, जहां खलील अहमद ने कहर बरपाया। उन्होंने लगातार विकेट चटकाकर भारत ए को मजबूत वापसी कराई। हालांकि जोश टंग (36*) और फरहान अहमद (24) ने निचले क्रम में जुझारू बल्लेबाजी कर टीम को 327 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। खलील ने 4/70 की शानदार गेंदबाजी की। राहुल-ईश्वरन की साझेदारी ने दिलाई बढ़त दूसरी पारी में भारत ए की शुरुआत खराब रही और यशस्वी जायसवाल एक बार फिर सस्ते में आउट हो गए। लेकिन इसके बाद केएल राहुल (51) और अभिमन्यु ईश्वरन (80) ने 88 रनों की अहम साझेदारी की। राहुल ने पहले पारी के शतक के बाद दूसरी पारी में भी शानदार बैटिंग करते हुए फिफ्टी जड़ी। वहीं, कप्तान ईश्वरन अंत तक टिके रहे और 80 रन की दमदार पारी खेली।

मार्क मार्केज ने अरागोन ग्रां प्री जीतकर पूरा किया परफेक्ट वीकेंड, डुकाटी का पोडियम पर कब्ज़ा

अल्कानीज़ (स्पेन)। डुकाटी के स्टार राइडर मार्क मार्केज़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि

मोटरलैंड सर्किट पर उनका कोई सानी नहीं है। उन्होंने पोल पोजिशन से शुरुआत करते हुए अरागोन ग्रां प्री में शानदार जीत दर्ज की और चैंपियनशिप में अपनी बढ़त और मज़बूत कर ली। इस जीत के साथ मार्क ने न केवल सीज़न की सातवीं जीत हासिल की, बल्कि इस सर्किट पर रिकॉर्ड सातवीं बार जीतकर इतिहास भी रच दिया। उनके छोटे भाई एलेक्स मार्केज ने ग्रेसिनी रेसिंग के लिए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि डुकाटी टीम के ही फ्रांसेस्को बगनाइया तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह डुकाटी ने पोडियम पर पूरी तरह कब्ज़ा जमाया। सभी सेशनों में दिखाया दबदबा मार्क मार्केज़ ने वीकेंड के हर सेशन — प्रैक्टिस, क्वालिफाइंग, वार्मअप और रेस — में टॉप पर रहकर 2015 जर्मन ग्रां प्री के बाद पहली बार किसी राइडर ने हर सेशन में बढ़त बनाई। उस समय भी ये कारनामा खुद मार्क ने ही किया था। उन्होंने कहा, यह वीकेंड शानदार रहा। हर सेशन में लीड करना, पूरा फोकस बनाए रखना जरूरी था। एलेक्स और पेको (बगनाइया) की रेस पेस तेज थी, लेकिन मैं गैप कंट्रोल करता रहा। भाई के साथ जीत सेलिब्रेट करना बहुत खास था। भाईचारा और सोशल मीडिया पर बना रहा रोमांच रेस से पहले दोनों मार्केज़ भाइयों के बीच सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर मज़ेदार बहस चल रही थी कि उनकी मां किसे सपोर्ट करेंगी। रेस जीतने के बाद मार्क ने अपनी मां को डुकाटी की लाल शर्ट भेंट की, जिससे मज़ेदार लम्हा बन गया। रेस के बाद दोनों भाई घरेलू दर्शकों के सामने हाथ में हाथ डालकर डांस करते भी दिखे, जो उनके सम्मान में बनाए गए विशेष स्टैंड में मौजूद थे।

टेस्ट सीरीज से पहले गंभीर की देखरेख में भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम ने 20 जून से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए

अभ्यास शुरु कर दिया है। अभ्यास सत्र में मुख्य कोच यहां गौतम गंभीर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते दिखे। इस दौरान मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के बीच छींटाकसी भी हुई। जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल के बीच भी भी कड़ा मुकाबला हुआ। केंट काउंटी मैदान में भारतीय टीम ने तीन घंटे तक अभ्यास किया। इस दौरान गंभीर ने सभी खिलाड़ियों से बात की पर उनका ध्यान युव खिलाड़ियों पर अधिक रहा। गंभीर ने नेट्स के पीछे खड़े होकर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन के प्रदर्शन को देखा। उन्होंने सुदर्शन को डेब्यू से पहले कई टिप्स भी दिए। सुदर्शन ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। अभ्यास के दौरान सिराज और ऋषभ के बीच मजेदार मुकाबला हुआ। सिराज तेज गेंदबाजी कर रहे थे पंत पर इसका कोई असर नहीं हुआ। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसलिए उम्मीद है कि वह 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। सिराज से भी यही उम्मीदें हैं। ऑस्ट्रेलिया में वह थके हुए लग रहे थे।

ओलंपिक विजेता मैरी टकर ने कहा– एथलीट्स को तराशने का सुनहरा मौका है शूटिंग लीग ऑफ इंडिया

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां) ।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की पहली आधिकारिक घोषणा ने जहां देश में खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट भी इस नए प्रारूप को लेकर काफी उत्साहित हैं। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट और अमेरिका की स्टार शूटर मैरी टकर ने इस लीग में हिस्सा लेने की अपनी उत्सुकता जाहिर की है।

23 वर्षीय टकर एनसीएए के तहत यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी और वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी की ओर से खेल चुकी हैं। वह जर्मनी की बुंदेसलीगा में साल्टेंडॉर्फ क्लब का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टीम फॉर्मेट में खेलने का अनुभव है और यही चीज उन्हें एसएलआई की ओर आकर्षित कर रही है।

मैरी ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं लीग्स को लेकर हमेशा उत्साहित रहती हूं। एनसीएए और बुंदेसलीगा में खेलने का अनुभव मुझे टीम भावना की अहमियत सिखा चुका है। दर्शकों की मौजूदगी में पूरे टीम के लिए चीयर करना और सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का एकसाथ खेलना एक शानदार अनुभव होता है।

एसएलआई का पहला सीजन 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। इसमें पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजिशन) और शॉटगन (ट्रैप और स्कीट) में मिक्स्ड टीम इवेंट्स होंगे। यह फैसला एनआरएआई की टेक्निकल कमिटी ने किया है।

मैरी ने कहा कि, भारत इस समय शूटिंग में बहुत ऊंचे स्तर पर है। ऐसे में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को एक-दूसरे के खिलाफ खेलने का यह सुनहरा मौका मिलेगा। इससे भारत में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी शूटिंग को लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी।

टकर ने माना कि लीग में खेलने का मनोवैज्ञानिक पहलू भी खास होता है। उन्होंने कहा, जो खिलाड़ी पहले से एनसीएए या बुंदेसलीगा में खेले हैं, उन्हें टीम प्रेशर से निपटने में थोड़ी बढ़त होगी। देश या खुद के लिए खेलने से अलग, जब आप किसी शहर या स्कूल की टीम के लिए खेलते हैं तो उस शहर के लोग आपके पीछे खड़े होते हैं। साथ ही, आप अपने साथियों को निराश नहीं करना चाहते। यह मानसिक दबाव का अलग ही रूप होता है।

कुलदीप यादव अपनी मंगेतर के साथ नजर आये, रिंकू की मंगेतर भी साथ थीं

लखनऊ। क्रिकेटर कुलदीप यादव और रिंकू सिंह आजकल बेहद चर्चाओं में बने हैं। रिंकू की जहां 8 जून को सगाई हुई, वहीं कुलदीप की कुछ दिनो पहले हुई थी। अब कुलदीप की सगाई के अवसर की एक तस्वीर सोशल मीडिया में आई है इसमें वह अपनी मंगेतर और रिंकू सिंह की मंगेतर के साथ नजर आ रहे हैं। तीनों ही पारंपरिक पोशक में है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और लोग न केवल उनकी बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं बल्कि उनके फैशन सेंस की भी तारीफ कर रहे हैं। कुलदीप ने इस अवसर पर सफेद (आइवरी व्हाइट) कलर की ब्रोकेड शेरवानी पहनी, जिस पर हल्का एम्ब्रॉयडरी वर्क किया गया था। उन्होंने इसके साथ ही मैचिंग चूड़ीदार और ब्राउन फॉर्मल शूज पहने हैं। उनका हेयरस्टाइल और हल्की दाढ़ी उनके पूरे लुक को और भी स्मार्ट बना रही थी। यह लुक एकदम शाही और एलिगेंट लग रहा था, जो किसी भी फेस्टिव या वेडिंग मौके पर परफेक्ट माना जा सकता है।

एसएलआई से उन्हें अपनी व्यक्तिगत शूटिंग में भी सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा, दुनिया के श्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ यात्रा और ट्रेनिंग करना मेरे खेल को बेहतर बनाएगा। यह अलग-अलग अनुभव देगा और मुश्किल परिस्थितियों से उबरने की सीख देगा।

मैरी को उम्मीद है कि अमेरिका में भी प्रोफेशनल शूटिंग लीग की शुरुआत हो सकती है। उन्होंने कहा, हमारे यहां कॉलेज स्तर पर तो टीमें हैं, लेकिन प्रोफेशनल स्तर पर नहीं। अगर एसएलआई के जरिए दुनिया भर के एथलीट्स एक मंच पर आते हैं, तो अमेरिका में भी शूटिंग को एक नई दिशा मिल सकती है, खासकर 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक से पहले यह एक बड़ा कदम होगा। भारतीय खिलाड़ियों से दोस्ताना रिश्तों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मैं एलेवेनिल वलारिवन को काफी अच्छे से जानती हूं, और उनका विकास देखना दिलचस्प होगा। साथ ही, अंजुम मौदगिल मेरी अच्छी दोस्त हैं। वह खेल मनोविज्ञान को लेकर काफी सक्रिय हैं और अगर वह युवाओं और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर कोई पहल करती हैं तो मैं उसमें जरूर शामिल होऊंगी। मैरी टकर की यह प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि एसएलआई केवल एक घरेलू पहल नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर शूटिंग स्पोर्ट्स के लिए एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है।

बीसीसीआई ने घोषित किया घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका-ए सीरीज का संशोधित कार्यक्रम

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025 के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका ए टीम के भारत दौरे के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) इस दौरान वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी।

इस सीरीज का दूसरा टेस्ट, जो पहले कोलकाता में होना था, अब दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से शुरू होगा, जिसे दिल्ली से बदलकर अब कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शिफ्ट कर दिया गया है।

महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज के वेन्यू भी बदले गए हैं। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों के मरम्मत कार्य के चलते यह बदलाव किया गया है। अब सीरीज के पहले दो वनडे मैच न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में होंगे, जबकि तीसरा और अंतिम मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका ए पुरुष टीम भारत दौरे पर दो चार दिवसीय और तीन एक दिवसीय मुकाबले खेलेगी। यह दौरा 30 अक्टूबर से शुरू होगा। चार दिवसीय दोनों मुकाबले बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होंगे, जबकि तीनों एकदिवसीय मैच पहले एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने थे, लेकिन अब इन्हें राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुशासन से...

भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है।श्री मोदी ने सरकार की उपलब्धियों को संवाद-शैली के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए देशवासियों को प्रोत्साहित भी किया है। इस ऐप के जरिए इंटरैक्टिव गेम, क्विज़, सर्वेक्षण और अन्य प्रारूपों के माध्यम से प्रेरणादायी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो ऐप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए भी आमंत्रित किया।श्री मोदी ने अपने पोस्ट में कहा , सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान! 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर, एनडीए सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है, लेकिन साथ ही, हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं।

25 करोड़ ...

देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कदम के बाद वहां लोकसभा में प्रदेश में 58.46 प्रतिशत और विधानसभा चुनाव में 63 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर देश के लोकतंत्र में अपनी मजबूत आस्था व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बदलाव मोदी सरकार की साहसिक निर्णय की वजह से आया है।श्री नड्डा ने कहा, पिछले एक दशक में हमने अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एससी-एसटी) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समेत समाज के सभी वर्गों की चिंता की है। उसी तरीके से हमने महिलाओं के नेतृत्व विकास को आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को पायलट बनाने से लेकर सेना में कमीशन देने तक, सैनिक स्कूलों में दाखिले से लेकर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में भर्ती तक, लखपति दीदी से लेकर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को प्रोत्साहित करने तक... मोदी सरकार में महिलाओं और एससी-एसटी-ओबीसी सभी को मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम गरीबी हटाओ का नारा लेकर नहीं चले हैं, हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। आंकड़े इस बात का सबूत हैं... देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। इसी तरीके से अति गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आयी है।

उन्होंने नवंबर 2016 में हुई नोटबंदी का उल्लेख करते हुए कहा, मुझे याद है कि कैसे हमारे राजनीतिक दल लाभ उठाने के लिए जनता को उकसा रहे थे। लेकिन भारत का आम व्यक्ति बैंक के सामने घंटों खड़ा रहा और मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि जब नेतृत्व पर भरोसा होता है, तो जनता समर्थन करती है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि यह सिर्फ शौचालय बनाने तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य के नजरिये से देखें तो भी हमें स्वच्छ भारत अभियान का सीधा फायदा मिला है।श्री नड्डा ने बताया कि श्री मोदी के कार्यकाल में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) लेन-देन में करीब 130 गुना वृद्धि हुई है और जैम त्रिनिटी (जन धन बैंक खाता, आधार और मोबाइल फोन)ने 3.9 लाख करोड़ रुपये की लीकेज को रोका है।उन्होंने आतंकवादी हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री मोदी ने हर समस्या का सामने से सामना किया है। जब उरी की घटना घटी, तब श्री मोदी ने कहा था कि इसका जवाब दिया जायेगा और इसके बाद सर्जिकल स्ट्राइक हुई।इसके बाद जब पुलवामा की घटना घटी तक श्री मोदी ने कहा था कि तुमने बहुत बड़ी गलती कर दी है और इसका खामियाजा तुम्हें भुगतना पड़ेगा... इसके बाद बालाकोट हवाई हमला हुआ। इस बार जब पहलगाम की घटना घटी, तब उन्होंने बिहार के मधुबनी में कहा था कि तुम्हें कल्पना से भी परे जवाब दिया जाएगा, और ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से आतंकियों के नौ ठिकाने ध्वस्त कर दिये गये।भाजपा अध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर के चिनाब पुल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पुल का शिलान्यास 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के समय में हुआ था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे 'इस परियोजना को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना' घोषित किया और श्री मोदी ने इस परियोजना को पूरा किया तथा छह जून को देश को समर्पित किया।उन्होंने कहा, समस्याओं को टालते रहना इस सरकार की न नीति रही और न रीति रही। सरकार ने समाज के सभी वर्गों की चिंता करते हुए कोशिश की है कि उनके जीवन में सुधार हो और आज हम पूरी ताकत के साथ विकसित भारत की ओर छलांग लेने को तैयार हैं।उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में हमने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों की चिंता की है। उनके लिए अलग-अलग नीतियां, अलग-अलग कार्यक्रम और स्कॉलरशिप देने का काम किया है।

मोदी का 11 वर्ष का...

उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, भारत आज अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा करने के संकल्प पर पूरी तरह से सुसज्जित, आश्वस्त और अडिग है।

रक्षा मंत्री ने पिछले दशक के व्यापक प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा, सेवा के ये 11 वर्ष हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने की कहानी कह रहे हैं, जिन्होंने एक ऐसे लोकतंत्र की कल्पना की थी जो न केवल राजनीतिक हो, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रकृति का भी हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व में भारत न केवल प्रगति कर रहा है, बल्कि राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रहा है।

श्री सिंह ने इस परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने वाले प्रत्येक नागरिक को भी बधाई दी और कहा, हम एक साथ आगे बढ़ रहे हैं – मजबूत, गौरवान्वित और एकजुट। मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए रक्षा मंत्री ने उन पहलों की ओर इशारा किया जिन्होंने नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और उद्यमियों के लिए व्यापार सुगमता को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण से लेकर किसानों के कल्याण तक, प्रशासन ने समाज के हर वर्ग के उत्थान और मजबूती के लिए केंद्रित और प्रतिबद्ध प्रयास के साथ काम किया है।

रक्षा मंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत और उज्ज्वला योजना जैसी प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को ऐतिहासिक पहल बताया, जिन्होंने लाखों गरीब लोगों के लिए सम्मान, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण सुनिश्चित किया है।श्री सिंह ने कहा, इसके साथ ही राजमार्गों से लेकर रेलवे तक, स्मार्ट शहरों से लेकर डिजिटल कनेक्टिविटी तक भौतिक बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर विस्तार और स्वास्थ्य सेवा तथा शिक्षा में मानव संसाधनों को मजबूत कर एक नए भारत की नींव रखी गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने...

जस्टिस यादव को बुलाया गया। जस्टिस यादव ने अपने ऊपर उठे विवाद को लेकर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिख कर अपना जवाब दिया था। इस पत्र में जस्टिस यादव ने अपने संबोधन को नियमों के अनुसार बताया और इसे न्यायिक मर्यादा का उल्लंघन मानने से साफ इनकार कर दिया।

'ऑपरेशन विजय' के...

सेना कर्मियों की एक टीम सेना की ओर से आभार पत्र, एक स्मृति चिन्ह, विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार एजेंसियों द्वारा अधिकृत लाभों का विवरण लेकर 25 राज्यों, दो केंद्र शासित प्रदेशों तथा नेपाल का दौरा करेगी और युद्ध नायकों के परिवारों से बातचीत कर उनकी किसी भी समस्या के बारे में पूछताछ करेगी।

सेना शहीदों के परिवारों की सहायता के साथ-साथ इस अवसर का इस्तेमाल निकटतम परिजनों की शिकायतों को दूर करने के लिए भी करेगी। सेना विरासत को संरक्षित करने के लिए यादगार चीजें भी एकत्र करेगी और इन्हें कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास में सम्मानजनक स्थान देगी। ये कार्यक्रम 26 जुलाई को करगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के साथ समाप्त होंगे, जो देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुरों के सम्मान और आदर का प्रतीक है। डेढ महीने से भी अधिक समय तक चलने वाला यह स्मरणोत्सव न केवल अतीत का सम्मान करेगा, बल्कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों को सेवा तथा बलिदान के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित भी करेगा।

देश में हर वर्ष 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है जो राष्ट्र के दिल में गौरव और गंभीर यादों के साथ अंकित है। वर्ष 1999 में इसी दिन भारत ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ कर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण करगिल की चोटियों को उनके कब्जे से छुड़ा कर ऑपरेशन विजय को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

करगिल युद्ध मजबूत राजनीतिक, सैन्य और कूटनीतिक कार्रवाइयों की गाथा है। इस युद्ध को हमेशा रणनीतिक और सामरिक स्तर पर हासिल सफलताओं के लिए याद किया जाएगा, साथ ही युद्ध को कारगिल-सियाचिन सेक्टरों तक सीमित रखने के लिए सेना के संयम की राष्ट्रीय रणनीति और तेजी से क्रियान्वित की गई तीनों सेनाओं की सैन्य रणनीति के लिए भी याद किया जाएगा। राष्ट्र कई चुनौतियों के बावजूद भारतीय सेना के सैनिकों द्वारा दिखाए गए दृढ़ संकल्प, वीरता और अद्वितीय बहादुरी को भी कभी नहीं भूलेगा।

इस वर्ष स्मरणोत्सव में स्थानीय समुदायों को शामिल करने और युद्ध के नायकों की यादों को समाहित करने के उद्देश्य से युद्ध के महत्वपूर्ण ऑपरेशन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। ये कार्यक्रम पश्चिमी लद्दाख के बीहड़ और कठोर इलाकों में भारतीय सेना की देशभक्ति, साहसिक और सांस्कृतिक भावना को दर्शाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से डिजाइन किए गए हैं।

सात दशक...

बल्कि दोनों कानून साथ-साथ लागू हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा था कि संसद द्वारा कानून पारित किया जाना यह दर्शाता है कि बांग्लादेश से असम में प्रवासियों का भारी प्रवाह हमेशा से चिंता का कारण रहा है।

गौर करने वाली बात यह है कि पश्चिमी सीमा से पाकिस्तान से आने वाले लोगों के लिए बना कानून 'आवागमन नियंत्रण अधिनियम, 1952' को जनवरी 1952 में खत्म कर दिया गया था। लेकिन पूर्वी सीमा के लिए बनाया गया कानून अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 आज भी लागू है। यह सिर्फ असम में लागू होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यह कानून इसलिए बनाया गया था क्योंकि विदेशी अधिनियम में पाकिस्तान से आए लोगों को शामिल नहीं किया गया था, इसलिए इनके लिए अलग से नियम की जरूरत थी।इस कानून के अनुसार, अगर केंद्र सरकार को लगता है कि असम में बाहर से आया कोई व्यक्ति आम जनता या वहाँ की किसी अनुसूचित जनजाति के लिए नुकसानदायक है, तो सरकार उसे असम छोड़ने का आदेश दे सकती है और उसे बाहर निकाल सकती है।यह अधिकार केंद्र सरकार के पास है। केंद्र सरकार इस शक्ति को अपने अधिकारियों या असम, मेघालय और नागालैंड की राज्य सरकारों के अधिकारियों को भी दे सकती है।

कई यात्रियों के...

दुर्घटना के कारणों की जांच फिलहाल चल रही है। दुर्घटना ने प्रभावित मार्ग पर लोकल ट्रेन सेवाओं को बाधित कर दिया है। बचाव प्रयास जारी रहने के कारण आगे के विवरण की प्रतीक्षा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं मृतकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन जमीन पर प्रयासों का समन्वय कर रहा है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। रेलवे विभाग ने घटना का सही कारण निर्धारित करने के लिए जांच शुरू कर दी है।

एक देश ...

लोकसभा के साथ सरेखित करने के लिए कम कर दिया जाएगा। इससे लोकसभा का पांच साल का कार्यकाल समाप्त होने पर एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान होगा। विधेयक में यह भी प्रावधान है कि यदि सरकार पांच साल के कार्यकाल से पहले गिर जाती है, तो शेष अवधि के लिए चुनाव कराए जाएंगे।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि अगर लोकसभा या विधानसभा चुनाव में त्रिशंकु जनादेश आता है या केंद्र या राज्य सरकार गिर जाती है तो क्या होगा। इसको लेकर पीपी चौधरी ने कहा कि संविधान में अभी भी अविश्वास प्रस्ताव का उल्लेख नहीं है; यह लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 198 द्वारा शासित है। हम स्थिरता के लिए कुछ प्रावधान ला सकते हैं। हम संविधान में नए प्रावधानों की सिफारिश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि समिति इस मुद्दे पर विचार-विमर्श कर सकती है और इस पर संसद को फैसला करना है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 10 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अभिमन्यु के जीवन पर आधारित चक्रव्यूह नाटक का मंचन सम्पन्न

हैदराबाद, 09 जून (एजेंसियां)। महाभारत के सबसे चर्चित पात्र अभिमन्यु के जीवन पर आधारित चक्रव्यूह नाटक के मंचन हाईटेक सिटी स्थित शिल्पकला वेदिका में सम्पन्न हुआ। लगभग तीन दशकों से टेलीविजन, फिल्म और नाटकों में भगवान श्रीकृष्ण पात्र को अभिनीत कर रहे डॉ. नीतीश भारद्वाज ने नाटक के समापन पर कहा कि जीवन एक चक्रव्यूह है, सद्कर्मों से ही इसे तोड़ा जा सकता है। बीते लगभग 15 वर्षों से देश के विभिन्न शहरों में मंचित किया जा रहा अतुल सत्य कौशिक द्वारा लिखित-निर्देशित चक्रव्यूह नाटक को हैदराबाद में दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद मिला।नाटक में नीतीश भारद्वाज के मंझे हुए अभिनय एवं संवाद प्रस्तुति ने सबका दिल भा लिया। उक्त नाटक में दर्शाया गया कि चक्रव्यूह केवल एक युद्ध शिल्प तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन दर्शन के स्तर को समझने को बाध्य करता है।

नाटक में कुरुक्षेत्र की रक्त-रंजित धरती को सम्बोधित करते हुए योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा कि आने वाले युगों में कुरुक्षेत्र की धरती को उन सभी अनुत्तरित प्रश्नों का उत्तर देना होगा, जो भावी पीढ़ियाँ उनसे पूछने वाली हैं। अपनी माता के गर्भ में ही चक्रव्यूह भेदने का अधूरा ज्ञान सीखने वाले अभिमन्यु के चक्रव्यूह में फँसकर युद्ध नियमों के विपरीत वार से वीरगति को प्राप्त होने पर पांडव पक्ष का शोक बेहद मार्मिक ढंग से दर्शाया गया। नाटक में उत्तरा, अर्जुन, द्रौपदी और अन्य परिजनों के मन में श्रीकृष्ण से पूछे जाने वाले

सवालों और अंततः श्रीकृष्ण का शाश्वत संदेश कहना कि कोई भी अपने कर्मों में रचे गए स्वयं के चक्रव्यूह से कभी मुक्त नहीं हो सकता है। हमारा सम्पूर्ण जीवन इस चक्रव्यूह के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। हमें अपने सतकर्मों से जीवन रूपी चक्रव्यूह में को भेदकर विजयी होकर बाहर निकलना पड़ता है पर लोगों ने जमकर तालियाँ बजाई।

नाटक के बाद डॉ. नीतीश भारद्वाज ने नाटक रसिकों को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना की धरती पर एन.टी. रामाराव ने कृष्ण की भूमिका को काफी लोकप्रिय बनाया था। उसी धरती पर इस पात्र को प्रस्तुत करते हुए उन्हें खुशी का अनुभव हो रहा है। उल्लेखनीय है कि अभिमन्यु के किरदार में साहिल छाबड़ा ने अमिट छाप छोड़ी। अन्य कलाकारों में भानु राणा, दिगंत शर्मा, मनमीत सिंह, गौरव शर्मा, लतिका जैन, सुष्मिता मेहता एवं अन्य ने भाग लिया। नाटक शो का उद्घाटन आरएनएच के संयोजक मुकेश अग्रवाल एवं रेशमा ने किया। इस अवसर पर एसबीआई एवं एलआईसी के अधिकारी उप-स्थित थे। नाटक के श्रोताओं में बड़ी संख्या में शहर के हिन्दी भाषी, सरकार के अधिकारी एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के सदस्य मौजूद थे।

मांगीलाल देवकिशन लोया, जेड़चर्ला निवासी द्वारा आयोजित नानीबाई का मायरा में पंडित पवन कुमार मालोदिया ने भक्तों को कथा का रसपान कराया। अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर बियाणी, राधेश्याम लोया, देवकिशन लोया, बृजगोपाल लोया, प्यारेलाल लोया, राकेश असावा, रामदेव राठी, दुर्गा बियानी, निशा लोया व अन्य उपस्थित थे।

ध्यान फाउण्डेशन गौशाला द्वारा 1 से 7 जुलाई तक अत्तापुर स्थित एसएनसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किये जाने वाले श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के प्रचारार्थ बैनर का विमोचन एम्बीयंस फोर्ट, अत्तापुर में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रीगोपाल डोडिया, रीना डोडिया, कलावती विजयवर्गीय, श्रवण कुमार विजयवर्गीय, चंद्रकला राठी, हरिनारायण राठी, केडिया जी, अग्रवाल साब, ओमप्रकाश अग्रवाल,दीपक विजयवर्गीय (ध्यान फाउंडेशन), प्रेमलता अग्रवाल, सीमा विजयवर्गीय, सूर्यकांता मोदानी,प्रेमलता विजयवर्गीय, पुष्पा देवी, विद्या गोयल, मंजू खंडेलिया, कृष्णा अग्रवाल, नमिता अग्रवाल,बिमला अग्रवाल, राकेश गोलस, अनिल अग्रवाल, लोकनाथ मारू, दीपक विजयवर्गीय एम्बीयंस फोर्ट एवं अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के मछली प्रसाद शिविर में सांसद बंसल ने भाग लिया

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अगतवाल समाज तेलंगाना द्वारा नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में मछली प्रसादम के रोगियों के लिए शिविर लगाया गया। जिसमें देश भर से लाखों लोगों ने भोजन का लाभ उठाया। उक्त शिविर में भाजपा के राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने भी प्रसाद ग्रहण किया और भोजन वितरण में अपनी सेवा प्रदान की । इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष ने एक रुपया एक ईंट का स्मृति चिन्ह भेंट कर नरेशजी का सम्मान किया । इस अवसर पर अग्रवाल समाज से निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री कपूर चंद, परामर्शदाता अनिरुद्ध गुप्ता, रूपेश अग्रवाल, अशोक बंसल, शिव भालवाले, अनिल पटवारी, विनय जैन, शशिकांत अग्रवाल, धीरज खैतान, आरती अग्रवाल, राकेश पचेरिया, योगेश जैन आदि उपस्थित थे।

अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन द्वारा किया गया

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना द्वारा हैदरगुड़ा स्थित बीकानेरवाला में, उत्तराखंड देहरादून से पधारे राज्यसभा सांसद नरेश बंसल का भव्य स्वागत किया गया।

सर्वप्रथम भगवान श्री अग्रसेनजी की पूजा अर्चना की गई, तत्पश्चाप आभास तेलंगाना के अध्यक्ष योगेश जैन ने सांसद नरेश बंसल एवं कार्यक्रम में पधारे हुए सभी गणमान व्यक्तियों, आभास के दानदाताओं एवं सहयोगियों का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि श्री बंसल हैदराबाद में अपने महत्वपूर्ण कार्य के लिए पधारे थे, और हमारे निवेदन पर अपना अमूल्य समय हम को, अपने समाज को दिया इसके लिए हम उनके विशेष आभारी है।मंच संचालन करते हुए राष्ट्रीय सह-प्रवक्ता अशोक बंसल ने बताया कि सभी को हमारी पित्र भूमि अग्रोहा धाम एक बार जरूर जाना चाहिए। राष्ट्रीय सह-संघटन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल ने आभास तेलंगाना द्वारा समाज की एकता एवं सेवा के लिए किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी।

आभास के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल ने नरेश बंसल का परिचय देते हुए बताया के श्री बंसल सरल स्वभाव के हैं और भारतीय जनता पार्टी के बड़े जिम्मेदार सिपाही हैं। ये उत्तराखंड, देहरादून से सांसद है और पार्टी के विश्वसनीय सदस्य होने के नाते इन्हें सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी के साथ श्रम, वस्त्र और कौशल विभाग की अस्थाई समिति का सदस्य बनाया गया। ये राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंच, भारतीय वन्यजीव संस्थान, रक्षा संबंधी अस्थाई समिति, सहकारिता मंत्रालय के परामर्शदाता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (विजय पूर, जम्मू कश्मीर) और खासकर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय सम्माननीय सदस्य हैं। श्री बंसल के कार्यकाल में देव भूमि हरिद्वार, केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमनोत्री मार्गो के निर्माण के काफी कुछ काम किया गया। इन्होंने उत्तर भारत में भाजपा के लिए भगवा फैलाने में पुरजोर पकड़ बनाए।

आभास के अध्यक्ष योगेश जैन, मंत्री विनय जैन द्वारा श्री बंसल का शॉल एवं पुष्पमाला से सम्मान किया गया।सांसद नरेश बंसल ने अपने संबोधन में बताया कि वे देवनगरी, चारो धाम से सभी के लिए आशीर्वाद लेकर आए हैं और आगे बताया के अध्यक्ष तो किसी को भी बनाया जा सकता है, किन्तु कोषाध्यक्ष केवल एक भरोसेमंद व्यक्ति को ही बनाया जाता है, जो जिम्मेदारी भाजपा ने उन्हें सौंपी है। महालक्ष्मी का आशीर्वाद अग्रवालों पर है क्योंकि वे आस्था का कार्य कर सभी समाज के सेवा में जुटे रहते हैं।उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि शशिकांत अग्रवाल ने मुझ से संपर्क कर इस सभा का आयोजन किया जिससे मुझे आपसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री बंसल ने अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना का आभार प्रकट किया।

श्री बंसल ने बताया कि जो अच्छा बिषय होता है उसकी समाज में से आवाज आनी चाहिए, प्रजातंत्र है, लोकतंत्र है, समाज में से आवाज उठेगी तो उसको किया जाएगा तो अपनी बात मनवाने के लिए संगठित होना, संघर्ष शुरू करना यह आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अग्रवाल संख्या में कम हो सकते हैं, लेकिन जिस प्रकार के हमारे काम हैं, हमारे समाज का कोई चार्टेड अकॉउंटेंट है तो हज़ारों लोग उसके संपर्क में आते हैं। डॉक्टर है, तो हज़ारों लोगों की सेवा करता है वकील है, व्यापारी है, व्यवसाय है। हजारों लोगों के साथ संपर्क होता है। हमारा समाज राष्ट्रवादी समाज है, यह बात कहते हुए मुझे और गर्व होता है।

श्री बंसल ने कहा कि जब मैं इतिहास का अध्ययन करता हूँ, इतिहास को देखता हूँ तो इस देश में तलवार के बल पर बहुत बड़ा धर्म परिवर्तन हुआ है, लेकिन मुझे एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं मिलता जो वैश्य समाज के व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन किया। हमारा राष्ट्रवादी समाज है, भामाशाह जैसे लोग हुए हैं जिन्हें राष्ट्र के लिए अपनी सब कुछ न्योछावर कर दिया। हमारे समाज में टोडरमल जैसे लोग हुए हैं। हम नेशन फर्स्ट मानने वाले लोग हैं, राष्ट्र प्रथम मानने वाले लोग हैं, इसलिए संगठित होने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि 11 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी, 8 जून को जो आज की तिथि है। 11 वर्ष में आप सबने देखा है कितना परिवर्तन आया? देश के अंदर जब परिवर्तन होगा, देश के व्यक्ति की आर्थिकी बढ़ेगी। हम 11 वर्षों के अंदर आर्थिक दृष्टि से ग्यारहवें स्थान से प्रगति करते करते आज चौथे स्थान पर आ गए हैं। अमृत काल में तो हमने उस ब्रिटेन को पीछे धकेला, पांचवें नंबर पर जब आये जिसने हम पर 200 साल तक राज्य किया। उन्होंने ने बताया कि आज के समाचार पत्र में वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट छपी है के भारत में 11 वर्षों में 27 सौ करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। 27.1% लोग गरीबी की रेखा के लोग थे, जो अभी 5.3% रह गए। इतनी बड़ी प्रगति की हमने छलांग लगाई जो 75 वर्षों में नहीं हुआ।

श्री बंसल ने कहा कि हम जब प्रगति करते हैं तो हमारा बनाया हुआ सामान की बाजार में डिमांड होती है। पंचकरण का मोदी जी ने लाल किले से घोषणा की, विरासत भी और प्रगति भी। हमारी सांस्कृतिक विरासत में पहली बार एक प्रधानमंत्री आया जो पशुपतिनाथ में, केदारनाथ में जाता है और डंके की चोट पर कहता है, मुझे स्कूलीरिजम का कोई शौक नहीं है, मैं हिंदू हूँ, भारतीय हूँ, केदारनाथ मंदिर में जाता हूँ।

श्री बंसल ने कहा कि राजशाही पद्धति पर राजपथ नाम था, हमने उसको कर्तव्य पथ में बदला है। बहुत सारे लोग कहते हैं नाम बदलने से क्या होता है? नाम बदलने से बहुत कुछ होता है। जब मेरा नाम नरेश कोई बोलता हैं तो मैं राष्ट्रभक्त हूँ, हिंदू समाज का हूँ, भारत का हूँ और जब नसरिद्दीन हो जाता हूँ तो मेरी राष्ट्रीयता बदल जाती है। नाम का बहुत प्रभाव पड़ता है। हमने इलाहाबाद को प्रयागराज में बदला, हमने देखा प्रयाग का कुंभ कितना बड़ा? आप सब गए होंगे जिसमें से 65 करोड़ लोग, एक स्थान पर आकर जीस संस्कृति को जिसपे कोई निमंत्रण पत्र नहीं देया गया, कोई कार्ड नहीं छपवाता अपने आप लोग जाते हैं। यह भारतीय संस्कृति का अद्भुत प्रकटीकरण होता है। इसको हमने देखा।

श्री बंसल ने कहा कि अभी ऑपरेशन सिंदूर मेंभारत की रक्षा ताकत को भी देखा है। किस प्रकार से घर में घुसकर मारा? हमने चार एयर स्ट्राइक की, सर्जिकल स्ट्राइक की। और अबकी बार तो हमने उनके नुक्लेअर जो स्टॉक था उनका वहाँ तक भी स्ट्राइक करके दिखाई है। ऑपरेशन सिंदूर ने मातम बहनों के सिंदूर की रक्षा भारत कर सकता है, ये विश्वास पैदा किया है। हमारी बेटियां आगे बढ़ी है।

सोफिया कुरैशी, विविका सिंह उसने इसको कमांड किया है।उन्होंने कहा कि मैं रक्षा संबंधी स्थायी समिति का सदस्य हूँ। मैं हैदराबाद के भारत डायमैक्स लिमिटेड देखने के लिए गया था। वहाँ पर देखा ब्रह्मोस मिसाइल किस प्रकार से 82% पूरी तरह स्वदेशी है।आज हम मेक इन इंडिया के अंतर्गत भारत की, भारत के विज्ञान को, भारत के टैलेंट को, भारत के बच्चों के टैलेंट को, जीस प्रकार से अवसर मिल रहा है। वह भारत विश्व की एक अपराजित शक्ति के रूप में खड़ा हो रहा है। मैं यह विश्वासपूर्वक कह सकता हूँ।श्री बंसल ने कहा कि हर हफ्ते एक वंदे भारत ट्रेन लॉन्च हुई है। आज 17 देश हमारी वंदे भारत ट्रेन को मांग रहे हैं। 13 देशों में हमारी मेट्रो चल रही है। हमारी चारों ओर प्रगति हो रही है, अच्छा अवसर है, अच्छा भविष्य है। आवश्यकता राष्ट्रवाद को सामने रखते हुए, राष्ट्र प्रथम को रखते हुए सब को एक साथ लेकर चलने का। आप सब से थोड़े से समय में मिलने का मुझे जो अवसर मिला उसके लिए अपने को सौभाग्यशाली मानता हूँ और आभास का आभार प्रकट करता किया।इस अवसर पर विभिन्न संस्थाएं एवं सदस्यों द्वारा श्री बंसल का सम्मान किया गया। मंत्री विनय जैन के आभार के बाद सह अल्पाहार के साथ सभा का समापन हुआ।कार्यक्रम में आभास के दानदाता एवं सहयोगियों के साथ कोषाध्यक्ष विनोद जैन, उपाध्यक्ष शिव कुमार भलवाले, सह मंत्री अनिल पटवारी, युवा अध्यक्ष तरुण तुलस्यान, युवा मंत्री रिंकू अग्रवाल, महिला अध्यक्ष निर्मला संघी, मंत्री रेखा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रजनी बंसल, चेयरमैन रिंकू गर्ग,ऋतु जैन, आशीष अग्रवाल, पंकज मित्तल, राजिंदर अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल आत्मगौरव भवन, शत्रुघ्न अग्रवाल आजीवन ट्रस्टी, आलोक भालोठिया रूम डोनर बजरंगलाल भलवाले रूम डोनर, प्रतापनारायण संघी, सतीश अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, राजिंदर भलवाले ट्रस्टी, राजेश बाजारी, भाजपा कार्यकर्ता सतीश अग्रवाल, मेघा रानी अग्रवाल, उमेश अग्रवाल उमा महेंद्र, श्यामसुंदर एवं कई गणमान्य उपस्थित थे।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के रक्षा उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मिधानि के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए दि. 09.06.2025 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला संपन्न हुई। यह कार्यशाला मिधानि ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार,के दिशानिर्देशों के अनुसरण में आयोजित किया था जो तीन सत्रों में संचालित हुई। कार्यशाला के आरंभ में डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि ने कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत किया और हिंदी कार्यशाला के आयोजन की अनिवार्यता तथा उद्देश्य को करते हुए कार्यशाला के सत्रों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में राजभाषा नीति, राजभाषा कार्यान्वयन में कंप्यूटर की भूमिका, कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स सहित प्रशासनिक शब्दावली जैसे विषयों पर व्याख्यान होंगे। उन्होंने प्रथम सत्र में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरा सत्र का विषय कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली था। इस विषय पर हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के सहायक निदेशक (से.नि.) मु. कमालुद्दीन ने रोचक व्याख्यान दिया। विभिन्न प्रशासनिक शब्दावली के निर्माण पर चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशासनिक शब्दों की उत्पत्ति की जानकारी देते हुए उसके अनुप्रोयग के विभिन्न संदर्भों से परिचित कराया। साथ ही, प्रशासनिक शब्दावली के प्रयोग का अभ्यास भी कराया।

तृतीय सत्र में आईआरडीएआई के हिंदी अधिकारी रवि रंजन ने कार्यालय में राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन क्यों और कैसे? विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान राजभाषा नीति से संबंधित राजभाषा अधिनियम, 1963 की धाराओं व राजभाषा नियम 1976 के अंतर्गत बने नियमों के संबंध में सारगर्भित चर्चा की। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने रेखांकित किया कि भारत सरकार के कार्यालयों में राजभाषा के कार्यान्वयन का दायित्व उन सभी कर्मचारियों पर है विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हैं। उन्होंने बड़े ही रोचक ढंग से राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों की भूमिका को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के कर्मचारी के सहयोग के बिना राजभाषा कार्यान्वयन सुचारु रूप से नहीं हो सकता है। इसीलिए राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका की अपेक्षा की जाती है। रवि रंजन ने कर्मचारी को अपने दैनिक कामकाज में राजभाषा के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी. वी. रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (एनयूएस), श्री विकास कुमार आज़ाद और डाक अनुभाग के कर्मी श्री जयपाल का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों द्वारा राजभाषा में कार्य करने हेतु शपथ से हुआ।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर – सतीश गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, ई–जगन (चंपा पेट), महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, रोहित अग्रवाल, संजय गोयल,किरण गोयल, गोपाल गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भगतराम गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के विभिन्न शाखाओं ने अपने–अपने स्तर पर देश भर से मछली प्रसाद ग्रहण करने हैदराबाद आए बंधुओं के लिए भोजन, ठहरने की व्यवस्था की गई। बाहर से आए यात्रियों के लिए दुर्गाप्रसाद बंसल के नेतृत्व में अग्रवाल समाज बोइनपली शाखा, रामकिशन अग्रवाल के नेतृत्व में शा–हअलीबंडा शाखा, हरिकिशन सोंथेलिया के नेतृत्व में दिलसुख़नगर शाखा, धीरज खैतान,लक्ष्मी नारायण, शाम गोयंका के नेतृत्व में सिकंदराबाद पैराडाइस शाखा ने सेवायें प्रदान की ।

काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर नव स्थापित प्रकाश व्यवस्था के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल।

कवि अनुराग अग्रवाल के सम्मान में अभिनंदन समारोह कल

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद नगरद्वय के कवियों की 44 वर्षीय सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी, गोलकोण्डा दर्पण विचार मंच, हिस्सा आंदोलन एवं सीलकोड्स संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में बुधवार, 11 जून को सायं ठीक 6 बजे से फ़र्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) के लब्ध प्रतिष्ठित समाज सेवी व कवि श्री अनुराग अग्रवाल के सम्मान में पूर्णिमा कवि सम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन संपन्न होगा। पूर्व न्यायाधीश श्री ठाकुर गोपाल सिंह मुख्य अतिथि होंगे। हिंदी और उर्दू के कवि श्री अंजनी कुमार गोयल, प्रकाशक व हिंदी सेवी श्री श्रुतिकांत भारती, उर्दू शायर जनाब सलाहुदीन नैयर, उत्तर प्रदेश स्काउट एवं गाइड के उपायुक्त डॉ. संदीप कुमार चतुर्वेदी, समाज सेवी श्री आशीष भारद्वाज

(मथुरा) आदि की गरिमामयी उपस्थिति मंच पर रहेगी। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय कार्यक्रम का संचालन करेंगे और संस्था की गतिविधियों से अवगत करायेंगे। कार्यक्रम के संयोजक कवि श्री विद्या प्रकाश कुरील सम्मान–पत्र का वाचन करेंगे। कार्यक्रम की संयोजिका व कवयित्री रत्नकला मिश्र स्वागत भाषण देंगी।

कवि गोविंद अक्षय और कवि विद्या प्रकाश के अनुसार इस अवसर पर सर्वश्री बंदरप्पा, सुशील बूदिया, इंद्रनील दास, डॉ. अमर, लिंगायत सोमशेखर पाटिल आदि बतौर कार्यक्रम का गौरव बढ़ायेंगे। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कविगण देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य–व्यंग्य की कविताओं का पाठ करेंगे। गीत चाँदनी की संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव की ओर से किसी एक कवि को प्रोत्साहन स्वरूप 1100/– रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

विज्ञप्ति में गीत चाँदनी और सम्बद्ध संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सभी कवियों और हिंदी प्रेमी श्रोताओं से कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित करने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम के आरंभ में कवि विद्या प्रकाश कुरील की ओर से जलपान की व्यवस्था रहेगी।

साहित्य सेवा समिति की 124वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साहित्य सेवा समिति की 124वीं मासिक गोष्ठी का सफल आयोजन ऑनलाइन गूगल मीट पर उमेश चंद यादव की तकनीकी सहायता से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य सेवा समिति के अध्यक्ष, संस्थापक डीके गोयल द्वारा की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन गीता अग्रवाल द्वारा किया गया। गोष्ठी दो सत्रों में संचालित की गई। प्रथम सत्र में विषय चर्चा द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सुधा ठाकुर द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई ।तत्पश्चात स्वागत भाषण डॉ. दया कृष्ण गोयल ने दिया । शुभ्रता निगम ने प्रस्तुत विषय सोशल मीडिया में पैदा होते जयचंद और उसका देश की सुरक्षा को खतरा पर विषय परिचय दिया, तत्पश्चात अभिजीत पाठक ने विषय पर सिंहावलोकन करते हुए विषय के समस्त पहलुओं को वैश्विक आधार से जोड़कर भारतीय धरातल पर घटित होने वाले घटनाक्रमों को पौराणिक और आधुनिक प्रसंगों से जोड़ते हुए विषय के साथ पूर्ण न्याय किया। इसी विषय क्रम में गंगाधर वाणोदे, सुनीता लुल्ला, सत्य प्रसन्न, ममता जायसवाल, गीता अग्रवाल, जी परमेश्वर , दर्शन सिंह, सुधा ठाकुर, राजेंद्र रुंगटा आदि ने अपने विचार रखें। सभी साहित्यकारों के मन में देश सुरक्षा के प्रति निष्ठा और साजिश कारो के लिए असीम क्रोध और संविधान में कानून के द्वारा सोशल मीडिया के प्रयोग पर कुछ अंकुश की मांग की गई। प्रथम सत्र में तृप्ति मिश्रा की उपस्थिति भी दर्ज की गई।

संचालन कर्ता गीता अग्रवाल ने द्वितीय सत्र का भी संचालन प्रारंभ करते हुए काव्य गोष्ठी की सुंदरता को बढाया। जिसमें कविवर सी.पी.दायमा सत्य प्रसन्न, अभिजीत पाठक ,दर्शन सिंह उमेश श्रीवास्तव नवांकुर , जी परमेश्वर, राजेंद्र रुंगटा, उमेश चंद यादव, सुनीता लुल्ला, डॉ अर्चना पांडे ,ममता जायसवाल, गीता अग्रवाल, सुधा ठाकुर, रंजीता पांडे, वर्षा शर्मा आदि कवियों ने गीत ,गजल, कविता ,कुंडलियां, नवगीत आदि विविध विविधताओं का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया । पूर्व महामंत्री, पटल प्रभारी वरिष्ठतम सदस्य (साहित्य सेवा समिति) सुनीता लुल्ला ने अध्यक्षीय टिप्पणी सहित धन्यवाद ज्ञापन दिया।

नि:शुल्क आयुर्वेद अस्थमा चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आयुर्वेदा सर्विसेज (रजि.) द्वारा मृगशिरा नक्षत्र के अवसर पर डॉ. एम.पी. शर्मा एवं डॉ. राजेंद्र दाधीच के नेतृत्व में 40 वा नि: शुल्क अस्थमा चिकित्सा शिविर का आयोजन गांधी ज्ञान मंदिर, कोठी में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित विशाल तिवारी ने भगवान धन्वन्तरी पूजन वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन आदि के साथ संपन्न करवाया।शिविर में काशी से पधारे महंत श्री निर्मल स्वरूप जी महाराज को सम्मानित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।इस शिविर में सहयोगी संस्था विप्र फाउंडेशन तेलंगाना जोन–16 अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, मंत्री रामदेव नागला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास,राष्ट्र महा सचिव भगवान व्यास,हैदराबाद के अध्यक्ष भरत चंदा, सयोजक व हैदराबाद महा सचिव प्रदीप चोटिया तेलंगाना पूर्व राष्ट्रपति शिवसागर त्रिवेदी, पूर्व मंत्री महेश अवस्थी, ने भाग लिया ।समाज सेवी रमेश भाटी, उपेंद्र यादव, उमेश सांखला अर्जुन थानवी सागर चंदा संदीप जायलवाल सुरेश गांधी श्रीलाल पारीक गोविंद माडी सत्य प्रकाश दाधीच अरविंद नारायणिया ने भी भाग लियाशिविर में डॉ. राज शर्मा, डॉ. श्यामसुंदर तिवारी, डॉ. घीसूलाल जैन द्वारा सेवा प्रदान की गई।इस दौरान आदित्य शर्मा, अजय लूणावत, रमेश पटेल, सरला शर्मा, प्रीति दाधीच, जयश्री कड़ाकिया, पवन दाधीच, दीपक दाधीच, निधि शर्मा, विपुल दाधीच, प्रेम साई, नकुल दाधीच, निदिशा दाधीच, कौशिक अग्रवाल, मधु शर्मा, रमेश अग्रवाल, मोहिनी अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे।

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लि. क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद द्वारा वरिष्ठ व्यवसाय प्रबंधकों, व्यवसाय प्रबंधकों एवं विभाग प्रमुखों हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उदघाटन सी एल गिरिधर, उप महा प्रबन्धक ने दीप प्रज्वलित करके किया।

श्री गिरिधर ने सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया के वे अपना दैनिक प्रशासनिक कार्य हिंदी मे करें। उन्होने कहा की राजभाषा का सम्मान राष्ट्र का सम्मान है। हमें हिंदी मे कार्य करके गर्व की अनुभूति होनी चाहिए। अवसर पर श्री एस वी कृष्णा राव क्षेत्रीय प्रबन्धक, श्री विष्णु वर्धन क्षेत्रीय प्रबन्धक, श्री टी टी वी रमन, क्षेत्रीय प्रबन्धक श्रीमति वेंकट लक्ष्मम्मा क्षेत्रीय प्रबन्धक एवं श्रीमति संध्या जगन्नाथन, क्षेत्रीय प्रबन्धक ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए तथा सभी से इस कार्यशाला से लाभ उठाने एवं हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की।

कार्यशाला मे भारत सरकार की राजभाषा नीति, संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण संबंधी प्रश्नावली . हिंदी व्याकरण एवं प्रयोजनमूलक हिंदी पर श्री प्रदीप कुमार चांगभले, प्रबन्धक (सेवा निवृत) ओरिएण्टल इंश्योरेंस ने व्याख्यान दिया ।

सुनील कुमार राजभाषा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों के साथ राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की तथा राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक गति प्रदान करने का अनुरोध किया । सुनील कुमार ने सभी से अभ्यास कराया। कार्यशाला का सफल संचालन श्री सुनील कुमार, राजभाषा अधिकारी ने किया। श्री पी रमेश उप प्रबन्धक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एमबीए में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाली सत्यनारायण नंदकिशोर अग्रवाल सूरजगढ़ की सुपुत्रि अदिति अग्रवाल का सम्मान करते हुए अग्रवाल समाज के पदाधिकारी।

नगर में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तराखंड देहरादून से पधारे राज्यसभा सांसद नरेश बंसल का भव्य स्वागत करते हुए राधे राधे ग्रुप के सतीश गुप्ता एवं अन्य।

Daily शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, M.LAKSHMI Spouse of No.15323222M, Rank: HAV, Name MADHIRA VENKATESWARA REDDY R/O. Chagantivaripalem, Muppalla, Guntur/Palnadu District Pin No.522408 have change my name from M.LAKSHMI to MADHIRA LAKSHMI, vide AffDt: 09-06-2025 Notary By: MOHD HAMEED KHAN, ADVOCATE.

CHANGE OF NAME & DOB

I, K RAGHAVAN Father of Service No. 15167175W Hav (OPR) AJESH KP, R/o.Vill;Kadannappally, P.O:Mandoor, Teh:Kannur, Dist:Kannur, Kerala-670501 have changed my name and DOB from K RAGHAVAN, DOB:01-07-1948 to RAGHAVAN, DOB:01-01-1950 vide affidavit dt:09-06-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, K P LAKSHMIKUTTY Mother of Service No. 15167175W Hav (OPR) AJESH KP, R/o. Vill:Kadannappally, P.O:Mandoor, Teh:Kannur, Dist:Kannur, Kerala-670501 have changed my name and DOB from K P LAKSHMIKUTTY, DOB: 01-07-1957 to LEKSHMIKUTTY K P, DOB:01-01-1957 vide affidavit dt:09-06-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary,

पार्टी नेता शांत करने के लिए मैदान में उतरे जिला कांग्रेस में असमंजस

कैडर दो भागों में विभाजित होने वाला है, हाथ की राजनीति दिलचस्प !

मंचेरियाल, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंत्रिमंडल विस्तार ने संयुक्त आदिलाबाद जिले के कांग्रेस में अराजकता पर से पर्दा हटा दिया है पीएसआर गुट शुरू से ही पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता प्रेमसागर राव की जगह चुनाव से पहले पार्टी में शामिल हुए चेन्नूर के विधायक गद्दाम विवेक को मंत्री पद दिए जाने से नाराज है।विवेक को मंत्री पद दिए जाने से यह तय लग रहा है कि संयुक्त जिले में हस्तम पार्टी कैडर दो गुटों में बंट जाएगा कल तक चल रहे आंतरिक विवाद अब अनिश्चितता की स्थिति में है कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद से ही मंचेरियाल के विधायक पीएसआर को मंत्री पद मिलने की मुहिम जोरों पर चल रही है उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क सहित कई मंत्री और वरिष्ठ नेता भी कह चुके हैं कि पीएसआर को यह पद मिलना तय है पता चला है कि हाईकमान से पहले ही उन्हें संयुक्त आदिलाबाद जिले से रेफर कर दिया गया था लेकिन चेन्नूर के विधायक के रूप में जीतने वाले विवेक वेंकटस्वामी अप्रत्याशित रूप से दौड़ में शामिल हो गए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का समर्थन मिलने के बाद उन्होंने मंत्री पद के लिए दबाव बनाया इस प्रकार दोनों विधायकों ने एक-दूसरे को मंत्री पद दिलाने के लिए गंभीर प्रयास किए इस प्रक्रिया में उन्होंने एक-दूसरे की आलोचना और प्रति-आलोचना की हाल ही में मंत्रिमंडल विस्तार में चेन्नूर विधायक विवेक के प्रति आलाकमान का झुकाव चर्चा का विषय बन गया है पीएसआर गुट के नेता आलाकमान द्वारा लिए गए फैसले पर गुस्सा जाहिर कर रहे है मंचेरियाल विधायक पीए-सआर मंत्री पद न मिलने से बेहद दुखी है वे परेशान थे और राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह से भी दूर रहे एआईसीसी तेलंगाना राज्य मामलों की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ उन्हें मनाने के लिए हैदराबाद में पीएसआर के आवास पर गए उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सामने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा भले ही मैंने मुश्किल समय में आदिलाबाद जिले में पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं को बचाया हो लेकिन पार्टी ने मेरे साथ गलत व्यवहार किया सभी पार्टियों ने पार्टी छोड़कर आए लोगों को मंत्री पद देकर कार्यकर्ताओं को गलत संदेश दिया जब रेवंत रेड्डी पीसीसी में थे तब मैंने इंद्रवेली में दलित और आदिवासी डंडोरा जनसभा आयोजित की और सफलता हासिल की मैंने भट्टी विक्रमार्क पदयात्रा को सफल बनाया और एक लाख लोगों के साथ मंचेरियल सभा आयोजित की अगर मेरे जैसे ईमानदारी से काम करने वाले नेता के साथ न्याय होता तो यह कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा होती मैंने पार्टी के लिए बहुत मेहनत की पार्टी ने मेरे साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है मंत्री पद के अलावा जब कोई दूसरा अहम पद देने की पेशकश की गई तो उन्होंने कहा मुझे कोई पद नहीं चाहिए मैं कार्यकर्ता ही रहूंगा मैं पार्टी नहीं छोड़ूंगा हालांकि पीएसआर के करीबी लोग हाईकमान द्वारा लिए गए इस फैसले का विरोध कर रहे है वे शिकायत कर रहे हैं कि हमारे साहब के साथ अन्याय हुआ है वे साफ कह रहे हैं कि साहब जो भी आदेश देंगे वे करने को तैयार है।

राष्ट्रीय स्तर की मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

मंचेरियाल, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिले के दो एथलीटों ने गोवा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई।

खेलो इंडिया बॉक्सिंग कोच राजेश ने कहा कि कृति अग्रवाल और उबैद खान ने रजत पदक जीता।

जहां तेलंगाना के कई एथलीटों ने पहली गोवा जूनियर पुरुष और महिला राष्ट्रीय स्तरीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लिया, वहीं मंचेरियल के दो एथलीट कृति अग्रवाल और उबैद खान ने भाग लिया और रजत पदक जीतकर उपविजेता बने। कृति अग्रवाल ने जूनियर लड़कियों के वर्ग में 50-52 किलोग्राम भार वर्ग में और उबैद खान ने जूनियर लड़कों के वर्ग में 48-50 किलोग्राम भार वर्ग में पदक जीते। जिला युवा खेल विभाग अधिकारी कीर्ति राजवीर और खेल संघों के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी।

बच्चों को स्कूल में भर्ती कराया जाना चाहिए

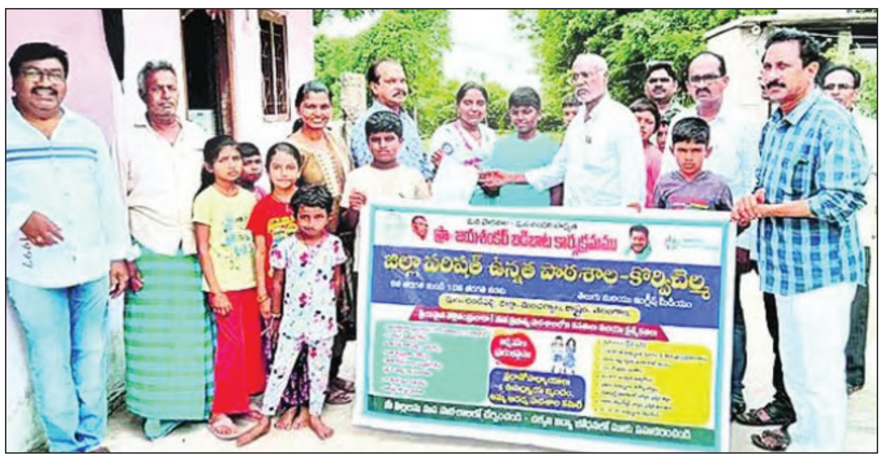

दांडेपल्ली, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला बीसी कल्याण अधिकारी पुरुषोत्तम नायक ने कहा कि सभी गरीब बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया जाना चाहिए और सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाया जाना चाहिए। उन्होंने दांडेपल्ली मंडल के कोरवी चेल्मा में आयोजित स्कूल चलो अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले लाभ और प्राप्त परिणामों के बारे में अभिभावकों को बताया जाना चाहिए। कार्यक्रम में प्रौढ़ शिक्षा डीआरपी प्रकाशम, शिक्षक जनार्दन, सुधाकर, रवि, भुमन्ना, श्रीनिवास, विजयचंदर, प्राथमिक विद्यालय एचएम पद्मा के छात्र और छात्र शामिल हुए।

मतदान केन्द्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए : सुदर्शन रेड्डी

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मतदान केन्द्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया इस महीने की 25 तारीख तक पूरी कर ली जाए। सोमवार को हैदराबाद स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कलेक्टरों, रिटर्निंग अधिकारियों, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के साथ-साथ अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक अधिकारियों के साथ मतदाता सूची संशोधन, बूथ लेवल अधिकारियों की नियुक्ति और पहचान पत्र जारी करने के मुद्दों पर समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर बोलते हुए राज्य के

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान केन्द्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1,200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों में सहायक मतदान केन्द्रों की स्थापना के लिए आवश्यक भवन, स्थान और बूथ लेवल अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया इस महीने की 25 तारीख तक पूरी कर ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए की जाने वाली प्रक्रिया पूरी की जाए तथा बूथ लेवल अधिकारियों को पहचान पत्र जारी करने का कार्य पूरा किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे, जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) डेविड तथा आसिफाबाद राजोत्सव मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने कहा कि सिरपुर एवं आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्रों में 1200 मतदाताओं वाले 30 मतदान केंद्र हैं तथा युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि 2 विधानसभा क्षेत्रों में 678 बूथ लेवल अधिकारी कार्यरत हैं तथा बूथ लेवल अधिकारियों के 68 पर्यवेक्षक कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि शेष अधिकारियों के रिक्त पदों को शीघ्र ही भरा जाएगा तथा बूथ लेवल अधिकारियों को पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जाएंगी। इस कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के अधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाए : डेविड

कुमरमभीम/ आसिफाबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड ने कहा कि जनहित कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर शीघ्र निराकरण किया जाएगा। सोमवार को आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव ने जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के मीटिंग हॉल में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए। आसिफाबाद कस्बे के बाजारू वाडी की संगीता ने आशा कार्यकर्ता के रूप में रोजगार की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। रेबेना मंडल के गोलेटी टाउनशिप की लक्करापु कलावती ने इंदिराम्मा आवास दिए जाने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। आसिफाबाद मंडल के कौटागुडा गांव के एडाम लक्ष्मण ने इंदिराम्मा आवास दिए जाने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया है, क्योंकि पिछले साल आग लगने की दुर्घटना में उनका घर नष्ट हो गया था। दहेगाम मंडल के इट्याला गांव के पुजारी बयाक्का ने अपनी खेती की जमीन के लिए पट्टा पासबुक दिए जाने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया है। बेजजुरू मंडल के बारेगुडा गांव के भीम राव ने इस संबंध में न्याय की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अन्य लोग उनके दादा के नाम पर जमीन को अवैध रूप से स्थानांतरित कर रहे हैं। कागजनगर मंडल के चिंतागुडा गांव की जोसनाभी ने इस संबंध में न्याय की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया है, जिसमें कहा गया है कि वह एक अकेली महिला है और उसे इंदिराम्मा घर दिया जा रहा है। तिरयानी मंडल के गंभीरावपेट गांव के पोल लिंगैया ने इस संबंध में न्याय की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनके नाम की जमीन को अवैध रूप से स्थानांतरित कर दिया गया है। रेबेना मंडल के कोंडापल्ली गांव के सोनुले संतोष बाबू ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया, जो डी.टी.सी.पी. की अनुमति के बिना अपने गांव में कृषि भूमि को घर के भूखंड के रूप में बेच रहे हैं। आसिफाबाद शहर के राजीव नगर के बंदरी सत्यनारायण ने अपने पिता के नाम को सही करने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि प्रजावाणी आवेदनों की फील्ड स्तर पर जांच कर उनका त्वरित समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर कदम उठाए जाएंगे।

मंचेरियाल में ओसीसी ट्रेड यूनियन चुनावों से कांग्रेस में गुटबाजी उजागर

मंचेरियाल, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के देवपुर में अडानी सीमेंट द्वारा हाल ही में अधिग्रहित ओरिएंट सीमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन के चुनावों ने कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक गुटबाजी को उजागर कर दिया है प्रबंधन परिवर्तन के कारण चुनाव में देरी हुई थी लेकिन अब उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद श्रम विभाग द्वारा चुनाव कराए जा रहे हैं इस प्रक्रिया के तहत ट्रेड यूनियन नेताओं को चुनाव कार्यक्रम तय करने के लिए बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था कांग्रेस में उम्मीदवार के चयन को लेकर खींचतान शुरू हो गई है विधायक जी विनोद जी विवेक वेदमा बोज्जू जहां कासिपेट मंडल परिषद के पूर्व अध्यक्ष पुष्कर विक्रम राव का समर्थन कर रहे हैं वही मंचेरियाल विधायक के प्रेमसागर राव अपने भाई सत्यपाल राव का समर्थन कर रहे है बंटे हुए समर्थन ने पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है और स्थानीय नेतृत्व में एकता की कमी को उजागर किया है इस प्रतिस्पर्धा में पूर्व एमएलसी और पूर्व मान्यता प्राप्त यूनियन अध्यक्ष रामुलु नाइक ने भी चुनाव लड़ने की घोषणा की है जिससे पार्टी के कई लोग आश्चर्यचकित है नतीजतन कांग्रेस से जुड़े ट्रेड यूनियन नेता अब खुद को कम से कम दो अलग-अलग समूहों में विभाजित पाते है पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि यह आंतरिक प्रतिद्वंद्विता कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है दोनों गुटों ने कार्यकर्ताओं तक अपनी पहुंच बढ़ा दी है कथित तौर पर भव्य समारोहों का आयोजन किया है और प्रलोभन दिए है।

कहा जाता है कि कार्यकर्ताओं को उनके वोट हासिल करने के प्रयास में टेलीविजन सेट और क्रॉकरी सहित महंगे उपहार दिए गए है दोनों खेमों के नेता अपने उम्मीदवार की जीत के प्रति आश्वस्त है अधिकारियों के अनुसार कंपनी में 266 योग्य मतदाता है अगले दो सप्ताह में चुनाव की तारीख की घोषणा होने की उम्मीद है साथ ही यूनियनों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिए जाएंगे कुल पांच यूनियनें चुनाव लड़ने के लिए पात्र हैं चुनाव का इंतजार कर रहे श्रमिकों ने नए सिरे से चुनाव प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया है।

विद्यार्थियों को कम्प्यूटर का ज्ञान होना चाहिए। लक्सेट्टीपेट : आदिवासी निगम के चेयरमैन कोटनाका तिरुपति ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ कंप्यूटर का ज्ञान भी होना चाहिए। वे मंडल केंद्र के एस्सार फंक्शन हॉल में ग्लोबल इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में नेता गद्दाम त्रिमूर्ति, चिंता अशोक, पूर्णचंदर, श्रीनिवास, आरिफ, पिंगिली रमेश, राजू, रविंदर, श्रीनिवास, आयोजक बोप्पू सुमन व अन्य ने भाग लिया।

इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक विकास के प्रयास : सीतक्का

कुमरमभीम/ आसिफाबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । राज्य पंचायती राज, ग्रामीण विकास तथा महिला एवं बाल कल्याण मंत्री धनसरी अनसूया (सीतक्का) ने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गई इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार को हैदराबाद स्थित सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टरों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई, जिसमें राज्य सरकार के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, शिक्षा आयुक्त योगिता रानी, पंचायती राज आयुक्त लोकेश, एसईआरपी सीईओ दिव्या देवराजन शामिल थे। इस अवसर पर बोलते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि योजना के तहत शुरू किए गए कार्यक्रमों को शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से जिले में 2 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएं तथा महिला

शक्ति भवनों के निर्माण के लिए स्थलों का चयन कर कार्य प्रारंभ किया जाए तथा 30 नवंबर तक कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि इस माह की 12 तारीख तक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को गणवेश उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंपों के संचालन के लिए जिला महिला महासंघ के तत्वावधान में प्रत्येक जिले में स्थानों का चयन किया जाए तथा तेल कंपनियों से अनुबंध किया जाए।

उन्होंने कहा कि स्कूल खुलने से पहले विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें तथा गणवेश उपलब्ध करा दिए जाएं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को प्रवेश दिलाकर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि इससे पहले उन्होंने जिला कलेक्टरों के साथ स्कूलों को खोलने, पाठ्य पुस्तकों, गणवेश का वितरण तथा स्कूल चलो कार्यक्रम को सफल बनाने की बात कही थी। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव और अन्य अधिकारी जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से कार्यक्रम में शामिल हुए।

देर रात आंधी तूफान पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति में बाधा

मदनूर, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल केंद्र के साथ साथ विविध गांव में रविवार के दिन देर रात अचानक तेज हवाओं के कारण सड़कों के साथ साथ घर के आंगन व मदनूर कृषि बाजार समिति कार्यालय मैदान में पेड़ गिर गए और देर रात से लेकर समाचार लिखे ज्याने तक मंडल के कुछ गांव में बिजली आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हुई।

हर तरफ पेड़ गिरने से बिजली के तार जमीन पर गिर पड़े सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाने के लिए विशेष कदम उठाए।

ज्या रहे है रविवार देर रात आंधी तूफान के सात बारिश और तेज हवाएं चली और आकाश में बिजली गरजने लगी कुछ घरों के कवेली टीन छत के ऊपर के सिंटेक्स टैंक तेज हवा में उड़ गई रात के समय रहने से लोगों में दहशत फैल गई। दूसरी ओर, बिजली आपूर्ति में भी बाधा उत्पन्न हुई। स्थानिक कृषि बाजार समिति कार्यालय मैदान में एक लारी के ऊपर पेड़ गिर गया कोही प्राण हानि नहीं हुई।

एआईसीसी की राज्य प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने को हैदराबाद में मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव से उनके आवास पर मुलाकात की, जो मंत्री पद की चाहत से निराश थे। ऐसा लगता है कि दोनों ने चेन्नूर विधायक गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी को पीएसआर की जगह मंत्री पद दिए जाने के बाद उन्हें मनाने की कोशिश शुरू कर दी थी। इस बीच, सभी को उम्मीद थी कि संयुक्त जिले में शुरू से ही पार्टी की रक्षा करने वाले पीएसआर को मंत्री पद मिलेगा। चूंकि उन्हें मौका नहीं मिला, इसलिए उनके समर्थकों में निराशा है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्रीअन्न की वैश्विक पहचान बनानी होगी : शिवराज सिंह चौहान

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोटे अनाज की विश्व स्तर पर पहचान स्थापित करने की कोशिश करने का आह्वान करते हुए कहा है कि तेलंगाना का श्री अन्न अनुसंधान संस्थान पूरी दुनिया को दिशा देगा।

श्री चौहान विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को तेलंगाना पहुंचे और किसानों तथा वैज्ञानिक समुदाय से संवाद किया। उन्होंने रंगारेड्डी जिले में किसानों के नवाचार को देखा और कहा कि राज्य में पाम की खेती बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और निरंतर प्रयास कर रही है। देश में भी अनुसंधान किये जा रहे हैं और विदेशों के भी सफल अनुसंधान किसानों तक पहुंचाने की कोशिश की जायेगी। सरकार एकीकृत खेती के मॉडल विकसित करने पर जोर दे रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने श्री अन्न के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा प्रदान करने हेतु वर्ष 2023 के दौरान श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण हेतु 250 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 मार्च, 2023 को भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नयन किया। श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के सात प्रमुख घटक हैं, जिनसे श्री अन्न को पूरे विश्व में प्रसारित किया जा सकेगा।

सोमवार दि. 9 जून 2025 को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एवं उन्नत फिनॉमिक्स परिसर का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी जी; श्री तुमल्ला नागेश्वर राव जी, कृषि, सहकारिता तथा कपड़ा मंत्री, तेलंगाना सरकार; सांसद श्री के विश्वेश्वर रेड्डी; सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भाकृअनुप डॉ. मांगी लाल जाट; उप महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप डॉ. डी के यादव एवं पीजेटीएसएयू के कुलपति तथा अन्य भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। माननीय मंत्री जी एवं अन्य गणमान्यजनों ने संस्थान में स्थापित विभिन्न इन्कुबेशन सुविधाओं का अवलोकन किया तथा इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया।

माननीय कृषि मंत्री जी ने स्टार्टअपों, किसान उत्पादक संगठनों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की तथा उन्हें संस्थान की ओर से मिली सहायता के बारे में पूछा कि आपको इस संस्थान से क्या लाभ प्राप्त हुआ, प्रत्युत्तर में एक स्टार्टअप श्री राम सुब्बा रेड्डी ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में अपनी नौकरी छोड़कर श्री अन्न की खेती एवं उसके प्रसंस्करण का कार्य आरंभ किया जिसमें उन्हें भरपूर लाभ मिल रहा है और वह कई अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर रहे हैं। तत्पश्चात माननीय मंत्री जी श्री अन्न के विभिन्न उत्पादों का आस्वादन किया तथा उनकी सराहना की।

माननीय कृषि मंत्री जी ने प्रेस व मीडिया से वार्तालाप किया तथा श्री अन्न (मिलेट्स) का महत्व बताते हुए कहा कि मिलेट सूपरफूड हैं जिनका सेवन करने से हमें पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं और ये मृदा स्वास्थ्य के लिए भी वरदान है। उन्होंने कहा कि श्री अन्न को आगे बढ़ाने हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल को कार्यान्वित करने के लिए ही आज इस श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एवं उन्नत फिनॉमिक्स परिसर का शिलान्यास किया गया है और मैं भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान को श्री अन्न की वैश्विकता के प्रयासों को आगे बढ़ाने हेतु शुभकामनाएं देता हूं।

इस अवसर पर डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने माननीय मंत्री जी एवं अन्य गणमान्यजनों को संस्थान के गतिविधियों एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया।

आईसीआरआईएसएटी ने विश्व की पहली गर्मी-सहिष्णु अरहर किस्म विकसित की

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) के वैज्ञानिकों ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त करते हुए अर्द्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए आईसीपीवी 25444 विकसित की है, जो विश्व की पहली गर्मी-सहिष्णु अरहर की किस्म है।आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि संस्थान द्वारा विकसित की गई यह किस्म केवल 125 दिनों में परिपक्व हो जाती है और 45 डिग्री सेल्सियस के तापमान में भी पनप सकती है।

फोटो और थर्मो-असंवेदनशील किस्म का कर्नाटक, ओडिशा और तेलंगाना में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है, जिससे प्रति हेक्टेयर 2 टन तक उपज प्राप्त हुई है। यह नवाचार दाल की खेती में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जिससे पारंपरिक खरीफ मौसम से परे, चिलचिलाती गर्मी में भी अरहर की खेती की जा सकती है। सोमवार को फील्ड विजिट के दौरान मीडिया से बात करते हुए, आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा, यह सफलता इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे विज्ञान, तत्परता और उद्देश्य से प्रेरित होकर, खेती को बदल सकता है और दाल की कमी और जलवायु चुनौतियों का समाधान कर सकता है। डॉ. प्रकाश गंगाशेट्टी के नेतृत्व में विकसित आईसीआरआईएसएटी के स्पीड-ब्रीडिंग प्रोटोकॉल ने नई अरहर की किस्मों के विकास के समय को 15 साल से घटाकर सिर्फ पांच साल कर दिया है, जिससे प्रति वर्ष चार पीढ़ियाँ बढ़ सकती हैं। अंतरिक्ष-अनुकूलित रोपण और जीनोमिक तकनीकों का उपयोग करके, वैज्ञानिकों ने बीज उत्पादन और आनुवंशिक लाभ को अधिकतम किया। भारत वर्तमान में 5 मिलियन टन की मांग के मुकाबले 3.5 मिलियन टन अरहर का उत्पादन करता है, जिससे सालाना 800 मिलियन अमरीकी डॉलर का आयात होता है। आईसीपीवी 25444 ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज दोनों तरह के विस्तार का समर्थन करता है - खरीफ और ग्रीष्मकालीन फसल के लिए एक व्यवहार्य समाधान प्रदान करता है, विशेष रूप से चावल के परती और सिंचित क्षेत्रों में जो टर्मिनल नमी तनाव से ग्रस्त हैं।इस किस्म ने फील्ड ट्रायल में आशाजनक परिणाम दिखाए हैं, कर्नाटक के बागलकोट के किसानों ने इसकी गर्मी सहनशीलता, कम अवधि और कीटों और बीमारियों के प्रति लचीलापन पर संतोष व्यक्त किया है।

36.3 करोड़ की जलापूर्ति परियोजना का शिलान्यास

करीमनगर, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोमवार को चोपडांडी शहर के नल्लालाबावी में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 36.3 करोड़ रुपये की जल सुधार परियोजना की आधारशिला रखी।श्री कुमार ने स्थानीय विधायक मेडिपल्ली सत्यम और पूर्व विधायक बोडिगे शोभा के साथ इस परियोजना का उद्घाटन किया, जिसमें 46.21 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क, 1500 किलोलीटर का ऊंचा जलाशय और जल पंप सुविधाओं का निर्माण शामिल है। इस परियोजना से 2,800 परिवारों को लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है।इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए बंडी संजय ने बताया कि अमृत योजना 2.0 के तहत देशभर में 2.99 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जिसमें 76,760 करोड़ रुपए केंद्र सरकार का हिस्सा है और बाकी राज्यों और नगर पालिकाओं का योगदान है। अकेले तेलंगाना में अमृत योजना 1 और 2.0 के तहत 6,876 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जिसमें केंद्र सरकार 3,591.72 करोड़ रुपए का योगदान दे रही है। संयुक्त करीमनगर जिले के लिए अमृत योजना के दोनों चरणों के तहत 852.11 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। खास तौर पर चोपडांडी परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 17.89 करोड़ रुपए, राज्य सरकार ने 15.11 करोड़ रुपए और स्थानीय नगर पालिका ने 3.30 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। शहरी जल आवश्यकताओं की तात्कालिकता पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा, 2047 तक शहरी आबादी के 50 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है, इसलिए पानी की आपूर्ति को वर्तमान 60-69 लीटर प्रति व्यक्ति से बढ़ाकर 136 लीटर प्रतिदिन किया जाना चाहिए। उन्होंने अमृत के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि भूमि संबंधी मुद्दों के कारण पहले हुई देरी अब हल हो गई है, जिससे परियोजना आगे बढ़ सकती है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने सोमवार शाम स्टेशन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर नव स्थापित प्रकाश व्यवस्था का उद्घाटन किया।इस अवसर पर बोलते हुए, रेड्डी ने याद किया कि केंद्रीय पर्यटन मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान प्रकाश व्यवस्था परियोजना को मंजूरी दी गई थी।उन्होंने कहा कि 775 उन्नत एलईडी प्रकाश इकाइयों का उपयोग करके 2.23 करोड़ रुपये की लागत से प्रकाश व्यवस्था परियोजना पूरी की गई है।स्टेशन के वास्तुशिल्प महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि 1916 में इंडो-गोथिक शैली में निर्मित काचीगुडा रेलवे स्टेशन हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में एक ऐतिहासिक स्थल है।

मंत्री ने बताया कि लगभग 50,000 यात्री प्रतिदिन स्टेशन का उपयोग करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, काचीगुडा को कई पुरस्कार मिले हैं और इसे भारतीय रेलवे पर नंबर एक ऊर्जा-कुशल स्टेशन के रूप में मान्यता दी गई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा संरक्षण प्रयासों के तहत स्टेशन पर 400 केडब्ल्यूपी का रूफटॉप सोलर पावर प्लांट लगाया गया है। उन्होंने कहा कि स्टेशन डिजिटल लेनदेन में भी अग्रणी है। रेड्डी ने आगे कहा कि तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास 'मृत भारत स्टेशन योजना' के तहत किया जा रहा है। इनमें बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य पूरा हो चुका है और हाल ही में प्रधानमंत्री ने इनका उद्घाटन किया। उन्होंने यह भी बताया कि 720 करोड़ रुपये की लागत से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास चल रहा है और यह तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर तेलंगाना में 42,219 करोड़ रुपये की रेल अवसंरचना परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इससे पहले, एससीआर के महाप्रबंधक -रुण कुमार जैन ने स्वागत भाषण दिया और कहा कि यह अवसर जुड़वां शहरों की स्थापत्य विरासत को संरक्षित करने और बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जीवंत प्रकाश व्यवस्था न केवल स्टेशन को सुशोभित करेगी बल्कि यात्रियों और पर्यटकों दोनों से सराहना भी प्राप्त करेगी। समारोह के दौरान, केंद्रीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने 'काची कल्याण संघम' के सदस्यों को सम्मानित किया, तथा उस समुदाय को सम्मानित किया, जिसके नाम पर काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन का नाम रखा गया है। इस कार्यक्रम में सांसद (राज्यसभा) नील कुमार यादव, विधान परिषद सदस्य ददंकी दयाकर, सिरपुर विधानसभा सदस्य डॉ. पलवई हरीश बाबू सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

किशन रेड्डी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले शिक्षकों से योग राजदूत बनने का किया आह्वान

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने सोमवार को योग को रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करने के महत्व पर जोर दिया और शिक्षकों से प्राचीन स्वास्थ्य पद्धति के राजदूत बनने का आग्रह किया।श्री रेड्डी ने यह बात 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले हैदराबाद में सीजीओ टावर्स में आयोजित एक तैयारी बैठक में कही। उन्होंने हैदराबाद में मुख्य समारोह एक दिन पहले, 20 जून को लाल बहादुर स्टेडियम में आयोजित किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, इस साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की उल्टी गिनती के हिस्से के रूप में, हैदराबाद में मुख्य कार्यक्रम 20 तारीख को आयोजित किया जा रहा है। हम तेलंगाना के राज्यपाल और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू सहित प्रमुख हस्तियों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को विशाखा-पत्तनम (विजाग) में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के योग दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे। जीवनशैली में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए किशन रेड्डी ने कहा, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग को दैनिक दिनचर्या बना लेना चाहिए। आज की दुनिया में, हम अपने भोजन, पानी और हवा में प्रदूषकों से घिरे हुए हैं। शारीरिक गतिविधि में कमी आई है और स्क्रीन टाइम बढ़ गया है, जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

किशन रेड्डी ने एआई-संचालित, टिकाऊ खनिज अन्वेषण का किया आह्वान

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री एवं तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए खनिज अन्वेषण में विज्ञान, स्थिरता और उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया।

हैदराबाद स्थित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (जीएसआईटीआई) में सोमवार को नेक्स्ट-जेन जियोफिजिक्स 2025: अनलॉकिंग अर्थ्स हिडन ट्रेजर्स सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्री रेड्डी ने राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र की स्थापना और आपदा तैयारियों को बढ़ाने के लिए इटली के साथ समझौता ज्ञापन सहित प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जीएसआई की 175 साल की विरासत की प्रशंसा की और भूवैज्ञानिकों से सटीक अन्वेषण के लिए एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे अत्याधुनिक उपकरणों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने 10,300 करोड़ रुपये के भारत एआई मिशन और 6,000 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन को नवाचार के उत्प्रेरक के रूप में उद्धृत किया।

तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची को त्रुटिरहित तरीके से अपडेट करने के लिए संशोधन-पूर्व अभियान शुरू किया

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी सुदर्शन रेड्डी ने सोमवार को जिला कलेक्टरों और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को मतदाता सूची के आगामी विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) के लिए सभी संशोधन-पूर्व गतिविधियों को पूरा करने का निर्देश दिया।

एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान, उन्होंने मतदान केंद्रों को युक्तिसंगत बनाने, रिक्त पदों को भरने और अधिकारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए 1,200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों को युक्तिसंगत बनाया जाना चाहिए। बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए नए स्थानों, विशेष रूप से ऊंची इमारतों, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों और झुग्गी बस्तियों की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण किए जाने चाहिए।ईआरओ, सहायक ईआरओ और बूथ लेवल अधिकारियों (बीए-लओ) सहित सभी रिक्त पदों को तुरंत भरा जाना चाहिए। मतदान केंद्रों में अनुमानित वृद्धि का प्रबंधन करने के लिए अतिरिक्त बीएलओ नियुक्त किए जाने चाहिए।

सीईओ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सटीक और विश्वसनीय मतदाता सूची बनाए रखने के लिए संशोधन-पूर्व गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं। मतदान केंद्रों पर ईसीआई के मैनुअल 2020 में उल्लिखित युक्तिकरण का उद्देश्य मतदाताओं का समान वितरण सुनिश्चित करना और परिवार के सदस्यों को एक ही मतदान केंद्र पर नियुक्त रखना है। आवासीय परिसरों में सामुदायिक हॉल और कम सेवा वाले क्षेत्रों में सुलभ स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी।संशोधन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए, ईआरओ, एईआरओ, बीए-लओ और पर्यवेक्षकों को चुनावी कानूनों, आईटी प्रणालियों और घर-घर सत्यापन प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। बीए-लओ डोर-टू-डोर सर्वेक्षण करने, विवरणों की पुष्टि करने और फॉर्म जमा करने में मतदाताओं की सहायता करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सुदर्शन रेड्डी ने निर्बाध और पारदर्शी मतदाता सूची अपडेट सुनिश्चित करने के लिए ईसीआई के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए तेलंगाना की प्रतिबद्धता को दोहराया।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.